डाक पंजीयन क्र. MP/Bhopal/186/2024-2026
लाइसेंस क्र. Tech/23-04/08/2024-2026
आर.एन.आई. पंजीकरण संख्या 38506/84

रोज़गार और निर्माण

प्रति सोमवार को प्रकाशित, भोपाल 05.05.2025 से 11.05.2025 ▶ वर्ष-42 ▶ अंक-19 ▶ मूल्य ₹ 10.00

मुख्यमंत्री ने धार जिले के उमरबन में सामूहिक विवाह एवं हितलाभ वितरण कार्यक्रम को संबोधित किया

कपास उत्पादक किसानों को मिलेगा पीएम मित्र पार्क से लाभ

3 लाख से अधिक रोज़गार के अवसरों का होगा सृजन – मुख्यमंत्री

धार, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने धार जिले के उमरबन में आयोजित सामूहिक विवाह एवं हितलाभ वितरण कार्यक्रम को संबोधित किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने गरीब, युवा, अन्नदाता (किसान), और नारी सशक्तिकरण के लिए 4 मिशन लॉन्च किए हैं। हितग्राहियों को कई जनकल्याणकारी योजनाओं का सीधा लाभ दिया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के सबका साथ, सबका विकास के मूल मंत्र से राज्य सरकार प्रदेश को समृद्ध और सशक्त बनाने के लिए संकल्पित है। युवाओं को रोज़गार, लाड़ली बहनों को आर्थिक सहायता, गरीब जरूरतमंदों के नि:शुल्क उपचार की व्यवस्था की गई है।

जनजातीय क्षेत्रों सहित प्रदेश के किसानों की आय बढ़ाने के लिए राज्य सरकार ने विभिन्न सिंचाई परियोजनाओं का जाल बिछाया है। हमारा लक्ष्य प्रत्येक खेत तक पानी पहुंचाकर प्रदेश के सिंचित रकबे को 55 लाख हेक्टेयर से बढ़ाकर 1 लाख हेक्टेयर करना है। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने इसके लिए केन-बेतवा लिंक और पार्वती-चंबल-कालीसिंध लिंक परियोजनाओं की शुरुआत की है। उन्होंने कहा कि धार को पीएम मित्र पार्क की सौगात केन्द्र से मिली है। यहां 2100 करोड़ रुपये से औद्योगिक पार्क आकार लेगा और लगभग 3 लाख रोज़गार सृजित होंगे।

- **मुख्यमंत्री जनकल्याण (संबल) योजना में 27 हजार से अधिक हितग्राहियों को 600 करोड़ रुपये का अंतरण।**
- **85 लाख से अधिक किसानों को मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना की प्रथम किस्त के तहत 1704.94 करोड़ रुपये की राशि ट्रांसफर।**
- **1870 करोड़ रुपये की लागत वाली धार माइक्रो उद्वहन सिंचाई परियोजना और 277 करोड़ रुपये के विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमि-पूजन।**

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव धार जिले के उमरबन में सामूहिक विवाह योजना के लाभार्थियों को चैक वितरित करते हुए

उमरबन में परिणय सूत्र में बंधे 2123 जोड़े

मुख्यमंत्री ने उमरबन में आयोजित मुख्यमंत्री सामूहिक कन्या विवाह सम्मेलन में परिणय सूत्र में बंधे 2123 नवविवाहित जोड़ों को आशीर्वाद दिया। उन्होंने कहा कि उमरबन की धरती से प्रदेश को कई सौगातें मिली हैं। कन्या विवाह योजना में बेटियों को प्रावधान के अनुसार 49 हजार रुपये का लाभ दिया जा रहा है। इसके साथ ही सामूहिक विवाह सम्मेलन में कल्याणी विवाह और अन्तर्जातीय विवाह करने पर राज्य सरकार की ओर से 2-2 लाख रुपये की सहायता राशि दी जा रही है।

सिंचाई परियोजना का किया भूमि-पूजन

मुख्यमंत्री ने 1870 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाली धार माइक्रो उद्वहन सिंचाई परियोजना एवं धार जिले के लिए 277 करोड़ रुपये के लागत से विकास कार्यों का भूमि-पूजन एवं लोकार्पण किया। उन्होंने प्रदेश के 85 लाख से अधिक किसानों को मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना वर्ष 2025-26 की प्रथम किस्त के रूप में 1704.94 करोड़ रुपये की राशि बैंक खातों में सीधे अंतरित की। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में नदी जोड़ो परियोजनाओं के कार्य प्रदेश में समृद्धि लाएंगे।

संबल हितग्राहियों को 600 करोड़ रुपये अंतरित

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मुख्यमंत्री जनकल्याण (संबल) योजना में प्रदेश के 27 हजार से अधिक संबल हितग्राहियों को 600 करोड़ रुपये की राशि सिंगल क्लिक से अंतरित की।

प्रदेश के शासकीय सेवकों की अन्य अपेक्षाओं और समस्याओं के संबंध में भी शीघ्र कार्रवाई की योजना

भोपाल, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मध्यप्रदेश राजपत्रित अधिकारी संघ भोपाल के नार्मदीय भवन में आयोजित प्रांतीय सम्मेलन को संबोधित किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश के सभी शासकीय कर्मचारियों को एक जुलाई 2024 से 3 प्रतिशत और एक जनवरी 2025 से 2 प्रतिशत महंगाई भत्ते का लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा कि प्रदेश के सभी शासकीय कर्मचारियों को केन्द्र सरकार के कर्मचारियों के समान ही 55 प्रतिशत महंगाई भत्ता दिया जाएगा। महंगाई भत्ते में वृद्धि के फलस्वरूप एरियर राशि का भुगतान 5 समान किस्तों में जून से अक्टूबर 2025 तक किया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि शासकीय सेवकों के परिश्रम और समर्पण ने प्रदेश को बेहतर भविष्य की ओर बढ़ाया है। कर्मचारियों का जीवन खुशहाल और भविष्य सुरक्षित हो यह राज्य सरकार की प्राथमिकता है। सरकार की व्यवस्थाओं और जनहित की योजनाओं को हितग्राही तक पहुंचाकर लाभान्वित करने में राजपत्रित अधिकारी ग्रोथ इंजन हैं। इनकी कर्मठता और संवेदनशीलता ही प्रदेश के सुशासन का आधार है।

शासकीय योजनाओं का महत्वपूर्ण योगदान

मुख्यमंत्री ने कहा कि योजनाओं और कार्यक्रमों के क्रियान्वयन से शासन की लोकहित एवं लोककल्याण की मंशा को समाज की अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक पहुंचाने में शासकीय योजनाओं का महत्वपूर्ण योगदान है। राज्य सरकार इनके भविष्य और कार्य सुविधा के लिए हर संभव प्रयास करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की मंशानुरूप **'विकसित मध्यप्रदेश'** के निर्माण के लक्ष्य के प्रति शासन-प्रशासन सभी मिलकर निरंतर समर्पित रहेंगे। उन्होंने कहा कि 2016 से अवरुद्ध पदोन्नति के मामले में समाधान के लिए भी प्रयास किया जा रहा है।

कामकाजी महिलाओं के छात्रावास निर्माण के लिए 100 करोड़ रुपये का प्रावधान

भोपाल, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कालिदास अकादमी, उज्जैन में सत्यज फाउंडेशन द्वारा आयोजित महिला केंद्रित रोज़गार पर्व को वर्चुअली संबोधित किया। उन्होंने कहा कि प्रदेश के कुल स्टार्ट-अप में से 45 प्रतिशत से अधिक की मालकिन महिलाएं हैं। ड्रोन दीदी के रूप में स्व-सहायता समूह की बहनें नई पहचान बना रही हैं। शासकीय नौकरियों में 35 प्रतिशत आरक्षण ने बहन-बेटियों को सफलता के नए पंख दिए हैं। प्रदेश में महिलाओं के नाम जमीन, दुकान और घर की रजिस्ट्री में छूट मिल रही है, इससे बहनों का मान तो बढ़ा ही है, घर के फैसलों में भी अब महिलाओं को महत्व मिल रहा है।

/संक्षिप्त खबर/

बाबा साहेब ने समाज को समानता के साथ जीवन जीने और नई उड़ान भरने का दिया अवसर

इंदौर, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने इन्दौर में डॉ. भीमराव अम्बेडकर सम्मान अभियान की जिला संगोष्ठी को सम्बोधित किया। उन्होंने कहा कि भारतीय संविधान सभा के अध्यक्ष एवं भारत रत्न बाबा साहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर का व्यक्तित्व बहुत महान और विराट था। वे सामाजिक एकता के प्रबल पक्षधर थे।

डॉ. अम्बेडकर केवल दलितों के ही नहीं, सभी वर्गों के मसीहा हैं। डॉ. अम्बेडकर को आगे बढ़ाने में ग्वालियर के राजा जीवाजी राव सिंधिया सहित बड़ौदा के महाराजा गायकवाड़ का भी महत्वपूर्ण योगदान रहा। बाबा साहेब को अम्बेडकर नाम उनके गुरु ने दिया था। जिसका उन्होंने जीवन पर्यंत सम्मान किया और उसे शिखर पर पहुंचाया।

भीतर के पृष्ठों पर

- **पिछला सप्ताह** - देश-विदेश की साप्ताहिक खबरों का संक्षिप्त विवरण
- **चर्चा में** - चर्चित व्यक्तियों और ध्यान आकर्षित करने वाली खबरों की चर्चा
- **खेल चर्चा** - प्रमुख खेल गतिविधियों का विवरण
- **सामयिकी** - देश-विदेश की प्रमुख घटनाएं

(स्रोत : समाचार एवं फोटो जनसंपर्क विभाग, मध्यप्रदेश से साभार)

मध्यप्रदेश के हर कोने को औद्योगिक उन्नति की धारा से जोड़ने का है लक्ष्य - मुख्यमंत्री

भोपाल, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मंत्रालय में उच्च-स्तरीय बैठक में उद्योग एवं रोज़गार वर्ष 2025 में प्रस्तावित कार्यक्रमों और गतिविधियों की समीक्षा करते हुए कहा कि उद्योग एवं रोज़गार वर्ष 2025 के संकल्प को साकार करने के लिए सभी विभागों और एजेंसियों को समन्वित प्रयास करना होगा। उन्होंने निर्देश दिए कि वर्ष-भर के लिए तैयार किए गए कार्यक्रम कैलेंडर के अनुसार सभी गतिविधियों का कुशलतापूर्वक संचालन सुनिश्चित कर हर माह इनकी प्रगति की गहन समीक्षा करें।

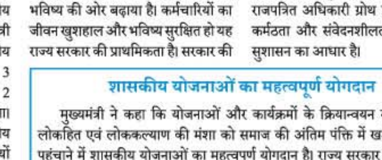

मुख्यमंत्री ने कहा कि आयोजन प्रदेश के समावेशी औद्योगिक विकास की दिशा में हों। सेक्टर कॉन्क्लेव जैसे आयोजन वहीं पर आयोजित किए जाएं, जहां औद्योगिक गतिविधियां संचालित हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि आयोजन जिलों के मुख्यालयों तक सीमित नहीं रहें, बल्कि सुदूर अंचलों और औद्योगिक संभावना वाले क्षेत्रों में भी उनका विस्तार किया जाये, जिससे प्रदेश का हर कोना औद्योगिक उन्नति की धारा से जुड़े।

शिक्षा और स्वास्थ्य पर भी विशेष कार्यक्रम

मुख्यमंत्री ने कहा कि उद्योग एवं रोज़गार वर्ष में स्टार्ट-अप प्रोत्साहन, एमएसएमई विकास, निर्यात संवर्धन, कौशल उन्नयन, रोज़गार मेले, निवेश संवर्धन सम्मेलन जैसे सभी प्रमुख कार्यक्रम निर्धारित वार्षिक कैलेंडर के अनुसार संचालित किए जाएं। रोज़गार संवर्धन के लिए शिक्षा और स्वास्थ्य पर भी विशेष कार्यक्रम आयोजित किए जाएं। उन्होंने निर्देश दिए कि औद्योगिक गतिविधियों का केवल आयोजन ही नहीं, बल्कि उनके ठोस परिणाम सुनिश्चित करना विभागों की जिम्मेदारी होगी। इसके लिए विभागीय समन्वय को बेहतर बनाया जाए और कार्यक्रमों की गुणवत्ता तथा समयबद्धता पर विशेष ध्यान दिया जाए।

26 अप्रैल

खाद्य पदार्थों से जुड़े भ्रामक दावों की अब ऑनलाइन शिकायत भी संभव

● खाने-पीने के उत्पादों पर किए गए भ्रामक दावों की शिकायत अब कोई भी व्यक्ति देश की शीर्ष खाद्य सुरक्षा संस्था भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) से सीधे ऑनलाइन कर सकता है। इसके लिए एफएसएसएआई ने अपनी वेबसाइट और मोबाइल एप पर नया लिंक और सेक्शन जोड़ा है। एप या वेबसाइट पर विकल्प एफएसएसएआई के 'फूड सेफ्टी कनेक्ट' मोबाइल एप्लिकेशन के माध्यम से या https://foscos.fssai.gov.in वेबसाइट के माध्यम से शिकायत दर्ज करा सकते हैं। एफएसएसएआई द्वारा बताया गया कि शिकायतकर्ता को एप पर रजिस्ट्रेशन करने की जरूरत नहीं है। वे बिना अपनी पहचान बताए भी शिकायत कर सकते हैं।

27 अप्रैल

शिक्षा के क्षेत्र में एआई को उपयोगी बनाना लक्ष्य

● प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि देश के युवाओं के सुनहरे भविष्य निर्माण में शिक्षा की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। उनकी सरकार शिक्षा प्रणाली को आधुनिक बनाने की दिशा में काम कर रही है। 'युग्म' सम्मेलन में श्री मोदी ने कहा कि केंद्र सरकार का लक्ष्य भारत के लिए एआई को कारगर बनाना है। भारत को भविष्य की हर तकनीक में दुनिया के लिए सर्वश्रेष्ठ बनने के लिए काम करना होगा। उन्होंने कहा कि वर्ष 2013-14 में अनुसंधान एवं विकास पर सिर्फ 60 हजार करोड़ रुपये खर्च किए जाते थे। अब इसका बजट बढ़ाकर 1.25 लाख करोड़ रुपये कर दिया गया है। प्रधानमंत्री ने बताया कि सरकार ने विकसित भारत के लक्ष्य के लिए अगले 25 वर्षों की समय-सीमा तय की है।

28 अप्रैल

विदेश में गिफ्ट के नाम पर पैसे भेजने वाले अमीर परिवारों पर आरबीआई सख्त

● विगत वर्षों में धनी भारतीयों के बीच विदेश में बसे बच्चों को ऑफशोर फंड (विदेश में रजिस्टर्ड म्युचुअल फंड) गिफ्ट करने का झुकाव बढ़ा है। कुछ लोग विदेश में म्यूचुअल फंड या प्रॉपर्टी बेचकर पैसे सीधे अनिवासी भारतीय (एनआरआई) बच्चों को भेज रहे हैं। अब यह (भारतीय रिजर्व बैंक) आरबीआई की कड़ी जांच के दायरे में है। आरबीआई को चिंता है कि लोग ऐसे धन गिफ्ट देकर रीपैट्रिएशन (प्रत्यावर्तन) संबंधी नियमों को दरकिनार कर रहे हैं। नियमों के मुताबिक, अगर आपने विदेश में कोई निवेश किया है तो उससे हुई कमाई पहले भारत लानी होगी। इसके बाद ही आप उसे दोबारा विदेश भेज सकते हैं। ऐसा नहीं करने पर फेमा कानून के तहत जुर्माना और कार्रवाई हो सकती है। उल्लेखनीय है कि गिफ्ट भेजने का सही तरीका ये है कि विदेश में निवेश से हुई कमाई पहले भारत लाएं, फिर गिफ्ट भेजें। फैमिली ट्रस्ट बनाकर भी संपत्ति ट्रांसफर कर सकते हैं।

29 अप्रैल

अदालतें अब मध्यस्थता कोर्ट के फैसले बदल सकेंगी

● सुप्रीम कोर्ट ने एक ऐतिहासिक फैसले में कहा है कि अब देश की अदालतें 'अर्बिट्रेशन' यानी मध्यस्थता से आए फैसलों को सिर्फ रद्द ही नहीं, बल्कि कुछ मामलों में उनमें जरूरी बदलाव भी कर सकेंगी। पहले अदालतें ऐसे फैसलों को सिर्फ खारिज कर सकती थीं। अब गलती वाले हिस्से में सुधार कर बाकी फैसले को बरकरार रखा जा सकेगा। मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना की अगुआई में पांच जजों की बेंच ने यह फैसला सुनाया। कोर्ट ने कहा कि सेक्शन 34 और 37 के तहत अदालतों को सीमित संशोधन की शक्ति है।

30 अप्रैल

केयरएज ने राज्यों की रैंकिंग जारी की

● केयरएज की रेटिंग के अनुसार महाराष्ट्र सबसे ज्यादा अंक (56.5 प्रतिशत) लेकर अव्वल राज्य के तौर पर उभरा है। महाराष्ट्र के बाद गुजरात और कर्नाटक दूसरे और तीसरे पायदान पर रहे। पूर्वोत्तर, पहाड़ी और छोटे राज्यों की सूची में गोवा 62 प्रतिशत अंक के साथ पहले स्थान पर है। केयरएज की स्टेट रैंकिंग का ये दूसरा संस्करण है। उल्लेखनीय है कि केयरएज की रेटिंग में 50 संकेतकों के हिसाब से सात पैमानों-आर्थिक, राजकोषीय, इन्फ्रास्ट्रक्चर, फाइनेंशियल ग्रोथ, सामाजिक उत्थान, शासन और पर्यावरण के आधार पर राज्यों का मूल्यांकन किया जाता है।

1 मई

फार्मेसी कॉलेजों की रैंकिंग तय करेगी क्यूसीआई

● देश में संचालित होने वाले फार्मेसी कॉलेजों की रैंकिंग भारतीय गुणवत्ता परिषद की ओर से की जाएगी। अब तक नेशनल इंस्टीट्यूशनल रैंकिंग फ्रेमवर्क इन कॉलेजों को रैंक किया करता था। अब नई रैंकिंग के लिए फार्मेसी काउंसिल ऑफ इंडिया ने क्वालिटी काउंसिल ऑफ इंडिया के साथ टाई-अप किया है। कॉलेजों को एक से 15 मई तक क्यूसीआई की वेबसाइट पर रजिस्ट्रेशन करवाना होगा। इस रैंकिंग के माध्यम से कॉलेजों की वस्तुस्थिति सामने आ पाएगी। अभी कई कॉलेज गलत प्रलोभन देकर छात्रों को एडमिशन देते हैं। रैंकिंग के इंडिकेटर्स के माध्यम से कॉलेज की क्वालिटी का पता लगेगा। इस रैंकिंग को स्टूडेंट्स और अन्य स्टेकहोल्डर्स के लिए सार्वजनिक भी किया जाएगा। क्यूसीआई की टीम शैक्षणिक व्यवस्था और वातावरण, छात्रों की योग्यता और दक्षता, वित्तीय स्थिति, मानव संसाधन, मूल्यांकन प्रक्रिया और रिसर्च और परसेप्शन को जांचेगी। इसके बाद इन पैरामीटर्स के अंकों के आधार पर कॉलेजों की रैंकिंग तय की जाएगी।

● सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि डिजिटल सेवाओं तक पहुंच भी अब जीवन के अधिकार का हिस्सा है। कोर्ट ने दिव्यांगजनों और तेजाब हमले के शिकार लोगों के लिए डिजिटल अपने ग्राहक को जानें (केवाईसी) नियमों में बदलाव के निर्देश दिए हैं। जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस आर महादेवन की बेंच ने कहा कि दृष्टिहीन और अन्य दिव्यांग लोग, साथ ही तेजाब हमले के पीड़ित, केवाईसी की मौजूदा प्रक्रिया को पूरा नहीं कर पाते हैं। इससे वे बैंक खाता खोलने और सरकारी योजनाओं का लाभ नहीं ले पाते। कोर्ट ने कहा कि कुछ लोग सिर हिलाने या चेहरा एक जगह रखने जैसी शारीरिक गतिविधियां नहीं कर सकते, इसलिए उनके लिए केवाईसी के नियमों को आसान बनाना जरूरी है।

2 मई

यूजीसी ने विश्वविद्यालयों को अपने पाठ्यक्रमों की समीक्षा करने के दिए निर्देश

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) ने नेशनल एजुकेशन पॉलिसी (एनईपी) के तहत विश्वविद्यालयों और उनके संबद्ध कॉलेजों को अपने पाठ्यक्रमों की समीक्षा और उसमें जरूरी बदलाव करने के निर्देश दिए हैं। इसके तहत एनईपी में जो प्रावधान किए गए हैं उसके अनुरूप ही पाठ्यक्रम भी होना चाहिए। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा जारी दिशा-निर्देशों में कई तरह के संशोधन को शामिल किया गया है। इसमें नेशनल क्रेडिट फ्रेमवर्क, कुरिकुलम एंड क्रेडिट फ्रेमवर्क फॉर अंडर ग्रेजुएट प्रोग्राम्स (सीसीएफयूपी), संक्षिप्त कौशल आधारित मॉड्यूल, अप्रेंटिसशिप एंबेडेड डिग्री प्रोग्राम और पीजी प्रोग्राम्स के लिए कुरिकुलम फ्रेमवर्क शामिल है।

(स्रोत : संपादकीय टीम द्वारा संकलित फोटो : गूगल से साभार)

R-50906/2025

वर्ष 42, अंक 19 05.05.2025 से 11.05.2025

रोज़गार और निर्माण

rojgaraurnirman.in

- प्रबंध संचालक - डॉ. सुदाम खाड़े
- सम्पादक - रंजना चितले
- प्रबंधक - वंदना चतुर्वेदी (विज्ञापन एवं प्रसार)
- प्रबंधक - सुभाष चन्द्र जोशी (मुद्रण)
- आकल्पन - अरविन्द टोप्पो
- वेबसाइट - आत्माराम शर्मा

वार्षिक सदस्य बनने के लिये रुपये 500/- (पाँच सौ) का डी.डी., मनीऑर्डर अथवा पोस्टल ऑर्डर रोज़गार और निर्माण, भोपाल के नाम बनवाकर नीचे लिखे पते पर भेजें :-
रोज़गार और निर्माण, मध्यप्रदेश माध्यम, 40 प्रशासनिक क्षेत्र, अरेरा हिल्स, भोपाल (म.प्र.) पिन-462011
फोन- 2760006, 2551330, 4281330, फैक्स - 4228409, **e-mail : madhyam.rojgar@gmail.com**
रोज़गार और निर्माण कार्यालय में नगद राशि जमा कर भी इसकी वार्षिक सदस्यता प्राप्त की जा सकती है। रोज़गार और निर्माण में प्रकाशित लेखों में व्यक्त विचार लेखकों के अपने हैं। इनसे सम्पादक की सहमति अनिवार्य नहीं है। किसी भी प्रकार के विवाद के लिये न्यायालयीन अधिकार क्षेत्र भोपाल रहेगा। रोज़गार और निर्माण में निजी संस्थाओं के विज्ञापन भी प्रकाशित किये जाते हैं, इन विज्ञापनों में किए गए दावे और तथ्य निजी संस्थाओं के अपने होते हैं। इसका समाचार पत्र के प्रबंधन से कोई संबंध नहीं है।

सम्पादकीय

ऑर्टिफिशियल इन्टेलिजेंस से अवैध खनन की निगरानी करने का प्रयोग

अवैध खनन भंडारण एवं परिवहन की रोकथाम के लिये ऑर्टिफिशियल इन्टेलिजेंस (एआई) का उपयोग कर खनन निगरानी प्रणाली विकसित की जा रही है। इस प्रणाली के अंतर्गत प्रदेश की समस्त स्वीकृत 7502 खदानों की जियो टेगिंग कर खदान क्षेत्र का सीमांकन किया जा चुका है। सैटेलाइट इमेज एवं रिमोट सेंसिंग टेक्नोलॉजी की सहायता से प्रदेश में हो रहे अवैध उत्खनन एवं भंडारण पर निगरानी रखी जायेगी।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का कहना है कि यह प्रणाली खदान क्षेत्र के बाहर हो रहे अवैध उत्खनन का पता लगाने में सक्षम होगी। इसके अंतर्गत एक निश्चित समय अंतराल पर सतत रूप से प्राप्त सैटेलाइट इमेजेस का विश्लेषण कर सिस्टम द्वारा राज्य एवं जिला प्रशासन को अलर्ट भेजे जायेंगे। क्षेत्रीय अमले द्वारा मोबाइल ऐप से परीक्षण एवं निरीक्षण कर पोर्टल अथवा मोबाइल ऐप पर रिपोर्ट दर्ज कर प्रकरण पंजीबद्ध किया जायेगा। आवश्यकता पड़ने पर खदान या उसके बाहर ड्रोन सर्वे कर वॉल्यूमेट्रिक एनालिसिस से वास्तविक उत्खनित मात्रा का पता लगाकर दोषियों के विरुद्ध कार्रवाई कर अर्थदण्ड अधिरोपित करने की परियोजना भी प्रक्रियाधीन है। खनिजों के अवैध परिवहन की रोकथाम के लिये नवीन तकनीक एआई पर आधारित मानव-रहित चेक-गेट पूरे प्रदेश में स्थापित किये जा रहे हैं। प्रदेश में 41 ऐसे स्थल चिह्नांकित किये गये हैं, जहाँ से खनिज परिवहन करने वाले वाहनों का सर्वाधिक आगमन होता है। चेक-गेट स्थापित करने के लिये टेण्डर के माध्यम से रेल टेल कॉर्पोरेशन को सर्विस प्रोवाइडर के रूप में चयनित किया गया है। उन्होंने कहा कि पॉयलेट प्रोजेक्ट के रूप में भोपाल के आस-पास 4 स्थानों पर ई-चेकगेट स्थापित किये गये हैं। निगरानी के लिये राज्य स्तर पर भोपाल में कमाण्ड एवं कंट्रोल सेंटर और जिला स्तर पर भोपाल एवं रायसेन में जिला स्तरीय कमाण्ड सेंटर स्थापित किया गया है। ई-चेकगेट में वेरीफोकल कैमरा, आर.एफ.आई.डी. रीडर, ऑटोमेटिक नम्बर प्लेट रीडर की सहायता से खनिज परिवहन में संलग्न वाहन की जांच के प्रावधान हैं।

प्रदेश में सूचना प्रौद्योगिकी के अंतर्गत विभाग की गतिविधियों को ऑनलाइन करने के लिये एनआईसी द्वारा वेब पोर्टल (ई-खनिज) बनाया गया है। ई-खनिज पोर्टल को परिवहन विभाग के पोर्टल के साथ लिंक किया गया है। इससे पट्टेदार, ट्रांसपोर्टर खनिज परिवहन करने के लिये ऑनलाइन वाहनों का रजिस्ट्रेशन ई-खनिज पोर्टल पर कर सकते हैं। डिजिटल इण्डिया अंतर्गत विभाग द्वारा ई-खनिज पोर्टल से खनिजों के परिवहन के लिये ऑनलाइन परिवहन पारपत्र (e-TP) की सेवाओं को सफलतापूर्वक लागू किया गया है। इस व्यवस्था के अंतर्गत कोई भी पट्टेदार रॉयल्टी एवं अन्य राशि का भुगतान करने के बाद ई-टीपी प्राप्त कर सकता है। खनिजों के परिवहन में संलग्न वाहनों के ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन का प्रावधान किया गया है।

प्रदेश के 55 जिलों में ई-खनिज पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन ई-टीपी सेवाओं को लागू किया जा चुका है। इस व्यवस्था के सकारात्मक परिणाम प्राप्त हो रहे हैं। साथ ही अवैध उत्खनन, परिवहन एवं भंडारण की जानकारी एमआईएस रिपोर्ट के रूप में प्राप्त की जा रही है। ई-टीपी की व्यवस्था लागू होने से पट्टेदार द्वारा ऑनलाइन रॉयल्टी का भुगतान किया जा रहा है। इससे केशलैस ट्रॉन्जेक्शन की मंशा भी पूरी की गयी है। खनिजों के अवैध उत्खनन, परिवहन, भंडारण पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिये खनिज परिवहन किये जाने वाले वाहनों का ई-रजिस्ट्रेशन अनिवार्य किया गया है। ईज ऑफ डूइंग बिजनेस के तहत विभिन्न आवेदनों को ऑनलाइन ई-खनिज पोर्टल के माध्यम से जमा करने की व्यवस्था लागू की गयी है। विभागीय पोर्टल द्वारा खनिज अन्वेषण एवं खदानों की जानकारी आमजन को उपलब्ध करायी जा रही है। नवीन पोर्टल ई-खनिज 2.0 सुशासन से एवं ईज ऑफ डूइंग बिजनेस के अंतर्गत विभिन्न प्रक्रियाओं को सरलीकृत किया जा रहा है। नवीन पोर्टल ई-खनिज 2.0 को सिंगल विण्डो से विभाग से संबंधित विभिन्न सेवाओं को ऑनलाइन उपलब्ध कराने के लिये विभाग द्वारा विकसित किया जा रहा है। इसके अंतर्गत आवेदन-पत्र प्रस्तुत करने तथा इसके निराकरण के लिये ऑनलाइन व्यवस्था प्रदाय की जायेगी। विभिन्न सेवाओं को मोबाइल ऐप से आमजन तक तथा पट्टेदारों को मोबाइल पर उपलब्ध कराया जा सकेगा। पट्टेदारों एवं नागरिकों की समस्याओं के समाधान के लिये ऑनलाइन प्लेटफार्म भी उपलब्ध कराया जायेगा।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) बेस्ड मॉडल से यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी ने की ओफियन खोज

अंतरिक्ष विज्ञान के क्षेत्र में अपनी खोज और शोध कार्य के लिये प्रतिष्ठित यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी ने हाल ही में अंतरिक्ष विज्ञान से जुड़े महत्वपूर्ण तथ्यों को सार्वजनिक किया है। शोध के अनुसार जब किसी गैस बादल से एक साथ हजारों सितारे जन्म लेते हैं, तो वे करोड़ों सालों तक एक समूह में बंधे रहते हैं। लेकिन इस बार हमें एक ऐसा तारा समूह खोजने पर प्राप्त हुआ है जो दो करोड़ वर्ष पुराना है। अंतरिक्ष एजेंसी द्वारा चलाये गये गाईया मिशन में यह जानकारी सामने आई है। इस मिशन में अमेरिका की वेस्टर्न वॉशिंगटन यूनिवर्सिटी के खगोलविद् डिलन हसन और उनकी टीम के सदस्य शामिल हुए जिन्होंने इस क्लस्टर की खोज की है। वैज्ञानिकों ने इसे ओफियन नाम दिया है। यह क्लस्टर पृथ्वी से करीब 650 प्रकाशवर्ष की दूरी पर स्थित है। वैज्ञानिकों के अनुसार ओफियन में करीब एक हजार युवा तारे हैं, लेकिन शोध में प्राप्त डेटा से पता चला कि ये सभी तारे इतनी तेज गति से आगे बढ़ रहे हैं कि जल्द ही इस पूरे समूह के टूटने की संभावना है। सामान्यतः ऐसे तारों के समूहों को बिखरने में सैकड़ों करोड़ साल लग जाते हैं।

इस मिशन से मिली जानकारी के अनुसार ओफियन के सितारों की वेलोसिटी लगभग 20 किलोमीटर प्रति सेकेंड है। इसका मतलब यह है कि क्लस्टर के सबसे तेज और सबसे धीमें सितारों की गति में 20 किलोमीटर प्रति सेकेंड का अंतर है जो कि एक बेहद असामान्य और अस्थिर स्थिति है। इतनी तेज गति के कारण, ओफियन के तारे आपस में गुरुत्वीय बल से बंधे नहीं रह पाएंगे और बहुत जल्दी अलग हो जाएंगे। वैज्ञानिकों ने बताया कि ओफियन की खोज पारंपरिक तरीकों से संभव नहीं की गई। डिलन हसन और मरीना काउनकेल की टीम ने एक नए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) बेस्ड मॉडल गाईया नेट का इस्तेमाल किया। यह लाखों तारों के स्पेक्ट्रम का विश्लेषण करने में सक्षम है।

- विकास तिवारी

(लेखक, प्रतियोगी परीक्षाओं से जुड़े विषयों पर लेखन करते हैं)

उन्नत कृषि और कृषकों की समृद्धि में सहायक होंगे संभागीय कृषि मेले

कृषि को उन्नत और कृषकों को समृद्ध बनाने के लिये प्रयत्नशील मध्यप्रदेश सरकार अब प्रदेशभर में बहुउद्देशीय कृषि मेलों का आयोजन करने जा रही है। पहले चरण में ये कृषि मेले संभागीय मुख्यालयों पर आयोजित होंगे। इन कृषि मेलों में एक ओर किसानों को आधुनिक और उन्नत कृषि के तरीकों से अवगत कराया जायेगा तो वहीं दूसरी ओर कृषि आधारित उद्योगों की स्थापना को प्रोत्साहित किया जायेगा। जिससे स्थानीय युवाओं के लिये रोज़गार के अवसर बढ़ेंगे।

कृषि मनुष्य जीवन की ही नहीं संपूर्ण विश्व की अर्थव्यवस्था का आधार भी है। जीवन के लिये उपयोगी अन्न, फल, सब्जी, मसाले, मेवा आदि सब कृषि आधारित उपज से मिलते हैं। वहीं कृषि के लिये उपयोगी खाद, कीटनाशक, ट्रैक्टर, हार्वेस्टर आदि उपकरणों के कारखानों एवं इनके व्यापार वृद्धि का आधार भी कृषि है। इसलिये पूरा विश्व कृषि के विकास और आधुनिकीकरण पर जोर दे रहा है। कृषि विकास की दृष्टि से भारत दुनिया में सबसे अग्रणी राष्ट्र रहा है। मानवीय सभ्यता के आरंभिक विकास काल में जब तीन चौथाई दुनिया ठीक से कपड़े पहनना भी नहीं सीखी थी तब भारत में उन्नत रूप में कृषि विकसित हो गई थी। इसका प्रमाण ऋग्वेद की ऋचाएं हैं। ऋग्वेद के विभिन्न मंडलों में बीस से अधिक ऋचाएं कृषि कार्य से संबंधित हैं। जिनमें भूमि की उर्वरकता का उपयोग, हल आदि विविधता के साथ भूमि की उर्वरकता बढ़ाने का उल्लेख भी आता है। इन ऋचाओं से भारत में तकनीक आधारित कृषि होने का संकेत मिलता है। एक समय भारत की समृद्धि और संपन्नता का आधार भी कृषि उत्पाद ही रहे हैं। लेकिन समय के साथ इसमें गिरावट आई और भारत पिछड़ता चला गया। समय की इस गिरावट के बीच भी कृषि की सहभागिता महत्वपूर्ण रही है। प्रत्यक्ष और परोक्ष रूप से भारत में लगभग 42 प्रतिशत रोज़गार कृषि क्षेत्र से ही मिलते हैं। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने भारत को विश्व का सबसे विकसित राष्ट्र बनाने का जो संकल्प लिया है उसमें उन्होंने गरीब, अन्नदाता अर्थात किसान, युवा और महिलाओं को सशक्त और समृद्ध बनाने पर सर्वाधिक फोकस किया है। उनके "GYAN का सम्मान" मंत्र में ये चारों समूह हैं। इस लक्ष्य को पूरा करने के लिये गांव और किसान में जाग्रति आवश्यक है। किसानों में जागरूकता लाने, आधुनिक अनुसंधान से अवगत कराने के साथ धरती की उर्वरकता का आंकलन करके उचित फसल को बोने का निर्णय लेने तथा मौसम के परिवर्तन से भूमि और उपज पर पड़ने वाले प्रभाव से किसानों और सम्पूर्ण समाज को अवगत कराने के लिये दुनियाभर में कृषि मेलों का आयोजन होता है। इन्हीं उद्देश्य की पूर्ति के लिये भारत में भी प्रतिवर्ष कृषि मेलों का आयोजन किया जाता है।

भारत की इस विकास यात्रा में अपनी भूमिका सुनिश्चित करने के लिये मध्यप्रदेश की डॉ. मोहन यादव सरकार पहले दिन से इस दिशा में काम कर रही है। गांवों की अर्थव्यवस्था के उन्नयन और किसानों की आय वृद्धि के लिये मध्यप्रदेश सरकार ने अनेक निर्णय लिये हैं। इनमें कृषि आधारित उद्योगों की स्थापना एवं पशुपालन को प्रोत्साहन देने के लिये अनुदान राशि में बढ़ोत्तरी की घोषणा की है। ताकि विकसित भारत के संकल्प को पूरा करने में मध्यप्रदेश के गांव और किसान अपनी सहभागिता सुनिश्चित कर सकें। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की प्राथमिकता में मध्यप्रदेश के गांव कृषि और किसान हैं। मध्यप्रदेश सरकार एक ओर कृषि उत्पादन बढ़ाने और किसानों की आय बढ़ाने की दिशा में काम कर रही है तो दूसरी ओर गांवों को आत्मनिर्भर बनाने के लिये भी विभिन्न योजनाएं बना रही है। इसमें सोलर पंप से सिंचाई एवं सोलर ऊर्जा से गांवों में बिजली आपूर्ति करना, ताकि बिजली के लिये बाह्य निर्भरता समाप्त हो। यदि गांवों में सोलर एनर्जी और सोलर पंप बढ़ेंगे तो गांवों में बिजली जाने की समस्या समाप्त हो जायेगी। सरकार की दूसरी प्राथमिकता जैविक खाद को प्रोत्साहित करना है। रासायनिक खाद धरती की उर्वरक क्षमता को प्रभावित करती है और लंबे समय तक रासायनिक खाद का उपयोग धरती को बंजर भी बना सकता है। इसलिए जैविक खाद का उपयोग किसान और किसानी के लिये आवश्यक है। चौथा मध्यप्रदेश सिंचाई रकबा बढ़ाकर शत-प्रतिशत करने पर जोर दे रहा है। इन आधारभूत आवश्यकताओं की आपूर्ति के बाद मध्यप्रदेश के गांव समृद्ध होंगे जो प्रदेश और देश की आत्मनिर्भरता के लिये आवश्यक है। यह तभी संभव है जब समाज जागरूक हो और किसान उन्नत कृषि से जुड़ सकें। किसानों में जागरूकता और उनको उन्नत कृषि से जोड़ने के लिये मध्यप्रदेश सरकार अब संभागीय स्तर पर कृषि मेलों का आयोजन करने जा रही है। इसकी शुरुआत 3 मई को मंदसौर से हो रही है। मध्यप्रदेश में ही नहीं देश के अन्य प्रांत भी कृषि मेले आयोजित करते हैं लेकिन अधिकांश प्रदेशों में प्रांतीय अथवा राष्ट्रीय स्तर पर ही ऐसे कृषि मेले आयोजित होते हैं। जबकि मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की कार्यशैली नवाचार करने की है। उन्होंने इंवेस्टर्स समिट को रीजनल स्तर पर आयोजित करने का नवाचार किया था। अब वही प्रयोग वे संभागीय स्तर पर कृषि मेले आयोजित करके कर रहे हैं। इसमें सबसे महत्वपूर्ण है किसानों को उन्नत तकनीकी से अवगत होना और आधुनिक तकनीकी से जुड़ना आवश्यक है। इसके लिये ऐसे कृषि मेले बहुत उपयोगी होते हैं। मंदसौर सहित पूरे प्रदेश के संभागीय स्तर पर लगने वाले कृषि मेलों में आधुनिक और विश्वस्तरीय कृषि प्रौद्योगिकी की प्रदर्शनी होगी। यह प्रदर्शनी केवल कृषि तकनीकी के प्रदर्शन तक सीमित नहीं होगी अपितु इसमें प्रत्येक स्टॉल के साथ संबंधित विषय के विशेषज्ञ भी होंगे। ताकि किसान अथवा किसानी में रुचि रखने वाले आगन्तुक आधुनिक कृषि तकनीकी से संबंधित अपनी जिज्ञासा का समाधान कर सकें। मेले में नए उन्नत बीजों के विक्रय स्टाल भी लगाये जायेंगे। ऐसे स्टाल कृषि अनुसंधान संस्थानों के भी होंगे और जागरूक तथा प्रगतिशील किसानों के भी। मेले में प्रगतिशील किसान अपने उत्पाद के नवाचार, गुणवत्ता तथा उत्पादन वृद्धि का अनुभव भी सांझा करेंगे। उनके उत्पाद भी बिक्री के लिये रहेंगे। इनके अतिरिक्त भारतीय कृषि अनुसंधान केन्द्र, विभिन्न कृषि विश्वविद्यालयों, कृषि विज्ञान केंद्रों, कृषि आधारित औद्योगिक इकाई लगाने वाले उद्यमियों, स्टार्टअप योजनाओं के हितग्राही तथा अन्य सार्वजनिक एवं निजी कंपनियों की सहभागिता भी रहेगी।

मेले में कृषि की इन आधुनिक तकनीक के प्रदर्शन के साथ वैचारिक सत्र भी होंगे। जिसमें जिज्ञासु किसान कृषि वैज्ञानिकों अथवा कृषि विशेषज्ञों के साथ सीधा संवाद कर सकेंगे। इन सत्रों में जिन विषयों पर वैचारिक चर्चा की जाना है उनमें जलवायु परिवर्तन, मौसम के अचानक बिगड़ने पर सावधानी, फसलों की विविधता, डिजिटल कृषि, मिट्टी की उर्वरकता के अनुरूप फसल, तथा कीटों की विविधता, कीटनाशकों का उपयोग आदि विषयों से संबंधित प्रश्नों का समाधान होगा। इन मेलों में फसलों की बोवाई से लेकर कटाई, गहाई और भंडारण में उपयोगी कृषि उपकरणों की जानकारी दी जायेगी। मेले में ये उपकरण देखने को मिलेंगे और बिक्री के लिये भी उपलब्ध होंगे। मेले में प्राकृतिक खेती, फ्लोरीकल्चर, हॉर्टीकल्चर आदि कृषि की भी जानकारी किसानों को दी जायेगी। मध्यप्रदेश सरकार का यह प्रयास भी होगा कि इन मेलों के माध्यम से किसानों को कृषि उत्पाद आधारित खाद्य सामग्री अथवा अन्य औद्योगिक उत्पाद से अपनी आय कैसे बढ़ा सकते हैं। आदि की जानकारी भी दी जाए।

मध्यप्रदेश सरकार का यह प्रयास भी है कि इन कृषि मेलों में युवाओं और महिलाओं की अधिकतम सहभागिता हो। कृषि आधारित उद्योगों के लिये युवाओं को सहायक उद्योग लगाने के लिये प्रोत्साहित किया जायेगा। ये मेले एक ओर किसानों को उन्नत कृषि तकनीकि से अवगत कराने के लिये हैं तो वहीं स्थानीय युवाओं को कृषि तकनीकी से आधारित कुटीर, लघु एवं मध्यम उद्योग लगाने के लिये प्रेरित करना भी है। इन मेले में शहरी दर्शकों के लिए बागवानी से जुड़ी सामग्री, मिलेट्स के व्यंजन, महिला उद्यमियों के द्वारा उत्पादित साज-सज्जा की सामग्री तथा खाद्य पदार्थ के साथ ड्रोन के भीमकाय यंत्रों को निकट से देखने का अवसर भी होगा।

संभागीय स्तर पर कृषि मेले आयोजित करने के पीछे मध्यप्रदेश सरकार का एक उद्देश्य किसानों को जागरूक करना तथा कृषि को उन्नत बनाना तो है ही वहीं दूसरी ओर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव मध्यप्रदेश के गांवों और किसानों को बिजली से मुक्त करना चाहते हैं। वे हर गांव को सोलर एनर्जी से जोड़ना चाहते हैं। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव 'अन्नदाता' को 'ऊर्जादाता' भी बनाना चाहते हैं। इसके लिये वे प्रत्येक किसान को सौर ऊर्जा पंप से युक्त करना चाहते हैं। उन्होंने इस वर्ष दस लाख किसानों को सौर ऊर्जा पंप से जोड़ने का लक्ष्य निर्धारित किया है। इन संभागीय कृषि मेलों में सौर ऊर्जा पंप के लाभ समझाने से संबंधित विशेषज्ञों के अतिरिक्त ऐसे पंप लगाने के लिये शासकीय प्रक्रिया पूरी करने के स्टाल भी होंगे। मध्यप्रदेश सरकार इन मेलों को सहकारी बैंकों के अतिरिक्त अन्य बड़े बैंकों को भी जोड़ने का प्रयास कर रही है।

नि:संदेह कृषि मेले का आयोजन मध्यप्रदेश में कृषि एवं ग्रामीण विकास की नई इबारत लिखने का आरंभ है। इससे किसानों को आधुनिक उन्नति से जुड़ने के साथ उनमें आत्मविश्वास की अभिवृद्धि होगी। यह आयोजन भले ही कृषि आधारित है पर इनसे युवाओं में उस क्षेत्र विशेष की भौगोलिकता के आधार पर उद्यमिता का विकास होगा। सरकार ने इन मेलों में किसानों, कृषि व्यवसाय से जुड़े समूहों के अतिरिक्त युवाओं और महिलाओं की सहभागिता पर जोर दिया है।

- रमेश शर्मा

(लेखक, वरिष्ठ पत्रकार एवं स्तम्भकार हैं।)

कार्यालय संचालक, राज्य स्तरीय रोज़गार एवं प्रशिक्षण केंद्र (पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण) भदभदा रोड, भोपाल

क्रमांक / प्रशि./2025-26/350 भोपाल, दिनांक : 24/04/2025

संशोधन पत्रक

आगामी राज्य सेवा प्रारंभिक परीक्षा 2026 प्रशिक्षण कार्यक्रम के लिए समाचार पत्रों में पूर्व प्रकाशित विज्ञप्ति क्रमांक जी-24831/24 दिनांक 27.03.2025 के अनुसार प्रशिक्षणार्थियों से आवेदन प्राप्त करने की अंतिम तिथि 22.04.2025 निर्धारित की गई थी, उक्त तिथि में आंशिक संशोधन कर **13.05.2025** किया जाता है। शेष शर्तें पूर्ववत रहेंगी।

संचालक
राज्य स्तरीय रोज. एवं प्रशि. केंद्र
जी-12081/50875/2025 **(पिछड़ा वर्ग एवं अ.सं.क.), भोपाल**

कार्यालय कार्यपालन यंत्री
नया भोपाल संभाग लोक निर्माण विभाग, भोपाल (म.प्र.)
निविदा सूचना

निविदा सूचना क्रमांक 04/व.ले.लि./2025-26 **भोपाल, दिनांक : 28.04.2025**

निम्नलिखित कार्यों हेतु निविदायें आमंत्रित की जाती हैं। उल्लेखित कार्य का विस्तृत विवरण वेबसाइट **mptenders.gov.in** पर देखा जा सकता है।

क्र. एवं कार्य का नाम :– 1. जेल उपसंभाग क्र.-3, लो.नि.वि. भोपाल के अंतर्गत सेक्शन क्र.- 22 (1100 क्वार्टर्स) के शासकीय आवास गृहों में ए.आर./एस.आर./अनुरक्षण/सीवेज का कार्य।

पोर्टल टेंडर क्र.	आमंत्रण क्र.	ठेके की अनु. राशि (रु. लाख में)	अमानत राशि
2025_PWDRB_419646_1	प्रथम आमंत्रण	55.00	55000.00

क्र. एवं कार्य का नाम :– 2. जेल उपसंभाग क्र.- 3, लो.नि.वि. भोपाल के अंतर्गत सेक्शन क्र.- 23 (1100 क्वार्टर्स) के शासकीय आवास गृहों में ए.आर./एस.आर./अनुरक्षण/सीवेज का कार्य।

2025_PWDRB_419647_1	प्रथम आमंत्रण	54.00	54000.00

क्र. एवं कार्य का नाम :– 3. जेल उपसंभाग क्र.-3, लो.नि.वि. भोपाल के अंतर्गत सेक्शन क्र.- 25 एवं उपसंभाग के अन्य शासकीय आवास गृहों में ए.आर./एस.आर./अनुरक्षण/सीवेज का कार्य।

2025_PWDRB_419649_1	प्रथम आमंत्रण	48.00	50000.00

क्र. एवं कार्य का नाम :– 4. जेल उपसंभाग क्र.-3, लो.नि.वि. भोपाल के अंतर्गत केन्द्रीय जेल के यूनिट 'अ' एवं 'ब' के शासकीय आवास गृहों में ए.आर./एस.आर./अनुरक्षण/सीवेज का कार्य।

2025_PWDRB_419650_1	प्रथम आमंत्रण	46.00	50000.00

क्र. एवं कार्य का नाम :– 5. जेल उपसंभाग क्र.-3, लो.नि.वि. भोपाल के अंतर्गत निर्माण भवन एवं अन्य गैर आवासीय भवनों में ए.आर./एस.आर./अनुरक्षण/सीवेज का कार्य।

2025_PWDRB_419652_1	प्रथम आमंत्रण	52.00	52000.00

क्र. एवं कार्य का नाम :– 6. जेल उपसंभाग क्र.-3, लो.नि.वि. भोपाल के अंतर्गत सेक्शन क्र.- 22 (1100 क्वार्टर्स) के शासकीय आवास गृहों में रंगाई पुताई एवं पेंटिंग का कार्य।

2025_PWDRB_419653_1	प्रथम आमंत्रण	50.00	50000.00

क्र. एवं कार्य का नाम :– 7. जेल उपसंभाग क्र.-3, लो.नि.वि. भोपाल के अंतर्गत सेक्शन क्र.- 23 (1100 क्वार्टर्स) के शासकीय आवास गृहों में रंगाई-पुताई एवं पेंटिंग का कार्य।

2025_PWDRB_419654_1	प्रथम आमंत्रण	53.00	53000.00

क्र. एवं कार्य का नाम :– 8. जेल उपसंभाग क्र.-3, लो.नि.वि. भोपाल के अंतर्गत सेक्शन क्र.- 25 के शासकीय आवास गृहों में रंगाई-पुताई एवं पेंटिंग का कार्य।

2025_PWDRB_419655_1	प्रथम आमंत्रण	49.00	50000.00

क्र. एवं कार्य का नाम :– 9. जेल उपसंभाग क्र.-3, लो.नि.वि. भोपाल के अंतर्गत केन्द्रीय जेल के यूनिट 'अ' एवं 'ब' के शासकीय आवास गृहों में रंगाई-पुताई एवं पेंटिंग का कार्य।

2025_PWDRB_419657_1	प्रथम आमंत्रण	46.00	50000.00

क्र. एवं कार्य का नाम :– 10. जेल उपसंभाग क्र.-3, लो.नि.वि. भोपाल के अंतर्गत निर्माण भवन एवं अन्य गैर आवासीय भवनों में रंगाई-पुताई एवं पेंटिंग का कार्य।

2025_PWDRB_419658_1	प्रथम आमंत्रण	42.00	50000.00

क्र. एवं कार्य का नाम :– 11. जेल उपसंभाग क्र.-3, लो.नि.वि. भोपाल के अंतर्गत सेक्शन क्र.-22 एवं 23 (1100 क्वार्टर्स) के विभिन्न शासकीय आवास गृहों में जल अवरोधक का कार्य।

2025_PWDRB_419659_1	प्रथम आमंत्रण	36.00	50000.00

क्र. एवं कार्य का नाम :– 12. जेल उपसंभाग क्र.-3, लो.नि.वि. भोपाल के अंतर्गत सेक्शन क्र.- 25 एवं केन्द्रीय जेल के यूनिट अ' एवं 'ब' के विभिन्न शासकीय आवास गृहों में जल अवरोधक का कार्य।

2025_PWDRB_419660_1	प्रथम आमंत्रण	37.00	50000.00

क्र. एवं कार्य का नाम :– 13. नया भोपाल संभाग, लो.नि.वि. भोपाल के अंतर्गत अम्बेडकर नगर (0.39 किमी.), 45 बंगलों एवं नार्थ टी.टी. नगर (5.00 किमी.), तुलसी नगर (1.80 किमी.) के पहुंच मार्गों पर माईक्रो सरफेसिंग का कार्य।

2025_PWDRB_419661_1	प्रथम आमंत्रण	61.03	61030.00

क्र. एवं कार्य का नाम :– 14. उपसंभाग क्र.- 3, लो.नि.वि. भोपाल के अंतर्गत 23बी एवं 25बी बटालियन में मार्ग का चौड़ीकरण एवं बी.टी. रिनेवल का कार्य।

2025_PWDRB_419662_1	प्रथम आमंत्रण	499.99	499990.00

क्र. एवं कार्य का नाम :– 15. नया भोपाल संभाग, लो.नि.वि. भोपाल के अंतर्गत माता वेदरी से राताताल मार्ग पर आर.सी.सी. वॉल एवं नाली का निर्माण कार्य।

2025_PWDRB_419663_1	प्रथम आमंत्रण	58.86	58860.00

क्र. एवं कार्य का नाम :– 16. उपसंभाग क्र.-3, लो.नि.वि. भोपाल के अंतर्गत 1100 क्वार्टर्स चौराहा से शाहपुरा तिराहा पर ब्लैक स्पॉट समाप्ति हेतु चौड़ीकरण एवं उन्नयन कार्य।

2025_PWDRB_419665_1	प्रथम आमंत्रण	82.89	82890.00

क्र. एवं कार्य का नाम :– 17. ई 5/1 से ई 5/12 अरेरा कॉलोनी एवं सी-14 से सी-27 शिवाजी नगर भोपाल तक शोल्डर एवं पेवर ब्लॉक का कार्य।

2025_PWDRB_419666_1	प्रथम आमंत्रण	84.66	84660.00
	योग:-	**1355.43**	

उपरोक्त वेबसाइट आनॅलाइन भुगतान करने के उपरान्त निविदा प्रपत्र (टेण्डर डाक्यूमेंट) बेवसाइट के माध्यम से प्राप्त हो सकेगा। निविदा प्रपत्र क्रय एवं सबमिशन करने की **अंतिम तिथि 16.05.2025 सायं 5.30 बजे** निर्धारित है। निविदा में किसी भी प्रकार का संशोधन होने पर उसे उपरोक्त वेबसाइट पर देखा जा सकता है। विस्तृत एन.आई.टी. एवं अन्य जानकारी उपरोक्त वेबसाइट में देखी जा सकती है।

कार्यपालन यंत्री
जी-12255/50883/2025 **नया भोपाल संभाग लो.नि.वि. भोपाल (म.प्र.)**

कार्यालय प्रमुख अभियंता, जल संसाधन विभाग, भोपाल

ईमेल : ce. tender.wrdmp@gmail.com, फोन : 0755-2767635, फैक्स : 0755-2552406

निविदा सूचना क्रमांक - 1147/2025-26/प्रमुख अभियंता/ई-टेंडरिंग/ **भोपाल, दिनांक : 22.04.2025**

निम्न कार्यों हेतु निविदा वेबसाइट **https://www.mptenders.gov.in** पर आमंत्रित की गई है। निविदा प्रपत्र दिनांक 19.05.2025 को 17:30 बजे तक क्रय/डाउनलोड तथा प्रस्तुत किए जा सकते हैं।

निविदा में संशोधन की स्थिति में वेबसाइट पर ही संशोधन देखा जा सकेगा। विस्तृत निविदा आमंत्रण सूचना व अन्य जानकारी उपरोक्त वेबसाइट पर देखी जा सकती है।

स. क्र.	निविदा क्र.	कार्य	जिला	लागत (लाख)
1.	2025_WRD_418009	**टर्न की पद्धति पर:-** खटोला जलाशय के शीर्ष एवं नहर निर्माण कार्य जिसमें नाला क्लोजर, अर्थवर्क, स्लूस, वेस्ट वियर, स्पिल कार्य, नहर निर्माण का मिट्टी कार्य लाईनिंग एवं पक्के कार्यों सहित निर्माण कार्य, विस्तृत स्कोप ऑफ वर्क के अनुसार परंतु उस तक सीमित नहीं।	सागर	930.39
2.	2025_WRD_418011	अटल भूजल योजना के अंतर्गत सिंदूर सागर तालाब का सुधार एवं मरम्मत कार्य।	निवाड़ी	33.04
3.	2025_WRD_418012	**टर्न की पद्धति पर:-** श्यामनगर जलाशय (नहर रहित) का शेष निर्माण कार्य विस्तृत स्कोप ऑफ वर्क के अनुसार परन्तु उस तक सीमित नहीं।	सतना	998.58
4.	2025_WRD_418014	**टर्न की पद्धति पर :-** आंवलिया मध्यम सिंचाई परियोजना के अन्तर्गत खण्डवा-खिडकिया मार्ग पर पुलिया निर्माण कार्य, विस्तृत स्कोप ऑफ वर्क के अनुसार परन्तु उस तक सीमित नहीं।	खण्डवा	93.43
5.	2025_WRD_418015	गांधीसागर बांध के केचमेंट से मानसून सत्र में CWC पावर हाउस, गेजिंग इत्यादि से वर्षाकाल में रैनगेज, रिवरगेज एवं अन्य से रियल टाइम डाटा लेना, संबंधितों को देना, सभी रिकॉर्ड मैंटेन करना, एवं उनको कम्प्युटराइस्ट करना, वर्षा के आंकड़ों का विश्लेषण कर प्रत्येक घंटे गांधीसागर बांध के कंट्रोल रूम में उपलब्ध कराने का विशिष्ट कार्य। (वर्ष 2025)	मंदसौर	30.86
6.	2025_WRD_418016	गांधीसागर बांध के सुरक्षा चौकियों पर सुरक्षा रक्षक (12 माह हेतु) प्रदाय करने का कार्य।	मंदसौर	41.58
7.	2025_WRD_418017	पार्वती परियोजना के अन्तर्गत कोटरा ग्राम में नवीन 11 के.व्ही. फीडर सेपरेशन का कार्य।	भोपाल	61.64
8.	2025_WRD_418018	केन बेतवा लिंक नहर के अलाइन्मेन्ट के समानान्तर सीमा पत्थरों को लगाना और भू-अर्जन केस की ऑनलाइन धारा 11, धारा 19 और धारा 21 की तैयारी तथा प्रस्तुति एवं अनुगमन कार्य।	छतरपुर	93.41
9.	2025_WRD_418022	लालाखेड़ा स्टापडेम परियोजना का विशेष मरम्मत कार्य।	इंदौर	45.00
10.	2025_WRD_418023	मेहतवाडा डी.सी. ग्राम कान्याखेडी में 33 के.वी., 11 के.वी. डी.टी. आर. एवं एल.टी. लाइन शिफ्टिंग का कार्य।	भोपाल	460.94
11.	2025_WRD_418024	रानी बिरगवा स्टॉप डेम कम कॉजवे का संरक्षण कार्य।	मुरैना	85.71
12.	2025_WRD_418025	लहार शाखा नहर एवं भाण्डेर मुख्य नहर का वार्षिक मरम्मत कार्य।	भिण्ड	21.01

जी-12016/50876/2025 **मुख्य अभियंता (प्रोक्योरमेंट)**

सेवासदन विधि महाविद्यालय, बुरहानपुर (म.प्र.)

पता - वन विभाग के पास, शनवारा, बुरहानपुर (म.प्र.) 450331
(सम्बद्धता - क्रांतीसूर्य टंट्या भील विश्वविद्यालय, खरगोन, म.प्र.)

पत्र क्र. 02/25 **दिनांक : 26.04.2025**

आवश्यकता

कॉलेज कोड - 28 (17) के अंतर्गत नियुक्ति हेतु विज्ञापन

सेवासदन शिक्षा समिति, बुरहानपुर द्वारा संचालित सेवासदन विधि महाविद्यालय, बुरहानपुर में विधि पाठ्यक्रम के लिए निम्नलिखित पदों हेतु आवेदन आमंत्रित किये जाते हैं। इच्छुक अभ्यर्थी अपना आवेदन समस्त प्रमाण पत्रों की छायाप्रति एवं फोटो के साथ विज्ञापन **प्रकाशन की तिथि से 15 दिवस के भीतर** प्रेषित करें।

क्र.	पद	पद संख्या	योग्यता/अनुभव
1.	प्राचार्य	01	शैक्षणिक योग्यता एवं अनुभव यू.जी.सी. व बार काउंसिल ऑफ इंडिया, नई दिल्ली द्वारा जारी मापदण्ड अनुसार
2.	सह-प्राध्यापक (Associate Professor)	01	
3.	सहायक प्राध्यापक (Assistant Professor)	05	

सचिव
आर-50886/2025 **सेवासदन शिक्षा समिति, बुरहानपुर**

सेवासदन प्रबंधन महाविद्यालय, बुरहानपुर (म.प्र.)

पता - शनवारा, बुरहानपुर (म.प्र.) 450331
(सम्बद्धता - क्रांतीसूर्य टंट्या भील विश्वविद्यालय, खरगोन, म.प्र.)

पत्र क्र. 03/25 **दिनांक : 26.04.2025**

आवश्यकता

कॉलेज कोड - 28 (17) के अंतर्गत नियुक्ति हेतु विज्ञापन

सेवासदन शिक्षा समिति, बुरहानपुर द्वारा संचालित सेवासदन प्रबंधन महाविद्यालय, बुरहानपुर में एम.बी.ए. पाठ्यक्रम हेतु निम्नलिखित पदों हेतु आवेदन आमंत्रित किये जाते हैं। इच्छुक अभ्यर्थी अपना आवेदन समस्त प्रमाण पत्रों की छायाप्रति एवं फोटो के साथ **विज्ञापन प्रकाशन की तिथि से 15 दिवस के भीतर** प्रेषित करें।

क्र.	पद	पद संख्या	योग्यता/अनुभव
1.	प्राचार्य	01	शैक्षणिक योग्यता एवं अनुभव ए.आई.सी.टी.ई. द्वारा जारी मापदण्ड अनुसार
2.	सह-प्राध्यापक (Associate Professor)	01	
3.	सहायक प्राध्यापक (Assistant Professor)	03	

सचिव
आर-50887/2025 **सेवासदन शिक्षा समिति, बुरहानपुर**

कार्यालय कार्यपालन यंत्री
लोक निर्माण विभाग, (भ/स) संभाग छिन्दवाड़ा

E-mail : eepwd1chhind@mp.nic.in

निविदा आमंत्रण सूचना

निविदा सूचना क्र. 01/व.ले.लि./2025-26/ **छिंदवाड़ा, दिनांक : 28.04.2025**

निम्नलिखित कार्यों हेतु ई-टेण्डरिंग के माध्यम से निविदायें आमंत्रित की जाती है। उल्लेखित कार्य वेबसाइट **http://www.mptenders.gov.in** पर देखा जा सकता है। निविदा प्रपत्र उक्त वेबसाइट पर ऑनलाइन भुगतान करने पर बेवसाइट के माध्यम से डाउनलोड की जा सकेंगी।

स.क्र. एवं कार्य का नाम :– 1. दीघावानी से नवेगांव मार्ग का मजबूतीकरण कार्य लं. 3.20 कि.मी मय विद्युतीकरण कार्य। **(प्रथम आमंत्रण)**

टेंडर क्रमांक	जिला	कार्य का प्रकार	ठेके की अनु. राशि (लाख में)	अमानत राशि	निविदा प्रपत्र का मूल्य	समयावधि
419104	छिंदवाड़ा	सड़क कार्य	457.48	4,57,500/-	15,000/-	08 माह वर्षाऋतु सहित।
स.क्र. एवं कार्य का नाम :– 2. गौरपानी से गोरखपुर (सिवनी जिला सीमा) मार्ग लं. 1.70 कि.मी. एवं तेंदनी बस्ती मार्ग लं. 1.10 कि.मी. कुल लं. 2.80 कि.मी. का निर्माण कार्य मय विद्युतीकरण कार्य सहित। **(प्रथम आमंत्रण)**						
419105	छिंदवाड़ा	सड़क कार्य	427.13	4,27,200/-	15,000/-	08 माह वर्षाऋतु सहित।
स.क्र. एवं कार्य का नाम :– 3. आयोजना मद अंतर्गत गोपालपुर से जमुनिया मार्ग का निर्माण कार्य लं. 3.00 कि.मी मय विद्युतीकरण कार्य। **(प्रथम आमंत्रण)**						
419106	छिंदवाड़ा	सड़क कार्य	387.34	3,87,400/-	15,000/-	08 माह वर्षाऋतु सहित।
स.क्र. एवं कार्य का नाम :– 4. छिन्दी सोनपुर मार्ग का मजबूतीकरण कार्य लं. 3.40 कि.मी मय विद्युतीकरण कार्य। **(प्रथम आमंत्रण)**						
419107	छिंदवाड़ा	सड़क कार्य	296.88	2,96,900/-	15,000/-	08 माह वर्षाऋतु सहित।
स.क्र. एवं कार्य का नाम :– 5. कोल्हिया से धबईढाना व्हाया नंदौरा मार्ग का निर्माण कार्य लं. 2.90 कि.मी मय विद्युतीकरण कार्य सहित। **(प्रथम आमंत्रण)**						
419108	छिंदवाड़ा	सड़क कार्य	289.35	2,89,400 /-	15,000/-	08 माह वर्षाऋतु सहित।
स.क्र. एवं कार्य का नाम :– 6. माहुलझिर अनहोनी मार्ग का मजबूतीकरण कार्य लं. 2.00 कि.मी मय विद्युतीकरण कार्य। **(प्रथम आमंत्रण)**						
419109	छिंदवाड़ा	सड़क कार्य	233.32	2,33,400/-	15,000/-	08 माह वर्षाऋतु सहित।
स.क्र. एवं कार्य का नाम :– 7. आयोजना मद अंतर्गत ग्वारा से सेहराढाना मार्ग का निर्माण कार्य लं. 2.50 कि.मी मय विद्युतीकरण कार्य। **(प्रथम आमंत्रण)**						
419110	छिंदवाड़ा	सड़क कार्य	239.11	2,39,200/-	15,000/-	08 माह वर्षाऋतु सहित।
स.क्र. एवं कार्य का नाम :– 8. गुरैया लिखड़ी लुहारा तुमड़ा बाम्हनवाड़ा मार्ग लंबाई 11.50 कि.मी. का विशेष मजबूतीकरण कार्य। **(प्रथम आमंत्रण)**						
419111	छिंदवाड़ा	सड़क कार्य	367.00	3,67,000/-	15,000/-	08 माह वर्षाऋतु सहित।
स.क्र. एवं कार्य का नाम :– 9. कुण्डा सागर किरंगीपार कपूर्दा सर्रा मार्ग लंबाई 12.50 कि.मी. का विशेष मजबूतीकरण कार्य। **(प्रथम आमंत्रण)**						
419112	छिंदवाड़ा	सड़क कार्य	336.52	3,36,600/-	15,000/-	08 माह वर्षाऋतु सहित।
स.क्र. एवं कार्य का नाम :– 10. हर्राहेट से पंजनवाड़ी मार्ग का निर्माण मय विद्युतीकरण कार्य सहित लंबाई 3.00 कि.मी. **(प्रथम आमंत्रण)**						
419113	छिंदवाड़ा	सड़क कार्य	320.33	3,20,400/-	15,000/-	08 माह वर्षाऋतु सहित।
स.क्र. एवं कार्य का नाम :– 11. कोहका बाबाढाना मार्ग से लोनापठार (शैलखेडा) मार्ग का निर्माण कार्य लंबाई 1.00 कि.मी. **(प्रथम आमंत्रण)**						
419114	छिंदवाड़ा	सड़क कार्य	79.00	79,000/-	10,000/-	06 माह वर्षाऋतु सहित।
			कुल योग :-	**3433,46 लाख**		

टीप :- निविदा का विस्तृत विवरण (टेण्डर डाक्यूमेंट) म.प्र. शासन की निविदा पोर्टल **http://www.mptenders.gov.in** पर देखा जा सकता है। निविदा ऑनलाइन क्रय करने की **अंतिम तिथि 15.05.2025. समय 5:30 बजे** तक है। ऑनलाइन प्राप्त निविदा ऑफर को मान्य किया जायेगा। निविदा में होने वाले समस्त संशोधन का प्रकाशन केवल उपरोक्त वेबसाइट पर ही किया जावेगा। पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

कार्यपालन यंत्री

जी-12176/50882/2025 **लो.नि.वि. (भ/स) संभाग, छिन्दवाड़ा (म.प्र.)**

कार्यालय कार्यपालन यंत्री
लोक निर्माण विभाग (भ/स) संभाग क्र. 1 जबलपुर

निविदा सूचना क्र. 05 वर्ष 2025-26 टेन्डर लिपिक **जबलपुर, दिनांक : 25.04.2025**

निविदा सूचना

निम्नलिखित कार्यों हेतु ई-टेन्डरिंग के माध्यम से निम्नलिखित कार्यों की निविदायें आमंत्रित की जाती हैं। कार्यों का विस्तृत विवरण वेबसाइट **www.mptenders.gov.in** पर देखा जा सकता है। निविदा प्रपत्र उक्त वेबसाइट पर ऑनलाइन भुगतान कर वेबसाइट के माध्यम से प्राप्त किये जा सकते हैं।

क्र. एवं कार्य का नाम :– 1. पड़रिया से पड़वार मार्ग चैनेज 7100 से 10600 तक कुल लंबाई 3.50 कि.मी. का निर्माण कार्य।

ई-टेण्डर क्रमांक		ठेके की अनु. राशि (रु. लाख)	अमानत राशि	निविदा प्रपत्र का मूल्य	कार्य पूर्ण करने की अवधि	ईएमडी. टेन्डर फीस एवं निविदा से संभावित अन्य अभिलेख जमा करने हेतु
2025_PWDRB_ 419238_pack1	द्वितीय	413.89	413890.00	15000.00	09 माह वर्षाऋतु सहित	केवल ऑनलाइन
क्र. एवं कार्य का नाम :– 2. पनागर सिंगलदीप मंझौली मार्ग के प्रथम कि.मी. 13, 14 का री-हेबलीटेशन कार्य।						
2025_PWDRB_ 419239_pack1	प्रथम	19.99	40000.00	2000.00	04 माह वर्षाऋतु सहित	केवल ऑनलाइन
कुल योग		**433.88**				

टीप:- (1) निविदा प्रपत्र क्रय करने की अंतिम तिथि **15.05.2025 17.30 बजे तक** है। अन्य तिथियां एवं विस्तृत विवरण व संशोधन ऑनलाइन वेबसाइट **www.mptenders.gov.in** पर देखी जा सकती है। किसी भी प्रकार के संशोधन का पुनः प्रकाशन नहीं कराया जावेगा। संशोधन सूचना कार्यालय के सूचना पटल पर देखी जा सकती है।

कार्यपालन यंत्री

जी-12226/50879/2025 **लोक निर्माण विभाग (भ/स) संभाग क्र. 1 जबलपुर**

कार्यालय कार्यपालन यंत्री, लो.नि.वि. (भ/स) संभाग क्र. 1 सागर

फोन नं. : 07582-222296, ईमेल आईडी. : eepwdsagar@nic.in

एनआईटी नं.-03/2025-26 / केन्द्रीयकृत निविदा आमंत्रण **सागर, दिनांक: 25.04.2025**

निम्नलिखित कार्य हेतु ऑनलाइन निविदा पंजीकृत ठेकेदारों अथवा पंजीयन हेतु उपयुक्त पात्रता वाली प्रतिष्ठित फर्म से आमंत्रण की जाती है :-

क्र. एवं कार्य का नाम :– 1. लो.नि.वि. उपसंभाग बण्डा के अन्तर्गत विभिन्न मार्गों पर बी.टी. रिन्यूवल कार्य लं.19.70 कि.मी.। अनु. लागत 308.06 लाख (ग्रुप क्र. 1)

1. दलपतपुर बरा मार्ग लं. 13.30 किमी अनु. लागत 201.43 लाख 2. दलपतपुर खटोरा मार्ग लं. 3.40 कि.मी. अनु. लागत 60.55 लाख 3. मदनतला से घोघरा मार्ग लं. 3.00 कि.मी. अनु. लागत 46.08 लाख

पोर्टल टेंडर क्र.	जिला	ठेके की अनुमानित राशि (पीएसी) (रु. में)	अमानत राशि (ईएमडी) (रु. में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य (रु. में)	कार्य पूर्ण करने का समय (माह में वर्षाकाल सहित)	रिमार्क
2025_PWDRB_ 419194_1	सागर	30806000	308060	15000	06 माह वर्षाकाल सहित	प्रथम आमंत्रण
क्र. एवं कार्य का नाम :– 2. लो.नि.वि. उपसंभाग खुरई के अन्तर्गत विभिन्न मार्गों पर बी. टी. रिन्यूवल कार्य लं. 10.65 कि.मी.। अनु. लागत 201.19 लाख (ग्रुप क्र. 1) 1. फोरलेन (एन.एच.ए.आई.) बरोदिया के साईड से सर्विस मार्ग लं. 0.75 किमी अनु. लागत 17.50 लाख 2. एम.पी.ई.बी. आफिस से फोरलेन (एन.एच.ए.आई.) पहुंच मार्ग लं. 0.70 कि.मी. अनु. लागत 16.41 लाख 3. खेरेरा बरोइया मार्ग लं. 4.20 कि.मी. अनु. लागत 75.58 लाख 4. सिलोधा जरवांस मार्ग लं. 5.00 कि.मी. अनु. लागत 91.68 लाख						
2025_PWDRB_ 419212_1	सागर	20119000	201190	15000	06 माह वर्षाकाल सहित	प्रथम आमंत्रण
क्र. एवं कार्य का नाम :– 3. एन.एन. 26 ए का छूटा हुआ भाग (खुरई) में बी.टी. रिन्यूवल कार्य लं. 5.40 कि.मी. अनुमानित लागत 218.71 लाख						
2025_PWDRB_ 419214_1	सागर	21871000	218710	15000	06 माह वर्षाकाल सहित	प्रथम आमंत्रण
क्र. एवं कार्य का नाम :– 4. लो.नि.वि. उपसंभाग रहली के अन्तर्गत विभिन्न मार्गों पर बी.टी. रिन्यूवल कार्य लं. 15.20 कि.मी. अनु. लागत 273.02 लाख (ग्रुप क्र. 1) 1. भैसवाही चन्द्रपुरा बेल्लईमाफी मार्ग लं. 5.10 किमी अनु. लागत 91.76 लाख 2. ढाना हिलगन मार्ग से खडेराभान पिपरिया वैद्य मार्ग लं. 10.10 कि.मी. अनु. लागत 181.26 लाख						
2025_PWDRB_ 419215_1	सागर	27302000	273020	15000	06 माह वर्षाकाल सहित	प्रथम आमंत्रण
क्र. एवं कार्य का नाम :– 5. लो.नि.वि. उपसंभाग रहली के अन्तर्गत विभिन्न मार्गों पर बी.टी. रिन्यूवल कार्य लं. 18.50 कि.मी. अनु. लागत 332.22 लाख (ग्रुप क्र. 2) 1. मानगढ़ शाहपुर मुर्गाधुरा मार्ग लं. 10.50 किमी अनु. लागत 188.47 लाख 2. रेगुवां चरखारी विजयपुरा मार्ग लं. 8.00 कि.मी. अनु. लागत 143.75 लाख						
2025_PWDRB_ 419216_1	सागर	33222000	332220	15000	06 माह वर्षाकाल सहित	प्रथम आमंत्रण
क्र. एवं कार्य का नाम :– 6. लो.नि.वि. उपसंभाग सागर के अन्तर्गत विभिन्न मार्गों पर बी.टी. रिन्यूवल कार्य लं. 12.22 कि.मी. अनु. लागत 221.57 लाख (ग्रुप क्र. 1) 1. आमेट रजौआ मार्ग लं. 4.80 किमी अनु. लागत 86.10 लाख 2. पड़रई से बांसा महुआखेड़ा मार्ग लं. 7.42 कि. मी. अनु. लागत 135.47 लाख						
2025_PWDRB_ 419218_1	सागर	22157000	221570	15000	06 माह वर्षाकाल सहित	प्रथम आमंत्रण
क्र. एवं कार्य का नाम :– 7. लो.नि.वि. उपसंभाग सागर के अन्तर्गत विभिन्न मार्गों पर बी.टी. रिन्यूवल कार्य लं. 8.70 कि.मी. अनु. लागत 209.64 लाख (ग्रुप क्र. 2) 1. सांईखेड़ा से लिधोरा खुर्द मार्ग लं. 2.40 किमी अनु. लागत 54.46 लाख 2. सेमरा जिन्दा फोरलेन मार्ग लं. 3.00 कि.मी. अनु. लागत 95.12 लाख 3. इंजीनियरिंग कालेज पहुंच मार्ग लं. 1.50 कि.मी. अनु. लागत 27.35 लाख 4. जरारा पाटन मार्ग लं. 1.80 कि.मी. अनु. लागत 32.71 लाख						
2025_PWDRB_ 419219_1	सागर	20964000	209640	15000	06 माह वर्षाकाल सहित	प्रथम आमंत्रण
		176441000				

1. निविदा से संबंधित बिड डॉक्यूमेंट बेवसाइट **http://mptenders.gov.in/** पर बिना भुगतान के देखे एवं डाउनलोड किये जा सकेंगे।
2. निविदा प्रपत्र का मूल्य ऑनलाइन पोर्टल पर क्रेडिट/डेबिट/कैशकार्ड/इंटरनेट बैंकिंग के माध्यम से भुगतान कर निविदा प्रपत्र खरीदा जा सकेगा।
3. निविदा प्रपत्र केवल ऑनलाइन दिनांक 28.04.2025 समय 10:00 से दिनांक 13.05.2025 समय 05:30 तक खरीदा जा सकेगा। सूचना व अन्य जानकारी वेबसाइट पर देखी जा सकती है।
4. निविदा से संबंधित समस्त आवश्यक संशोधन उपरोक्त बेवसाइट पर ही दर्ज किये जायेंगे, पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

कार्यपालन यंत्री

जी-12236/50880/2025 **लो.नि.वि.(भ./स.) संभाग क्र. 1 सागर**

कार्यालय मुख्य अभियंता, लोक निर्माण विभाग
सेतु निर्माण परिक्षेत्र भोपाल (म.प्र.)

निविदा सूचना

निविदा सूचना क्रमांक 01/मु.अ. (सेतु परिक्षेत्र)/वर्ष 2025-26 **भोपाल, दिनांक : 25.04.2024**

निम्नलिखित कार्य हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है। उल्लेखित कार्य का विस्तृत विवरण वेबसाइट **www.mptenders.gov.in** पर देखा जा सकता है।

क्र. एवं कार्य का नाम :– 1. भोपाल शहर के आशिमा मॉल चौराहे से अपोलो सेज हॉस्पिटल (बावड़ियाकला चौराहा) तक रेलवे ओव्हर ब्रिज का निर्माण कार्य।

टेन्डर क्रमांक	जिला	कार्य का प्रकार	आमंत्रण क्र.	कार्य की अनु. राशि (रु. लाख में)	ई.एम.डी राशि एवं टेण्डर फीस तथा निविदा से संबंधित सम्पूर्ण दस्तावेज जमा करने हेतु।
2025_PWDRB_ 419180_1	भोपाल	पुल कार्य	प्रथम	4946.11	केवल ऑनलाइन
		कुल योग		**4946.11**	

उपरोक्त वेबसाइट ऑनलाइन भुगतान करने के उपरान्त निविदा प्रपत्र (टेण्डर डाक्यूमेंट) वेबसाइट के माध्यम से प्राप्त हो सकेगा। निविदा प्रपत्र क्रय करने की **अंतिम तिथि 09.06.2025 (17:30)** बजे निर्धारित है। विस्तृत एन.आई.टी. एवं अन्य जानकारी उपरोक्त वेबसाइट में देखा जा सकता है। निविदा में होने वाले समस्त संशोधन का प्रकाशन केवल उपरोक्त वेबसाइट पर किया जायेगा। पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जायेगा।

मुख्य अभियंता

जी-12167/50881/2025 **लो.नि.वि. सेतु निर्माण परिक्षेत्र भोपाल**

मध्यप्रदेश शासन, संस्कृति विभाग
राष्ट्रीय एवं राज्य सम्मान वर्ष 2025

अनुशंसाओं का आमंत्रण

मध्यप्रदेश शासन, संस्कृति विभाग द्वारा कला, साहित्य, सिनेमा, संस्कृति एवं समाज सेवा के विविध क्षेत्रों में स्थापित राष्ट्रीय एवं राज्य सम्मान उनके सामने अंकित विधाओं के लिए दिए जाने हैं :-

क्र.	सम्मान	विधा	राशि
		राष्ट्रीय सम्मान	
1.	महात्मा गांधी सम्मान	गांधी विचार दर्शन (संस्था हेतु)	20.00 लाख
2.	कबीर सम्मान	भारतीय भाषाओं की कविता के लिए	5.00 लाख
3.	कालिदास सम्मान	शास्त्रीय संगीत	5.00 लाख
4.	कालिदास सम्मान	शास्त्रीय नृत्य	5.00 लाख
5.	कालिदास सम्मान	रंगकर्म	5.00 लाख
6.	कालिदास सम्मान	रूपंकर कलाएँ	5.00 लाख
7.	मैथिलीशरण गुप्त सम्मान	हिन्दी साहित्य	5.00 लाख
8.	किशोर कुमार सम्मान (फिल्म)	निर्देशन	5.00 लाख
9.	तानसेन सम्मान	हिन्दुस्तानी शास्त्रीय संगीत	5.00 लाख
10.	लता मंगेशकर सम्मान (फिल्म)	पार्श्वगायन	5.00 लाख
11.	इकबाल सम्मान	उर्दू साहित्य	5.00 लाख
12.	देवी अहिल्या सम्मान (महिला)	लोक एवं जनजातीय पारंपरिक कलाओं के लिए	5.00 लाख
13.	तुलसी सम्मान (पुरुष)	लोक एवं जनजातीय पारंपरिक कलाओं के क्षेत्र में प्रदर्शनकारी कलाओं के लिए	5.00 लाख
14.	शरद जोशी सम्मान	हिन्दी व्यंग्य, ललित निबंध, संस्मरण रिपोर्ताज, डायरी, पत्र लेखन आदि	5.00 लाख
15.	नानाजी देशमुख सम्मान	सामाजिक, सांस्कृतिक समरसता, उत्थान, परिष्कार, आध्यात्म, परंपरा, समाज एवं विकास तथा संस्कृति की मूल अवधारणा के प्रति कार्य करने वाले व्यक्ति अथवा संस्था	5.00 लाख
16.	कवि प्रदीप सम्मान	मंचीय कविता के क्षेत्र में	5.00 लाख
17.	कुमार गंधर्व सम्मान	शास्त्रीय गायन (आयु समूह 24 से 45 वर्ष)	2.51 लाख
18.	राजा मानसिंह तोमर सम्मान	संगीत, संस्कृति एवं कला संरक्षण में कार्य करने वाली संस्था के लिए	5.00 लाख
19.	सूचना प्रौद्योगिकी सम्मान	हिन्दी सॉफ्टवेयर सर्च इंजिन, वेब डिजाइनिंग, डिजीटल भाषा प्रयोगशाला, प्रोग्रामिंग, सोशल मीडिया, डिजीटल ऑडियो विजुअल एडीटिंग आदि में उत्कृष्ट योगदान।	5.00 लाख
20.	निर्मल वर्मा सम्मान	भारतीय अप्रवासी होकर विदेश में हिंदी के विकास में अमूल्य योगदान।	5.00 लाख
21.	फादर कामिल बुल्के सम्मान	विदेशी मूल के व्यक्ति के हिंदी भाषा एवं उसकी बोलियों के विकास में उत्कृष्ट योगदान।	5.00 लाख
22.	गुणाकर मुले सम्मान	हिंदी में वैज्ञानिक एवं तकनीकी लेखन एवं पाठ्य-पुस्तकों के लिए लेखन।	5.00 लाख
23.	हिन्दी सेवा सम्मान	अहिंदी भाषी लेखकों और साहित्यकारों को लेखन-सृजन से हिंदी की समृद्धि के लिए योगदान।	5.00 लाख
		राज्य सम्मान	
1.	शिखर सम्मान	हिन्दी साहित्य	2.00 लाख
2.	शिखर सम्मान	उर्दू साहित्य	2.00 लाख
3.	शिखर सम्मान	संस्कृत साहित्य	2.00 लाख
4.	शिखर सम्मान	रूपंकर कलाएं	2.00 लाख
5.	शिखर सम्मान	नृत्य	2.00 लाख
6.	शिखर सम्मान	नाटक	2.00 लाख
7.	शिखर सम्मान	संगीत	2.00 लाख
8.	शिखर सम्मान	जनजातीय एवं लोक कलाएं	2.00 लाख
9.	शिखर सम्मान	दुर्लभ वाद्य वादन	2.00 लाख

उक्त सम्मान देश के सृजन सक्रिय साहित्यकार/कलाकार/संस्था की उच्च सृजनात्मकता, असाधारण उपलब्धि, अनवरत दीर्घसाधना तथा समग्र रचनात्मक अवदान के लिए देय हैं। प्रत्येक सम्मान के अंतर्गत आयकर मुक्त सम्मान राशि एवं सम्मान पट्टिका भेंट की जाती है।

वर्ष 2025 के इन सम्मानों हेतु संबंधित विधाओं के प्रति सार्थक सरोकार और रुझान वाले समीक्षकों, लेखकों, विचारकों, कला-रसिकों, आलोचकों एवं संस्थाओं से ख्याति प्राप्त साहित्यकारों/कलाकारों के चयन के लिए विधिवत अनुशंसाएं आमंत्रित की जाती हैं, अनुशंसाएं निम्न प्रारूप में भेजी जा सकती है :-

1. सम्मान का नाम (जिसके लिए अनुशंसा की जा रही है)
2. अनुशंसित का पूरा नाम
3. अनुशंसित की आयु
4. अनुशंसित का वर्तमान पता एवं दूरभाष, मोबाइल, ई-मेल आदि
5. अनुशंसित की सृजनात्मक एवं प्रतिष्ठादायी उपलब्धियों का सुस्पष्ट विवरण, छायाचित्र, ब्रोशर, कैटलॉग आदि
6. प्रस्तावक का नाम, पता एवं दूरभाष क्रमांक

उपर्युक्त प्रारूप विभागीय वेबसाइट से भी प्राप्त किया जा सकता है। उल्लेखनीय है कि प्रत्येक सम्मान एवं वर्ष के लिए अलग-अलग अनुशंसाएं तथा प्रत्येक सम्मान का नाम विधा सहित लिफाफे के ऊपर अंकित किया जाना आवश्यक है। उल्लेखित सम्मानों के लिए गठित जूरी समिति के समक्ष अनुशंसाएं विचार एवं निर्णय के लिए रखी जावेंगी। चयन समिति की सर्वसम्मत अनुशंसा पर राज्य शासन का निर्णय अंतिम होगा। घोषणा तक सभी कार्यवाहियां गोपनीय होती हैं। इस संबंध में कोई पत्राचार नहीं किया जायेगा और न ही दूरभाष पर जानकारी देना संभव हो सकेगा। प्रविष्टियां तथा संलग्न दस्तावेज लौटाये नहीं जा सकेंगे। जमा प्रस्तावों पर संशोधन आदि भी मान्य न होगा। प्रत्येक सम्मान के लिए अलग-अलग अनुशंसाएं **दिनांक 30 मई, 2025 तक कार्यालय, संस्कृति संचालनालय, 1- शिवाजी नगर, गैस राहत भवन** (रेडक्रास अस्पताल के पीछे), भोपाल-462016 (म.प्र.) के पते पर पहुँचाना आवश्यक है।

संचालक

जी-12202/50878/2025 **संस्कृति संचालनालय, मध्यप्रदेश**

संस्कृति संचालनालय, मध्यप्रदेश

1, शिवाजी नगर (रेडक्रास अस्पताल के पीछे), भोपाल - 462016

दूरभाष 0755-2770597-98

आवेदन आमंत्रित हैं
निदेशक, मध्यप्रदेश नाट्य विद्यालय, भोपाल के पद हेतु

पारंपरिक शास्त्रीय और आधुनिक रंगकर्म के शिक्षण-प्रशिक्षण, प्रदर्शन तथा संग्रह-सर्वेक्षण के उद्देशार्थ संचालित राष्ट्रीय स्तर के मध्यप्रदेश नाट्य विद्यालय, भोपाल (म.प्र.) के निदेशक पद हेतु, राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिष्ठित एवं ख्यात रंग-निदेशक की अस्थाई नियुक्ति, मानदेय (रु. 90,000 प्रतिमाह + आवास, वाहन, दूरभाष सुविधा) आधार पर की जाना है।

उक्त नियुक्ति हेतु वांछित शैक्षणिक योग्यता, सृजन तथा अपेक्षित कार्यानुभव की विस्तृत जानकारी के साथ यथापूर्ण आवेदन संचालक, संस्कृति संचालनालय, 1, शिवाजी नगर, भोपाल-462016 के कार्यालयीन पते पर आमंत्रित किये जाते हैं। आवेदन प्राप्त होने की **अंतिम तिथि 23 मई 2025** है। (संस्था के बारे में जानकारी हेतु वेबसाइट : **www.culturemp.in** तथा **www.mpsd.co.in** पर उपलब्ध)

वांछित योग्यता, अनुभव, आयु एवं कार्यकाल

(1) राष्ट्रीय स्तर के नाट्य विद्यालय यथा : राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय, दिल्ली या भारतेन्दु नाट्य अकादमी लखनऊ से प्रशिक्षित या किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से नाट्य विधा में मास्टर डिग्री धारक (2) राष्ट्रीय स्तर पर रंग प्रस्तुतियों का न्यूनतम पंद्रह वर्षों का अनुभव (3) राष्ट्रीय ख्याति के नाट्य विद्यालय अथवा रंग संस्थाओं के संचालन का 15 वर्षीय अनुभव (4) दिनांक 30.04.2025 को आवेदक की अधिकतम आयु सीमा 62 वर्ष (5) पद का कार्यकाल अधिकतम 3 वर्ष अथवा आयु 65 पूर्ण होने तक (जो भी पहले हो) (6) न्यूनतम 3 वर्षों के लिए निदेशक, नाट्य विद्यालय के रूप में कार्य करने की प्रतिबद्धता (7) 10 वर्षों का प्रशासनिक अनुभव (8) हिन्दी बोलने और लिखने का ज्ञान आवश्यक होगा।

संचालक

जी-12270/50884/2025 **संस्कृति संचालनालय, भोपाल**

कार्यालय मुख्य अभियंता (भवन), लोक निर्माण विभाग
निर्माण भवन, प्लाट नं.-27-28, अरेरा हिल्स, भोपाल

एनआईटी नं.- 11/2025/निविदा/सा/मु.अ.भ./ **भोपाल, दिनांक : 21.04.2025**

निम्नलिखित कार्य हेतु ऑनलाइन निविदा पंजीकृत ठेकेदारों अथवा पंजीयन हेतु उपयुक्त पात्रता वाली प्रतिष्ठित फर्म से आमंत्रण की जाती है :-

स.क्र. एवं कार्य का नाम :– 1. ग्राम खोमई एवं कावला रय्यैत जिला बैतूल में शासकीय प्राथमिक शाला भवन का निर्माण कार्य।

पोर्टल टेंडर क्र.	जिला	ठेके की अनुमा. राशि (पीएसी) (रु. लाख में)	अमानत राशि (ईएमडी) (रु. में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य (रु. में)	कार्य पूर्ण करने का समय (माह में वर्षाकाल सहित)
2025_PWPIU_ 418763_1	बैतूल	69.77	69770	10000	08 माह वर्षाकाल सहित
स.क्र. एवं कार्य का नाम :– 2. 06 नम्बर बस स्टॉप भोपाल में 30 बिस्तरों वाले आयुर्वेदिक अस्पताल का निर्माण (उन्नयन एवं नवीन निर्माण) कार्य।					
2025 PWPIU_ 418037_1	भोपाल	386.26	386260	15000	12 माह वर्षाकाल सहित
स.क्र. एवं कार्य का नाम :– 3. आदिम जाति अनुसंधान संस्थान अंतर्गत प्रशिक्षण भवन के उन्नयन विस्तार का निर्माण कार्य।					
2025_PWPIU_ 418044_1	भोपाल	343.74	343740	15000	12 माह वर्षाकाल सहित
स.क्र. एवं कार्य का नाम :– 4. सुखी सेवनिया जिला भोपाल में पी.एच.सी., 1 एच-टाइप क्वार्टर और 1 जी-टाइप क्वार्टर (शेष कार्य) का निर्माण, जिसमें सुखी सेवनिया, जिला-भोपाल (म.प्र.) में परिसर विकास कार्य भी शामिल है के निर्माण कार्य।					
2025_PWPIU_ 418658_1	भोपाल	213.07	213070	15000	12 माह वर्षाकाल सहित
स.क्र. एवं कार्य का नाम :– 5. शासकीय सर्किट हाउस देवास (3+1) व्ही.आई.पी. सूट का निर्माण कार्य।					
2025_PWPIU_ 418021_1	देवास	327.70	327700	15000	14 माह वर्षाकाल सहित
स.क्र. एवं कार्य का नाम :– 6. जिला देवास अंतर्गत छोटे-छोटे स्वीकृत कार्य, शेष कार्य एवं पी.जी. कार्य एवं अन्य कार्य हेतु जोनल कार्य।					
2025_PWPIU_ 416480_1	देवास	150.00	150000	12500	12 माह वर्षाकाल सहित
स.क्र. एवं कार्य का नाम :– 7. सिलवानी जिला रायसेन में अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) कार्यालय का निर्माण कार्य।					
2025_PWPIU_ 418281 1	रायसेन	99.14	99140	10000	10 माह वर्षाकाल सहित
क्र. एवं कार्य का नाम :– 8. गैरतगंज जिला रायसेन में (2 सूट) विश्राम गृह का निर्माण कार्य।					
2025_PWPIU_ 418311_1	रायसेन	87.95	87950	10000	10 माह वर्षाकाल सहित

1. निविदा से संबंधित बिड डॉक्यूमेंट वेबसाइट **http://mptenders.gov.in** पर बिना भुगतान के देखे एवं डाउनलोड किये जा सकेंगे।
2. निविदा प्रपत्र का मूल्य ऑनलाइन पोर्टल पर क्रेडिट/डेबिट/कैशकार्ड/इंटरनेट बैंकिंग के माध्यम से भुगतान कर निविदा प्रपत्र खरीदा जा सकेगा।
3. निविदा प्रपत्र केवल ऑनलाइन दिनांक 21.04.2025 समय 10.30 से **दिनांक 05.05.2025 समय 05.30 तक** खरीदा जा सकेगा। सूचना व अन्य जानकारी वेबसाइट पर देखी जा सकती है।
4. निविदा से संबंधित समस्त आवश्यक संशोधन उपरोक्त वेबसाइट पर ही दर्ज किये जायेंगे, पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

मुख्य अभियंता (भवन)

जी-12078/50877/2025 **लोक निर्माण विभाग भोपाल**

एमएसएमई टेक्नोलॉजी सेन्टर, इंदौर

(इण्डो-जर्मन टूल रूम, इन्दौर)

291-बी, 302-ए, सेक्टर-ई, इंडस्ट्रीयल एरिया, सांवेर रोड, इन्दौर (म.प्र.)-452015
ई-मेल: trg@igtr-indore.com, Ph.: 0731-4210700, 4210709, 4210743

igtr

एससी एवं एसटी के उम्मीदवारों के लिए ट्यूशन फीस निःशुल्क

एससी एवं एसटी के उम्मीदवारों के लिए आयु में 3 वर्ष की छूट

प्रवेश सूचना-2025-26

ए.आई.सी.टी.ई./एन.सी.व्ही.टी. स्वीकृत डिप्लोमा/आई.टी.आई पाठ्यक्रम

इंजीनियरिंग क्षेत्र में कॅरियर बनाने का सुनहरा अवसर

सभी कोर्सेस में SC/ST छात्रों को ट्यूशन फीस निःशुल्क एवं उम्र में 3 साल की छूट

इंडो जर्मन टूल रूम, इन्दौर में निम्न प्रकार के कोर्सेस संचालित किये जा रहे है, सभी कोर्सेस AICTE अथवा NCVT से मान्यता प्राप्त है। इन सभी कोर्स की उद्योगों में बहुत मांग है तथा रोजगार की संभावना भी अत्यधिक है।

	क्र.	कोर्स का नाम	कोर्स की अवधि	न्यूनतम पात्रता	कोर्स की मान्यता	शिक्षण शुल्क 1 वर्ष= 2 छमाही
GROUP "A"	1	एडवांस डिप्लोमा इन टूल एण्ड हाई मेकिंग (ADTDM)	4 साल	गणित एवं विज्ञान विषय सहित 10वी उत्तीर्ण (सामान्य 60%) (अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति तथा अन्य पिछड़ा वर्ग 50%) दिनांक 01/08/2025 को आयु सीमा 15 से 19 वर्ष	AICTE	₹23000/- प्रति छमाही
	2	डिप्लोमा इन मेकाट्रानिक्स (DIM)	3 साल			
	3	डिप्लोमा इन कम्प्यूटर साइंस (DICS)	3 साल			
GROUP "B"	4	डिप्लोमा इन वोकेशन प्रोडक्शन टेक्नोलॉजी (D Voc)	3 साल	10वी उत्तीर्ण दिनांक 01/08/2025 को आयु सीमा 15 से 23 वर्ष		₹20000/- प्रति छमाही
	5	सर्टिफिकेट कोर्स इन मशीनिस्ट ट्रेड	2 साल	गणित एवं विज्ञान विषय सहित 10वी उत्तीर्ण दिनांक 01/08/2025 को आयु सीमा 15 से 23 वर्ष	NCVT (ITI)	₹13000/- प्रति छमाही
	6	सर्टिफिकेट कोर्स इन फिटर ट्रेड	2 साल			
	7	सर्टिफिकेट कोर्स इन वेल्डर ट्रेड	1 साल			

- क्रमांक 1 से क्रमांक 3 (ग्रुप-ए) के लिए आवेदन फॉर्म 28.04.2025 से कॉलेज में आकर या हमारी वेबसाइट www.igtr-indore.com पर आप आवेदन कर सकते हैं।
- क्रमांक 1 से क्रमांक 3 (ग्रुप-ए) के लिए प्रवेश परीक्षा दिनांक 22.06.2025 को होगी एवं प्रवेश 10वीं मेरिट एवं प्रवेश परीक्षा के मूल्यांकन के आधार पर 23.06.2025 से शुरू होंगे।
- क्रमांक 4 से कमांक 7 (ग्रुप-बी) के लिए प्रवेश कॉलेज लेवल काउंसलिंग आधार पर 28.04.2025 से शुरू होंगे।
- क्रमांक 5 से क्रमांक 7 के कोर्सेस में प्रवेश के लिए मूल निवासी प्रमाण पत्र अनिवार्य है।
- अधिक जानकारी के लिए वेबसाइट www.igtr-indore.com देखे एवं कॉलेज में आकर जानकारी प्राप्त करें। कोर्स के फॉर्म वेबसाइट पर उपलब्ध है।
- प्रशासन एवं परिस्थिति के अनुसार किसी भी दिनांक में परिवर्तन किया जा सकता है।

सम्पर्क : सोमवार से शनिवार सुबह 9.30 से शाम 5:00 बजे तक

291/बी-302/ए, सेक्टर-ई, इंडस्ट्रीयल एरिया, सांवेर रोड, इन्दौर- 452015

मोबाइल नं.: 79995 19793, 99811 14092, 95897 31038, 79870 03320

deepak

R-50891/2025

COMPUTER PROFICIENCY CERTIFICATION TEST

Madhya Pradesh State Electronics Development Corporation Limited

Exam Registration Opens

MPSEDC/CPCT/Exam/2025/

"म.प्र. शासन द्वारा सरकारी रोज़गार हेतु आवश्यक CPCT स्कोर कार्ड"

राज्य शासन के विभिन्न विभागों एवं कार्यालयों में विभिन्न पदों पर कम्प्यूटर दक्षता/कौशल प्रमाणीकरण हेतु संविदा/नियमित नियुक्तियों के लिए सामान्य प्रशासन विभाग के आदेशानुसार (CPCT पोर्टल पर उपलब्ध) सूचना प्रौद्योगिकी/कम्प्यूटर क्षेत्र में कम्प्यूटर दक्षता प्रमाणीकरण परीक्षा (CPCT) का स्कोर कार्ड प्राप्त करना अनिवार्य है।

परीक्षा तिथि : 30 एवं 31 मई, 2025 | **पंजीयन तिथि : 28 अप्रैल, 2025 से 12 मई, 2025 तक**

आवेदन पत्र में संशोधन करने की तिथि : 14 मई, 2025 से 16 मई, 2025

- CPCT परीक्षा भोपाल, इंदौर, उज्जैन, ग्वालियर, जबलपुर, सागर, सतना में आयोजित की जाएगी।
- CPCT नियम पुस्तिका में आवेदन फॉर्म में सुधार हेतु नियम उपलब्ध कराए गए हैं।
- CPCT नियम पुस्तिका में निशक्तजनों से संबंधित नियम उपलब्ध कराये गए हैं तथा लेखक की सुविधा हेतु आवेदन का प्रारूप CPCT पोर्टल पर उपलब्ध है।
- CPCT परीक्षा सम्बन्धी समस्त जानकारी/विवरण एवं नियम पुस्तिका तथा आगामी परीक्षाओं का प्रस्तावित कैलेंडर CPCT पोर्टल (www.cpct.mp.gov.in) पर उपलब्ध है।
- मूल (Original) फोटोयुक्त पहचान पत्र लाने पर ही परीक्षा केंद्र में प्रवेश की अनुमति दी जाएगी।
- अभ्यर्थी को दोनों अनुभाग (कम्प्यूटर एवं टाइपिंग) में सम्मिलित होना अनिवार्य है।

परीक्षा एवं पंजीयन की सुविधा अंग्रेजी एवं हिन्दी दोनों भाषा में उपलब्ध होगी। आवेदकों को परीक्षा के लिए आवेदन ऑनलाइन ही भरने होंगे। आवेदक अपना पंजीयन MP Online के Kiosks से भी कर सकते हैं।

मुख्य महाप्रबंधक
मध्यप्रदेश राज्य इलेक्ट्रॉनिक्स विकास निगम लिमिटेड (MPSeDC)
स्टेट आई टी सेंटर, 47-A, अरेरा हिल्स भोपाल-462011

R-50893/2025 मप्रमा/119823/25

Note : MPSeDC द्वारा प्रदेश में किसी भी संस्था को CPCT प्रशिक्षण हेतु अधिकृत नहीं किया गया है।

SHRI VAISHNAV INSTITUTE OF MANAGEMENT & SCIENCE, INDORE

Formerly known as Shri Vaishnav Institute of Management, Indore • Estd. -1987
Approved by AICTE, New Delhi and Affiliated to DAVV, Indore & RGPV, Bhopal (M.P.)
UGC - NAAC accredited 'A' Grade Institute

Scheme No. 71, Gumasta Nagar, INDORE-452 009, Ph.: 0731-2780011, 2789925
E-Mail: svimi@svimi.org

REQUIRES

ASSISTANT PROFESSOR

- **MANAGEMENT: Eligibility:** MBA or equivalent with First Class and two years of professional experience after acquiring the Master's degree.
- **HOSPITAL ADMINISTRATION: Eligibility:** MBA with specialization in Hospital Administration having First Class and two years of professional experience after acquiring the Master's degree.
- **FOREIGN TRADE: Eligibility:** MBA with specialization in Foreign Trade / International Business having First Class and two years of professional experience after acquiring the Master's degree.
- **COMPUTER SCIENCE: Eligibility:** MCA or M. Tech in relevant branch or equivalent having First Class with two years professional experience after acquiring the MCA degree.

LAB TECHNICIAN

- **COMPUTER:** BCA or B.Sc. (CS) or Graduate in any discipline with PGDCA from UGC recognized universities or DOEACC (O-Level) with minimum two years experience.
- **MICROBIOLOGY:** Bachelor's Degree in relevant subject or equivalent grade from recognized University/ Institute or post graduate diploma or equivalent grade from recognized Institute with two years experience.

Salary is not a constraint for deserving candidate

Note: Applications of the candidates applied earlier will not be considered.

Candidate can apply in prescribed format by downloading the application form from Institute's website and duly filled form with all testimonials to be submitted in hard copy to the Institute address within 10 days of publication of advertisement.

deepak

R-50890/2025

'होम्योपैथी स्वास्थ्य कल्याण केंद्र' में महिलाओं के लिए विशेष उपचार की सुविधा

भोपाल, शासकीय होम्योपैथिक चिकित्सा महाविद्यालय एवं चिकित्सालय, आयुष परिसर मैनिट हिल्स भोपाल में स्थित 'होम्योपैथी स्वास्थ्य कल्याण केंद्र' में महिलाओं में होने वाले मोटापे के ऊपर विशेष उपचार उपलब्ध है। यह स्वास्थ्य कल्याण केंद्र इकाई केंद्रीय आयुष मंत्रालय के सहयोग एवं योग प्राकृतिक चिकित्सा अनुसंधान परिषद के साथ मिलकर स्थापित की गई है।

होम्योपैथी स्वास्थ्य कल्याण केंद्र की नोडल अधिकारी डॉ. जूही गुप्ता ने बताया कि वर्तमान परिदृश्य में महिलाओं में हार्मोन्स के बदलाव के कारण जीवन के विभिन्न पड़ावों में मोटापे की समस्या, व्यापक एवं उग्र रूप धारण कर रही है। विशेषकर कामकाजी महिलाओं में यह समस्या नित नए स्वरूप लेती जा रही है और साथ में जोड़ों में दर्द, कार्य करने की अनिच्छा, घबराहट जैसे कई अन्य लक्षण भी उत्पन्न कर रही है। भविष्य में यह समस्या शरीर में गंभीर असंतुलन और बड़ी बीमारियों को जन्म देने का कारक बनती है।

कार्यालय, अध्यक्ष, काउंसलिंग समिति
संचालनालय तकनीकी शिक्षा, मध्यप्रदेश

टैगोर छात्रावास क्रमांक - T2, प्रथम तल, श्यामला हिल्स, दूरदर्शन रोड, भोपाल - 462002

4/3/0003/2025-SEC-4-MP-DTE | I/246115/2025

ऑनलाइन काउंसलिंग समय सारणी, सत्र 2025-26 (C-17)

(मध्यप्रदेश में स्थित शासकीय/स्वशासी/अनुदान प्राप्त/स्ववित्तीय/निजी क्षेत्र के पॉलिटेक्निक संस्थान)
पॉलिटेक्निक डिप्लोमा तथा एकलव्य/डॉ. बाबा साहब अम्बेडकर योजनान्तर्गत डिप्लोमा पाठ्यक्रमों के
प्रथम वर्ष में अर्हकारी परीक्षा के आधार पर प्रवेश
पंजीयन दिनांक 30.04.2025 से प्रारंभ

पंजीयन प्रारंभ	
प्रथम चरण (सामान्य पूल एवं TFW की सीटों के लिए एक साथ संयुक्त रूप से आयोजित)	
गतिविधियाँ	**दिनांक/समय**
ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन/रजिस्ट्रेशन निरस्त	30.04.2025 से 01.06.2025 रात्रि 11:45 बजे तक

- प्रवेश नियम, अभ्यर्थियों के लिये महत्वपूर्ण निर्देश, अधिकृत सहायता केन्द्रों की सूची इत्यादि वेबसाइट **dte.mponline.gov.in** पर उपलब्ध है। काउंसलिंग में सम्मिलित होने के पूर्व इनका सूक्ष्मता से अध्ययन कर लें।
- ऐसे उम्मीदवार भी पंजीयन कर सकते हैं, जो सत्र 2024-2025 में 10 वीं कक्षा की परीक्षा में शामिल हुए हैं, जिनका परीक्षा परिणाम अभी जारी नहीं हुआ है; ऐसे उम्मीदवार यदि प्रवेश के लिए अपना पंजीयन कराते हैं तो उन्हें परीक्षा परिणाम जारी होने के बाद काउंसलिंग पोर्टल पर परीक्षा परिणाम का विवरण दर्ज कर काउंसलिंग प्रक्रिया को पूर्ण करना आवश्यक होगा। ऐसे उम्मीदवारों का पंजीयन **प्रावधिक पंजीयन (Provisional Registration)** रहेगा।
  - **परीक्षा परिणाम घोषित होने के बाद, प्रावधिक पंजीयन (Provisional Registration) करा चुके उम्मीदवारों हेतु निर्देश**
  - ऐसे अभ्यर्थी जिनका पंजीयन प्रावधिक है, उन्हें पुनः काउंसलिंग पोर्टल से समय सारणी अनुसार पंजीयन संशोधित कर अर्हकारी परीक्षा की जानकारी प्रविष्ट करनी होगी, जिसके लिए **रजिस्ट्रेशन संशोधन (Registration Edit)** की प्रक्रिया निम्नानुसार करनी होगी :-
    1. रजिस्ट्रेशन कैंसलेशन की लिंक का उपयोग कर प्रावधिक रजिस्ट्रेशन को संशोधित करने हेतु रिसेट (Reset) करें।
    2. पुनः रजिस्ट्रेशन लिंक का उपयोग कर रजिस्ट्रेशन में अर्हकारी परीक्षा की जानकारी प्रविष्ट करें।
    3. आवश्यक दस्तावेज अपलोड करने के बाद रजिस्ट्रेशन लॉक कर पंजीयन की पावती प्राप्त करें।
- प्रथम चरण की विस्तृत समय-सारणी तथा उत्तरोत्तर चरण की काउंसिलिंग के कार्यक्रम पृथक से पोर्टल पर जारी किये जायेंगे।
- **संपर्क :- 0755-6720205, 2660441 ई-मेल:- dte.helpcenter@mp.gov.in**

संचालक
तकनीकी शिक्षा, मध्यप्रदेश

म.प्र. माध्यम/119831/2025 R-50892/2025

M.P. INDUSTRIAL DEVELOPMENT CORPN. LTD.

MPIDC
R.O. Chambal City Center, Gwalior, Website : iidcgwalior.com

निविदा क्रमांक 24 | **ई-टेण्डर नोटिस** | दिनांक : 18.03.2025

कार्य का नाम	अनुमानित लागत/धरोहर राशि
Supply of Multipurpose Fire Tender at I/A Banmore, Distt. Morena.	1,90,00,000.00/ 19,00,000.00

निविदा प्रपत्र दिनांक 02.05.2025 से 16.05.2025 समय 5.30 सायं तक **https://mptenders.gov.in** पोर्टल के द्वारा केवल ऑनलाइन खरीदे एवं अपलोड किये जा सकते हैं। कॉरिजेन्डम (यदि कोई हो) केवल उपरोक्त वेबसाइट पर प्रकाशित किया जाएगा। एमपी आईडीसी क्षेत्रीय कार्यालय चम्बल बिना कोई कारण बताए किसी भी/सभी निविदाओं को स्वीकार/अस्वीकार करने का अधिकार सुरक्षित रखता है।

म.प्र. माध्यम/119834/2025 कार्यपालन यंत्री

R-50894/2025

MADHYA PRADESH RURAL ROAD DEVELOPMENT AUTHORITY

(AN AGENCY OF PANCHAYAT & RURAL DEVELOPMENT DEPARTMENT, GOVT. OF M.P.)
3rd Floor, Vikas Bhawan, Arera Hills, Bhopal (M.P.)
(GST No. 23AAATM9054A3ZX)

DPR CONSULTANCY OF BRIDGES
(Short Time E-Procurement Notice)

No. 5170/22/D-12/Brg.DPR/2025 **Bhopal, Dated : 29.04.2025**

Online Bids are invited from the reputed Consultants for preparation of DPR of Bridge under PMGSY-III as per details given below :

- No. of Packages - 19
- Nodal PIU - Indore, Dhar-2, Barwani, Dewas, Mandsour, Guna, Sheopur, Chhindwara, Dindori, Narsinghpur, Balaghat-2, Betul-1, Raisen, Vidisha, Harda, Satna-2, Maihar, Chhatarpur, Damoh & Sagar-2
- No. of Bridges - 380

Total Estimated Construction Cost (in Rs.) – Rs.17525544000.00

- Cost of Bid Document, Bid Security (EMD) and service charges as appearing on e-procurement portal are to be paid simultaneously through Debit Card/Credit Card/ Internet Banking or system generated challan. For detailed procedure of online payment of EMD and submission of affidavit please refer condition number 2 of detailed NIT.

1. RFP document may be seen, downloaded and purchased from our e-procurement website **https://mptenders.gov.in** from 17:30 hrs on **02.05.2025.**
2. Last date of Submission of bid is date **26.05.2025 upto 17.30 hrs.**

Other details & Conditions may be seen in the detailed NIT and Tender Document for preparation of DPR of Bridges under PMGSY April-2025 amended up to date on our Website **http://mptenders.gov.in.**

CHIEF GENERAL MANAGER (TENDER)

M.P. Madhyam/119859/2025

"मेरी सड़क" ऐप डाउनलोड कर फीडबैक देकर राष्ट्र के विकास में सहयोग दें।

R-50895/2025

एसजेवीएन लिमिटेड SJVN Limited

(भारत सरकार एवं हिमाचल प्रदेश सरकार का संयुक्त उपक्रम)
(A Joint Venture of Govt. of India & Govt. of H.P.)
नवरत्न सीपीएसई A Navratna CPSE
CIN No. L40101HP1988GOI008409

एक बढ़ते संगठन में कैरियर के अवसर

विज्ञापन सं. 122/2025 — **अंतिम तिथि: 18.05.2025**

भारत सरकार के विद्युत मंत्रालय के प्रशासनिक नियंत्रणाधीन भारत सरकार एवं हिमाचल प्रदेश सरकार के एक संयुक्त उपक्रम के रूप में नवरत्न सीपीएसई, एसजेवीएन लिमिटेड की स्थापना 24 मई,1988 को हुई थी। एसजेवीएन ने कुल 2708 मेगावाट स्थापित क्षमता की पंद्रह परियोजनाओं की कमीशनिंग की हैं और भारत में हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, बिहार, महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, पंजाब, गुजरात, अरुणाचल प्रदेश, राजस्थान, असम, ओडिशा, मिजोरम और मध्य प्रदेश के अलावा पड़ोसी देश नेपाल में भी कारोबारी उपस्थिति दर्ज की है। कंपनी के संबंध में विस्तृत जानकारी हेतु अभ्यर्थी वेबसाइट **www.sjvn.nic.in** पर लॉग ऑन कर सकते हैं।

कंपनी, कार्यकारी प्रशिक्षु के रूप में एसजेवीएन में शामिल होने के लिए भरोसेमंद तथा प्रतिबद्ध अभ्यर्थियों से निम्नवत विवरण के अनुसार आवेदन आमंत्रित करती है:

वेतनमान, परिलब्धियां और अन्य वित्तीय लाभ — तालिका–।

क्र. सं.	पदनाम/स्तर	वेतनमान (आईडीए) (रु.)	भत्ते
1	कार्यकारी प्रशिक्षु/ई2	50000-3%-160000	मूल वेतन के अतिरिक्त, कार्यकारी प्रशिक्षु को वर्तमान कंपनी नियमों के अनुसार आईडीए, कैफेटेरिया अप्रोच के तहत मूल वेतन के 35% की दर से, भत्ते, मकान किराया भत्ता/कंपनी लीज आवास, अंशदायी भविष्य निधि, वाहन प्रतिपूर्ति, अवकाश नकदीकरण, निष्पादन संबंधी वेतन, स्वयं और आश्रितों के लिए चिकित्सा सुविधाएं आदि के पात्र होंगे। 01 वर्ष की प्रशिक्षण अवधि के सफलतापूर्वक संपन्न करने पर, कार्यकारी प्रशिक्षुओं को 3% वेतन वृद्धि के साथ समान वेतनमान में अभियंता/अधिकारी के रूप में नियमित किया जाएगा। इसके अलावा, कैरियर की प्रगति एसजेवीएन की लागू पदोन्नति नीति द्वारा निर्देशित होगी।

पदों की संख्या एवं योग्यता

कार्यकारी प्रशिक्षुओं हेतु विभिन्न विधाओं के लिए पदों की संख्या और आवश्यक योग्यताएं निम्नवत हैं: तालिका–।।

विधा	आवश्यक शैक्षणिक योग्यताएं	पदों की संख्या					
		अनारक्षित	अ.पि.वर्ग (एनसीएल)	अनु.जा.	अनु.ज.जा.	ईडब्ल्यूएस	योग
सिविल	सिविल इंजीनियरिंग में स्नातक की डिग्री	9	8	5	3	5	30
इलेक्ट्रिकल	इलेक्ट्रिकल/इलेक्ट्रिकल एवं इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग में स्नातक डिग्री	5	4	3	1	2	15
मैकेनिकल	मैकेनिकल इंजीनियरिंग में स्नातक की डिग्री	7	4	2	1	1	15
मानव संसाधन	कार्मिक/मानव संसाधन में विशेषज्ञता के साथ दो वर्षीय एमबीए/स्नातकोत्तर डिप्लोमा के साथ स्नातक	5	1	—	—	1	7
पर्यावरण	पर्यावरण इंजीनियरिंग में स्नातक की डिग्री या पर्यावरण इंजीनियरिंग/पर्यावरण विज्ञान में दो वर्षीय स्नातकोत्तर डिग्री	5	1	—	1	—	7
भूविज्ञान	मुख्य विषय के रूप में इंजीनियरिंग भूविज्ञान के साथ एम.एससी./एम.टेक. (भूविज्ञान/ व्यावहारिक भूविज्ञान/ भूभौतिकी) अथवा इंजीनियरिंग भूविज्ञान में एम.एससी./एम.टेक.	4	1	1	—	1	7
सूचना प्रौद्योगिकी	कंप्यूटर विज्ञान/कंप्यूटर इंजीनियरिंग/ सूचना प्रौद्योगिकी इंजीनियरिंग में स्नातक की डिग्री	2	2	1	1	—	6
वित्त	सीए/आईसीडब्ल्यूए–सीएमए/वित्त में विशेषज्ञता के साथ दो वर्षीय एमबीए	9	6	2	1	2	20
विधि	विधि में स्नातक डिग्री (3 वर्ष एलएलबी या 5 वर्ष एकीकृत पाठ्यक्रम)	3	2	1	—	1	7
	योग	**49**	**29**	**15**	**8**	**13**	**114**

आयु सीमा: विज्ञापन की अंतिम तिथि तक अधिकतम आयु सीमा 30 वर्ष है। हालाँकि, भारत सरकार के लागू दिशा–निर्देशों के अनुसार आयु में छूट प्रदान की जाएगी।

- प्रबंधन बिना कोई कारण बताए किसी भी स्तर पर पदों की संख्या बढ़ाने/कम करने या पूरी भर्ती प्रक्रिया को रद्द करने का अधिकार सुरक्षित रखता है।
- जो अभ्यर्थी अंतिम वर्ष में हैं, उन्हें भी इस चयन प्रक्रिया के लिए विचार किया जाएगा, बशर्ते कि अभ्यर्थी आवश्यक योग्यता की अंतिम समेकित मार्कशीट की प्रति दिनांक 31.07.2025 तक या उससे पहले जमा करवा दें।
- उपरोक्त पदों के लिए विस्तृत विज्ञापन और आवेदन के लिए कृपया एसजेवीएन की वेबसाइट **www.sjvn.nic.in** देखें।
- अभ्यर्थियों को केवल एसजेवीएन वेबसाइट के माध्यम से ही ऑनलाइन आवेदन करना होगा। किसी अन्य साधन/विधि के माध्यम से आवेदन स्वीकार नहीं किए जाएंगे।

महत्वपूर्ण तिथियां

गतिविधि	दिनांक
एसजेवीएन वेबसाइट के माध्यम से आवेदन प्रस्तुत करने के लिए ऑनलाइन पंजीकरण के आरंभ की तिथि	28.04.2025 (10:00 बजे प्रातः)
एसजेवीएन वेबसाईट के माध्यम से अभ्यर्थियों द्वारा आवेदन को प्रस्तुत करने के लिए अंतिम तिथि	18.05.2025 (6 बजे सायं)

Run By Shri "BHAGWAN MAHAVIR CHARITABLE TRUST MUMBAI"

SHRI PARASHURAM INSTITUTE

OF TECHNOLOGY & RESEARCH, KHANDWA
VILLAGE DHANORA, HAPLA- DIPLA ROAD, JASWADI, KHANDWA, M.P. - 450001

APPROVED BY AICTE | AFFILIATED TO RGPV & KTBU

REQUIRED

ELIGIBILITY – QUALIFICATIONS AND PAY SCALES AS PER (AICTE) NORMS

SN	DESIGNATION	ELIGIBILITY
1	PRINCIPAL FOR MANAGEMENT DEPARTMENT	❍ PH. D. (IN RELEVANT SUBJECT)
2	PROFESSOR / ASSOCIATE PROFESSOR / ASSISTANT PROFESSOR - **FOR MBA DEPARTMENT**	❍ PH. D. (IN RELEVANT SUBJECT) ❍ M.B.A (IN RELEVANT SUBJECT) ❍ M.COM.(IN RELEVANT SUBJECT)
	NET/SET ARE PREFERABLE IN THIS CATEGORY	
2	PROFESSOR / ASSOCIATE PROFESSOR / ASSISTANT PROFESSOR - **FOR ENGINEERING DEPARTMENT**	❍ PH. D. (IN RELEVANT SUBJECT) ❍ M.TECH. (IN RELEVANT SUBJECT) ❍ B.TECH. (IN RELEVANT SUBJECT)
	NET/SET ARE PREFERABLE IN THIS CATEGORY	
3	OFFICE SUPERINTENDENT AND OFFICE ASSISTANT	❍ ANY GRADUATE ❍ COMPUTER & INTERNET OPERATIONS AND CLERICAL PROFICIENCY ARE MUST
4	COUNSELOR	❍ ANY GRADUATE ❍ COMMUNICATION PROFICIENCY
5	TELE-CALLER	❍ ANY GRADUATE OR HSSC ❍ COMMUNICATION PROFICIENCY
6	LIBRARIAN	❍ M. LIB. ❍ COMPUTER & INTERNET OPERATIONS AND CLERICAL PROFICIENCY ARE MUST
	PROFICIENCY ON HINDI & ENGLISH LANGUAGE ARE PREFERABLE IN THIS CATEGORY	

INTERESTED CANDIDATES CAN APPLY BY SENDING THEIR APPLICATIONs AND CVs

NOTE: FRESHER MAY ALSO APPLY

email us : spitrhr@gmail.com

PROCEED WITHIN 15 DAYS OF ADVERTISEMENT PUBLISHED

☎ +91 90399-22393 | Director – SPITR, KNW

R-50885/2025

कौशल विकास संचालनालय म.प्र.

क्र./कौ.वि.सं./मप्र/स्टेटसेल/प्रवेश/2025/474 — भोपाल, दिनांक : 02.05.2025

विज्ञप्ति

म.प्र. की आईटीआई में प्रवेश 2025 हेतु समय सारणी

आईटीआई चलें हम ....

म.प्र. स्थित शासकीय एवं प्रायवेट आईटीआई में संचालित एनसीवीटी/एससीवीटी के पाठ्यक्रमों में प्रवेश के इच्छुक अभ्यर्थी विभाग के पोर्टल (www.dsd.mp.gov.in) पर ''प्रवेश रजिस्ट्रेशन 2025'' पर जाकर रजिस्ट्रेशन/रजिस्ट्रेशन में त्रुटिसुधार एवं च्वाईस फिलिंग हेतु निम्नानुसार कार्यवाही कर सकेंगे।

स.क्र.	गतिविधियां	तिथियां
1.	आवेदकों द्वारा रजिस्ट्रेशन/रजिस्ट्रेशन में त्रुटि सुधार।	01.05.2025 से 31.05.2025
2.	इच्छित संस्थाओं तथा व्यवसायों की प्राथमिकता क्रम का चयन करना।	10.05.2025 से 31.05.2025
3.	कामन रैंक आवेदकों के लॉगिन पर प्रदर्शित की जायेगी।	05.06.2025
4.	कामन रैंक में यदि प्राप्तांकों में त्रुटि हो तो सुधार हेतु अवेदकों द्वारा ईमेल mpiti-counseling2025@gmail.com के माध्यम से सायं 05 बजे तक त्रुटि सुधार किया जा सकेगा। आवेदक द्वारा रजिस्ट्रेशन क्रमांक एवं संबंधित अंकसूची संलग्न करना अनिवार्य होगा।	06.06.2025 से 08.06.2025
5.	प्रथम चयन सूची डिस्प्ले करना। (एसएमएस द्वारा आवेदकों को सूचित करना)	16.06.2025
6.	प्रथम चयन सूची के आवेदकों का प्रवेश - आवंटन पत्रों की ऑनलाइन उपलब्धता/आवंटित संस्था में उपस्थिति, मूल दस्तावेजों का सत्यापन एवं प्रवेश	18.06.2025 से 20.06.2025
7.	द्वितीय चयन सूची जारी करना, अपग्रेड के साथ	24.06.2025
8.	द्वितीय चयन सूची के आवेदकों का प्रवेश	25.06.2025 से 27.06.2025

प्रवेश पोर्टल पर किसी भी प्रकार की समस्या होने पर संपर्क करें

फोन नं. - 9220407724, 9220407725, 9220407726, ई-मेल - mpiticounseling2025@gmail.com

जी-12295/50904/2025 — **संचालक**

निवेशकों को हरसंभव सहायता देने के लिए प्रतिबद्ध है मध्यप्रदेश - मुख्यमंत्री

इंदौर, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने इंदौर में आयोजित 'मध्यप्रदेश टेक ग्रोथ कॉन्क्लेव' के दौरान विभिन्न उद्योपतियों, निवेशकों से वन-ऑन-वन चर्चा की। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के 'विकसित भारत' के सपने को हम 'विकसित मध्यप्रदेश' से साकार करेंगे। राज्य में वर्ष 2025 को उद्योग वर्ष के रूप में मनाया जा रहा है। ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट और रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव के बाद अब विभिन्न सेक्टर पर आधारित कॉनक्लेव का आयोजन किया जायेगा। उन्होंने कहा कि आईटी और संबंधित सेक्टर पर आधारित यह कॉन्क्लेव का केवल निवेश का मंच नहीं है, बल्कि एक विचार-मंथन नीति-निर्माण और भविष्य की दिशा तय करने का अवसर है। मुख्यमंत्री ने कहा कि मध्यप्रदेश की विकास की यात्रा सतत जारी रहेगी। हम निवेशकों के विश्वास को मजबूती देंगे, नई नीतियां लागू करेंगे, आधारभूत संरचना को और सशक्त करेंगे। प्रदेश के युवाओं के लिए रोज़गार के नए अवसर सृजित करने के लिए हम संकल्पित हैं। उन्होंने कहा कि नवीन जीसीसी नीति 2025, सेमीकंडक्टर नीति 2025, एवीजीसी एक्सआर नीति 2025 और ड्रोन प्रोत्साहन और उपयोग नीति के द्वारा इन क्षेत्रों में निवेशकों को आवश्यक मदद प्रदान करने के प्रावधान हैं। अभी इन नीतियों की गाइडलाइंस भी जारी की गई है। तकनीकी दक्षता, सुशासन और निवेशकों को एकीकृत सुविधा देने के लिए नए डिजिटल पोर्टल भी लॉन्च किए गए हैं।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार, उद्योगपतियों और निवेशकों को एक इकोसिस्टम प्रदान करेगी। निवेशकों को सहयोग देने का प्रयास किया जा रहा है। प्रदेश के इन्फ्रास्ट्रक्चर को विश्वस्तरीय बनाया जा रहा है। राज्य सरकार निवेशकों को हरसंभव सहायता देने के लिए प्रतिबद्ध है।

विरासत के संरक्षण के साथ भोपाल @2047 के विकास की प्लानिंग की जाए - मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव मंत्रालय में भोपाल जिले के विकास कार्यों की समीक्षा करते हुए

भोपाल, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मंत्रालय में भोपाल जिले के विकास कार्यों की समीक्षा बैठक में यह निर्देश दिए कि विरासत के संरक्षण के साथ भोपाल के विकास का समुचित नियोजन किया जाए। भोपाल के समृद्ध अतीत को शहर की प्लानिंग का भाग बनाते हुए भोजपुर जाने वाले मार्ग पर राजाभोज की स्मृति में तथा उज्जैन की ओर जाने वाले मार्ग पर सम्राट विक्रमादित्य को समर्पित द्वार निर्मित होगा। शीघ्र ही इन दोनों द्वारों का निर्माण कार्य शुरू किया जाएगा।

प्रदेश के विभिन्न अंचलों की झलक राजधानी में अभिव्यक्त हो, इस दृष्टि से भोपाल @2047 के विकास के बारे में विचार करना आवश्यक है। इसके साथ ही भोपाल को मेट्रोपॉलिटन एरिया के रूप में विकसित करने के उद्देश्य से पश्चिम में आगरा-मुम्बई रोड और विदिशा, रायसेन तथा सीहोर तक आवागमन का नेटवर्क विकसित करते हुए कार्ययोजना बनाई जाए। बैठक में सूक्ष्म, लघु और उद्यम तथा जिले के प्रभारी मंत्री श्री चेतन्य काश्यप, खेल एवं युवा कल्याण तथा सहकारिता मंत्री श्री विश्वास सारंग, पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्रीमती कृष्णा गौर तथा मुख्य सचिव श्री अनुराग जैन उपस्थित रहे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव का भोपाल से बीआरटीएस कॉरिडोर हटाने के लिए जनप्रतिनिधियों ने आभार माना। उन्होंने कहा कि इससे भोपाल में सड़क दुर्घटनाओं में कमी आई है।

- **भोजपुर की ओर राजा भोज और उज्जैन की ओर जाने वाले मार्ग पर सम्राट विक्रमादित्य द्वार होंगे निर्मित।**
- **प्रदेश में लागू नियमों के अनुसार ही भोपाल में हाई राइज बिल्डिंग निर्माण की अनुमति दी जाए।**
- **शहर के विकास और बीएचईएल के हित में 50-50 मॉडल पर होगा बीएचईएल की भूमि का उपयोग।**

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट ने भोपाल को उद्योग-व्यापार के महत्वपूर्ण केंद्र के रूप में स्थापित किया है। एजुकेशन, मेडिकल, टूरिज्म, इंडस्ट्री आदि के क्षेत्र में गतिविधियों का लगातार विस्तार हो रहा है। भोपाल में आवागमन के लिए सड़क परिवहन के साधनों तथा मैट्रो सुविधा का परस्पर लिंकेज स्थापित करते हुए समग्रता में प्लान क्रियान्वित किया जाए। बहुउद्देशीय उपयोग सुनिश्चित करते हुए परिवहन अधोसंरचना का निर्माण हो।

बैठक में जानकारी दी गई कि भोपाल में एम्स से करोंद चौराहा और भदभदा चौराहा से रत्नागिरी तिराहा मार्ग के दो कॉरिडोर पर मैट्रो कार्य प्रगति पर है। बीएचईएल की भूमि का उपयोग 50-50 मॉडल पर शहर के विकास तथा बीएचईएल के हित में करने के संबंध में भारत सरकार के भारी उद्योग मंत्रालय तथा प्रदेश के नगरीय प्रशासन विभाग के मध्य सैद्धांतिक सहमति हुई।

सरोजिनी नायडू महाविद्यालय, भोपाल में 'विवाह एवं परिवार परामर्श केन्द्र' का शुभारम्भ

भोपाल, उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा एवं आयुष मंत्री श्री इन्दर सिंह परमार ने भोपाल स्थित सरोजिनी नायडू शासकीय कन्या स्नातकोत्तर (स्वशासी) महाविद्यालय में 'विवाह एवं परिवार परामर्श केन्द्र' की स्थापना के लिए बधाई एवं शुभकामनाएं दी। श्री परमार ने कहा कि महाविद्यालय का यह अभिनव प्रयास, भारतीय संस्कृति के संरक्षण एवं संवर्धन की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका सुनिश्चित करेगा और अन्य शैक्षणिक संस्थानों के लिए अभिप्रेरणा का आदर्श केंद्र बनेगा। श्री परमार ने कहा कि परिवार, राष्ट्र की प्रथम इकाई है, परिवार से समाज और समाज से राष्ट्र का मौलिक सृजन होता है। राष्ट्र के सांस्कृतिक सृजन में, पारिवारिक मूल्यों एवं मौलिक संस्कारों का महत्वपूर्ण योगदान होता है। विवाह संस्कार, सनातन के 16 संस्कारों में से एक महत्वपूर्ण संस्कार है। विवाह संस्कार के पालन एवं कुटुम्ब में सौहार्द्रपूर्ण समन्वय, वर्तमान परिदृश्य की आवश्यकता भी है।

नर्मदा परिक्रमा पथ पर आश्रय स्थलों के निर्माण कार्यों में लाएं गति

भोपाल, पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री श्री प्रहलाद सिंह पटेल ने कहा कि नर्मदा परिक्रमा पथ पर आश्रय स्थलों के निर्माण कार्यों में गति लाएं। उन्होंने पौधरोपण के फेंसिंग कार्य को प्राथमिकता से पूर्ण करने के निर्देश दिए। मंत्रालय स्थित कार्यालय में श्री पटेल ने विभागीय कार्यों की प्रगति की समीक्षा की। इस अवसर पर प्रमुख सचिव श्रीमती दीपाली रस्तोगी सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

मंत्री श्री पटेल ने निर्माणाधीन ग्राम पंचायत भवनों एवं सामुदायिक भवनों के कार्यों की प्रगति की समीक्षा करते हुए द्वितीय किश्त शीघ्र जारी करने के निर्देश अधिकारियों को दिए, ताकि निर्माण कार्य समयबद्ध ढंग से पूर्ण हो सके।

कक्षा एक से 12वीं तक बहत्तर लाख से अधिक विद्यार्थियों का नामांकन

भोपाल, शैक्षणिक सत्र 2025-26 में अब तक कक्षा एक से 12वीं तक लगभग 72 लाख 40 हजार से अधिक विद्यार्थी निर्धारित कक्षाओं में अपना नामांकन दर्ज करवा चुके हैं। वहीं कक्षा 5 उत्तीर्ण करने वाले लगभग 5 लाख विद्यार्थी कक्षा 6 में तथा कक्षा 8 उत्तीर्ण करने वाले करीब 4 लाख 84 हजार से अधिक विद्यार्थी कक्षा 9 में प्रवेश ले चुके हैं। कक्षा एक से 8वीं तक में लगभग 59 लाख 66 हजार से अधिक एवं कक्षा 9 से 12वीं में 12 लाख 73 हजार से अधिक विद्यार्थी अभी तक नये शैक्षणिक सत्र वर्ष 2025-26 में प्रवेश ले चुके हैं।

प्रदेश में एक अप्रैल से शुरू हुए नये शैक्षणिक सत्र में अब तक लगभग एक लाख 62 हजार से अधिक बच्चों का कक्षा एक में प्रवेश हो चुका है। इनमें से लगभग एक लाख से अधिक बच्चों के अभिभावकों ने उनका प्रवेश शासकीय विद्यालयों में कराया है। शेष करीब 35 हजार बच्चे निजी विद्यालयों की कक्षा एक में प्रवेश ले चुके हैं।

'स्कूल चलें हम अभियान' के राज्य स्तरीय कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने विद्यार्थियों के नामांकन के लिए एजुकेशन पोर्टल 3.0 का एक अप्रैल को लोकार्पण किया था। पोर्टल के माध्यम से शालाओं में कक्षावार नामांकन की नियमित मॉनिटरिंग की जा रही है। नामांकन का कार्य सतत प्रगति पर है तथा अधिकांश चिन्हित बच्चे निर्धारित कक्षाओं में प्रवेश ले रहे हैं।

कक्षा एक में प्रवेश योग्य बच्चों की सूची की उपलब्धता से सहजता

इस वर्ष समय डेटा के आधार पर कक्षा एक में प्रवेश के लिये योग्य बच्चों की ग्राम और वार्डवार सूची भी शिक्षकों को पहले से ही उपलब्ध कराई गई है। जिससे शिक्षकों के द्वारा इन बच्चों के अभिभावकों से संपर्क कर शाला प्रवेश कार्य में सुविधा हो रही है।

परीक्षा परिणामों की समयबद्ध घोषणा

प्रदेश में परीक्षा परिणामों की समयबद्ध घोषणा माह अप्रैल में की गई। इस वजह से आशाजनक कक्षावार नामांकन का एक प्रमुख कारण यह भी है। प्रदेश में कक्षा 10वीं और 12वीं की बोर्ड पैटर्न परीक्षाओं के अलावा अन्य सभी कक्षाओं की स्थानीय परीक्षाओं और कक्षा 5वीं और 8वीं की बोर्ड पैटर्न परीक्षाओं के परिणाम भी इस वर्ष मार्च अंत तक घोषित किये जा चुके हैं, जिससे विद्यार्थियों के द्वारा आगामी कक्षाओं में समय से प्रवेश लिया जा रहा है।

स्कूल शिक्षा विभाग ने इस वर्ष नवीन सत्रारंभ की पूर्व तैयारी इस प्रकार की जिसमें प्रथम दिवस एक अप्रैल से ही कक्षा शिक्षण में कोई कठिनाई नहीं हुई।

मध्यप्रदेश सेमी कंडक्टर उद्योग का अगला प्रमुख केंद्र बनेगा

इंदौर, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में राज्य सेमीकंडक्टर और इलेक्ट्रॉनिक कंपोनेंट उद्योग में एक बड़ा केंद्र बनने के लिए तैयार है। नवीन तकनीकी क्रांति में राज्य अग्रणी भूमिका निभाने और निवेश आकर्षित करने की ओर अग्रसर है। 'मध्यप्रदेश टेक ग्रोथ कॉन्क्लेव-2025' में अपर मुख्य सचिव विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी श्री संजय दुबे ने 'मध्यप्रदेश - सेमीकंडक्टर और ईएसडीएम के लिए अगला गंतव्य' विषय पर आयोजित राउंड टेबल कॉन्फ्रेंस-4 को ब्रिलियंट कन्वेंशन सेंटर, इंदौर में संबोधित किया। उन्होंने राज्य की सेमीकंडक्टर नीति एवं प्रदेश सरकार द्वारा निवेशकों को दी जाने वाली वित्तीय एवं गैर वित्तीय सुविधाओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उद्योगपतियों तथा निवेशकों ने अपने विचार और सुझाव रखे। इसमें प्रोजेक्ट डायरेक्टर एमपीएसईडीसी श्री गुरु प्रसाद, डॉ. मणि मधुकर, प्रोग्राम लीड, सेमीकंडक्टर इकोसिस्टम - आईबीएम इंडिया, श्री अभिषेक कुमार, प्रबंध निदेशक (एमडी) केदारा सहित उद्योगपति तथा निवेशक उपस्थित रहे।

एसीएस श्री दुबे ने कहा कि टियर-2 शहर जैसे इंदौर, भोपाल का तेजी से विकास राज्य की तकनीकी स्थिति को मजबूत कर रहा है। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश की विशेष भौगोलिक स्थिति, त्वरित स्वीकृतियां, आधुनिक आधारभूत संरचना और प्रगतिशील नीतियां तकनीकी विकास को गति दे रही हैं। साथ ही सेमीकंडक्टर कंपोनेंट निर्माण, इलेक्ट्रोनिक उत्पाद विकास और नवाचार और चिप डिजाइन कंपनियों सभी के लिए विशेष सुविधाएं राज्य में प्रदान की जा रही हैं।

चेती चांद महोत्सव — हमारे देश की पहचान सिंधु घाटी से जुड़ी है - मुख्यमंत्री

भोपाल, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सिंधु भवन में आयोजित चेती चांद महोत्सव एवं प्रतिभा सम्मान समारोह को संबोधित किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारे देश की पहचान सिंधु घाटी सभ्यता और सिंधु नदी से जुड़ी है। प्राचीनकाल में विकसित सिंधु घाटी सभ्यता आज भी पूरे देश को गौरवान्वित करती है। सम्राट दाहिर सेन का अपने धर्म और संस्कृति को बचाने के लिए संघर्ष आज भी हमें प्रेरणा और साहस प्रदान करता है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी देश, धर्म और संस्कृति की रक्षा के लिए समर्पित और प्रतिबद्ध हैं। भोपाल, संत हिरदाराम की पुण्य भूमि है, संत परम्परा के अनुसार हम 'जियो और जीने दो' के सिद्धांत में विश्वास करते हुए प्राणी मात्र से प्रेम के भाव का व्यवहार में भी निवर्हन करते हैं। सिंधी समाज ने इन

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को मध्यप्रदेश सिंधु भवन ट्रस्ट द्वारा किया गया सम्मानित

मूल्यों का पालन करते हुए अपने धर्म और संस्कृति की सुरक्षा के लिए अपना घर-परिवार और व्यापार छोड़ा। संघर्ष और चुनौतियों का सामना करते हुए अपनी कर्मठता और आत्मविश्वास से उन्होंने स्वयं को पुन: स्थापित भी किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि अपनी क्षमता, योग्यता और निरंतर मेहनत से सिंधी समाज ने व्यापार और उद्योग जगत में कई उपलब्धियां अर्जित की हैं। राज्य सरकार प्रदेश में औद्योगिक गतिविधियों और स्थानीय स्तर पर उद्यमिता के विस्तार के लिए प्रतिबद्ध है, और इस दिशा में निरंतर हर संभव प्रयास किए जा रहे हैं। उद्योग स्थापना और व्यापारिक गतिविधियों के संचालन के लिए नीतियों और प्रकियाओं को सरल और सुगम किया गया है।

प्रदेश में रोज़गार के अवसर बढ़ाने के लिए उद्योगों को प्रोत्साहन दिया जा रहा है। व्यापार और उद्योग रोज़गार उपलब्ध कराने का प्रमुख माध्यम है। अन्य राज्यों तथा विदेश से भी निवेश के लिए उद्योगपतियों और व्यापारियों को आमंत्रित किया जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सिंधी समाज के बंधुओं से प्रदेश में व्यापार और औद्योगिक गतिविधियों के विस्तार की पहल करने का आह्वान करते हुए कहा कि राज्य सरकार इस दिशा में उनकी हर संभव सहयोग के लिए तत्पर है।

(स्रोत : समाचार एवं फोटो जनसंपर्क विभाग, मध्यप्रदेश से साभार)

मध्यप्रदेश 'टेक ग्रोथ कॉन्क्लेव-2025'

उद्योग मंदिर की तरह हैं जिससे लाखों लोगों को मिलता है रोज़गार के रूप में आशीर्वाद - मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव इंदौर में आयोजित मध्यप्रदेश टेक ग्रोथ कॉन्क्लेव 2025 को संबोधित करते हुए

इंदौर, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने इंदौर के ब्रिलियंट कन्वेंशन सेंटर में मध्यप्रदेश टेक ग्रोथ कॉन्क्लेव का शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि उद्योगों का निर्माण किसी मंदिर के बनने की तरह है। उद्योग ऐसे मंदिर हैं, जो भगवान की तरह दर्शन जीविका का प्रसाद और आशीर्वाद देते हैं। श्रम शक्ति से लाखों व्यक्तियों को रोजी-रोटी मिलती है। आज के तकनीकी दौर में छोटे देश भी प्रगति कर रहे हैं। युद्धों से विकास में पिछड़ने वाले देश भी उद्यमशीलता से विकसित हो जाते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में हम आज बदलते दौर का भारत देख रहे हैं, जहां कई क्षेत्रों में तीव्र प्रगति हो रही है। इंदौर ने उद्योगों के विकास का कीर्तिमान बनाया है, इंदौर आईटी क्षेत्र की राजधानी है। इंदौर में श्री अतुल पंचशील जैसे उद्योगपति विशिष्ट कार्य कर रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया प्रदेश में पांच बड़े नगरों में इंडस्ट्री पार्क प्रारंभ किये जा रहे हैं। कोरिया जैसे देश जिनसे भारत का पुराना सांस्कृतिक

- **जीआईएस में आईटी से संबंधित हुये 99 एमओयू में से 25 प्रतिशत का आज हुआ है भूमिपूजन।**
- **'टेक ग्रोथ कॉन्क्लेव' है प्रदेश की तकनीकी-परक औद्योगिक यात्रा का स्वर्णिम पड़ाव।**
- **प्रदेश में स्पेस टेक्नोलॉजी नीति पर होंगे कार्य।**
- **मध्यप्रदेश अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी का प्रमुख केन्द्र बनेगा, 1500 करोड़ का मिला निवेश।**

नाता है, वे भी मध्यप्रदेश में निवेश के लिये इच्छुक हैं। आज की कॉन्क्लेव में कोरिया और जापान से भी प्रतिनिधि आये हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि कॉन्क्लेव से लगभग 20 हजार करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं, जिससे लगभग 75 हजार रोज़गार सृजित होंगे। उन्होंने कहा कि मुझे बताते हुए बहुत खुशी हो रही है कि टेक ग्रोथ कॉन्क्लेव में विभिन्न औद्योगिक इकाइयों के भूमिपूजन एवं शिलान्यास भी हुए हैं। इसमें से जीआईएस-भोपाल में आईटी सेक्टर में प्राप्त 99 प्रस्तावों में से 25 प्रतिशत का भूमिपूजन हुआ है, जो इस बात का द्योतक है कि हम बस वादे नहीं करते, उन्हें धरातल पर उतारकर भी दिखाते हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि भोपाल जिले के बैरसिया में मोबाइल, सेमीकंडक्टर डिवाइस पार्क बनाने वाले प्रतिष्ठान विश्व स्तरीय अधोसंरचना का लाभ प्राप्त करेंगे। लगभग 209 एकड़ क्षेत्र में इलेक्ट्रॉनिक मैन्युफैक्चरिंग के इस मेगा प्रोजेक्ट से बड़ी संख्या में रोज़गार उपलब्ध कराना संभव होगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भोपाल के बैरसिया में महत्वपूर्ण निवेश करीब 1500 करोड़ रुपये का निवेश आकर्षित करने में सफलता मिली है। स्पेस टेक नीति के अंतर्गत यह कार्य होगा। इससे सायबर सुरक्षा के क्षेत्र में नया दौर सामने आयेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि इंदौर में एग्रीटेक उत्कृष्टता केन्द्र बनेगा। ड्रोन तकनीक सहित विभिन्न क्षेत्रों में निवेश आयेगा।

सागर में पर्यटन विकास की संभावनाओं को साकार करने के प्रयास - मुख्यमंत्री

सागर, भगवान श्रीराम और भगवान श्रीकृष्ण के संदेश और भारतीय संस्कृति को इस्कॉन संस्था ने विश्वभर में फैलाया है। भारतीय संस्कृति के प्रसार में इस्कॉन की भूमिका वैश्विक है। यह बात मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कलेक्ट्रेट, उज्जैन के एनआईसी कक्ष से सागर जिले के ग्राम मेनपानी में इस्कॉन मंदिर के भूमिपूजन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कही। उन्होंने कहा कि बुंदेलखंड अंचल गोपाल कृष्ण के आदर्शों को मानने वाली भूमि है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने लगभग 50 करोड़ रुपये की लागत से सागर जिले के मेनपानी की पहाड़ियों में बनने वाले भव्य इस्कॉन मंदिर की वर्चुअली आधारशिला रखी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इस्कॉन इंटरनेशनल ने भगवान श्रीकृष्ण के विचारों एवं आदर्शों को देश में और विदेशों में जन-जन तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण के मुखारविन्द से निकले प्रत्येक वचन को 18 अध्याय में संकलित किया गया है, जिसे हम श्रीमद्भगवद्गीता कहते हैं। इन्हें जनमानस तक पहुंचाने में इस्कॉन इंटरनेशनल की महत्वपूर्ण भूमिका है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सागर जिले में अक्षय तृतीया पर सनातन संस्कृति के सूर्य का उदय हो रहा है। बुंदेलखंड महावीरों की धरती है।

डॉ. यादव ने मंदिर निर्माण के लिए भूमि प्रदान करने वाले श्री विवेक यादव एवं उनके योगदान की सराहना की। उन्होंने कहा कि प्रदेश में सभी क्षेत्रों में विकास के प्रयास किए जा रहे हैं। सरकार के साथ जब समाज सहयोगी बनता है तो असंभव माने जाने वाले कार्य भी संभव हो जाते हैं।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री श्री प्रहलाद सिंह पटेल ने कहा कि आज के दौर में संस्कारों की आवश्यकता है। संस्कारों से हमें सुख-शांति प्राप्त होती है और अपना जीवन भी सुखपूर्वक व्यतीत कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि भारत के बाहर एवं भारत के अंदर इस्कॉन मंदिर के अनुयायी रहते हैं। अब सागरवासियों के साथ संपूर्ण बुंदेलखंड के लिए इस्कॉन मंदिर के माध्यम से भगवान श्रीकृष्ण की भक्ति करने का अवसर मिलेगा।

समाज मेक इन इंडिया और मेड इन इंडिया को बढ़ावा दे - मुख्यमंत्री

इंदौर, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने इंदौर के लालबाग परिसर में स्वदेशी जागरण मंच द्वारा आयोजित स्वदेशी मेले के समापन समारोह को संबोधित किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वदेशी का भाव भारत की आत्मा में रचा-बसा है। वर्षों पूर्व शुरू हुई स्वदेशी जागृति आज 'मेक इन इंडिया' और 'मेड इन इंडिया' जैसे अभियानों के रूप में देश को आत्मनिर्भर बनाने का सशक्त माध्यम बन रही है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में स्वदेशी और आत्मनिर्भरता का विचार पूरे देश में तेजी से फैल रहा है, जो अत्यंत गर्व की बात है।

उन्होंने कहा कि भारत ने समय-समय पर अनेक चुनौतियों का सामना किया, लेकिन स्वावलंबन और स्वदेशी की भावना कभी क्षीण नहीं हुई। हमें इस भावना को और सशक्त बनाना है ताकि भारत हर क्षेत्र में आत्मनिर्भर बन सके। मुख्यमंत्री ने लोकमाता अहिल्याबाई होलकर का स्मरण करते हुए कहा कि उन्होंने महेश्वर जैसे स्थान पर स्थानीय कारीगरी और वस्त्र निर्माण को प्रोत्साहित कर स्वदेशी विचार को नई ऊंचाइयों तक पहुँचाया।

कुटीर एवं ग्रामोद्योग विभाग का हर 5 साल में दोगुना उत्पादन करने का है लक्ष्य

भोपाल, कुटीर एवं ग्रामोद्योग राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री दिलीप जायसवाल ने कहा है कि विभाग का प्रत्येक 5 वर्ष में उत्पादन दोगुना करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। साथ ही विकसित भारत @2047 तक इसे 16 गुना किए जाने का लक्ष्य है। कुटीर एवं ग्रामोद्योग विभाग लक्ष्य प्राप्त करने के लिए लोगों को प्रशिक्षण, नवीन उपकरणों का प्रदाय, नवीन इकाइयों एवं स्टार्ट-अप्स का संरक्षण एवं साधन उपलब्ध कराने का कार्य कर रहा है। राज्य के सकल घरेलू उत्पादन में विभाग का 135.37 करोड़ रुपये का योगदान है, जिसे वर्ष-2047 तक 2165.92 करोड़ किए जाने का लक्ष्य रखा गया है।

श्री जायसवाल ने कहा कि वर्ष 2047 के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए उत्पादन में वृद्धि के लिए नवीन इकाइयों का पंजीयन, नवीन विधाओं में प्रशिक्षण, निर्यात, नवीन डिजाइनों एवं रंगों का समावेश, उन्नत उपकरणों का प्रदाय, अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर विक्रय प्रदर्शनियों का आयोजन एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर नवीन विक्रय केंद्रों की स्थापना का सुझाव रखा गया है। विभाग प्रदेश के सेमी अर्बन एवं ग्रामीण क्षेत्र के आधिकाधिक युवाओं की नवीन इकाइयों का पंजीयन, नवीन स्टार्ट-अप्स को प्रोत्साहन, हाथकरघा एवं औद्योगिक क्षेत्र की विभिन्न विधाओं में स्थानीय स्तर पर प्रशिक्षण, सम्मानजनक रोज़गार के लिए मूलभूत आवश्यक सुविधाओं को उपलब्ध करा रहा है।

मध्यप्रदेश पहला राज्य जहां रियल-टाइम फॉरेस्ट अलर्ट सिस्टम लागू

भोपाल, एआई आधारित रियल-टाइम वन अलर्ट प्रणाली को लागू करने वाला देश का पहला राज्य मध्यप्रदेश बन गया है। प्रदेश में सक्रिय वन प्रबंधन की दिशा में यह ऐतिहासिक कदम उठाया गया है। यह प्रणाली उपग्रह चित्रों, मोबाइल फीडबैक और मशीन लर्निंग की मदद से कार्य करती है, जो भूमि अतिक्रमण, भूमि उपयोग परिवर्तन और वन ह्रास का पता लगाकर वन विभाग को समय पर कार्रवाई के लिये सक्षम बनाती है।

इस नवाचार की परिकल्पना वन मण्डलाधिकारी, गुना श्री अक्षय राठौर द्वारा की गयी और इसे मुख्य वन संरक्षक एवं वन बल प्रमुख श्री असीम श्रीवास्तव एवं अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक आईटी श्री बी.एस. अणिगेरी के नेतृत्व और संस्थागत समर्थन से क्रियान्वित किया गया। गूगल अर्थ इंजन पर आधारित यह प्रणाली बहु-कालिक उपग्रह आंकड़ों का विश्लेषण करती है और कस्टम एआई मॉडल की मदद से भूमि उपयोग परिवर्तन की पहचान करती है। हर संभावित बदलाव को मोबाइल ऐप के माध्यम से फील्ड स्टॉफ को भेजा जाता है।

गुना डीएफओ ने बताया कि यह पहली बार है जब हमने सैटेलाइट, एआई और फील्ड फीडबैक को एक निरंतर चक्र में जोड़ा है, जो खुद को समय के साथ सुधारता है। यह प्रणाली फॉरेस्ट स्टॉफ को केवल निगरानी नहीं, बल्कि तत्काल कार्यवाही के लिये सशक्त बनाती है। अलर्ट जनरेशन और फीडबैक प्रक्रिया में प्रारंभिक अलर्ट जनरेशन में गूगल अर्थ इंजन द्वारा 3 तारीखों के उपग्रह चित्रों की तुलना, फसल, बंजर भूमि, निर्माण इत्यादि में बदलाव की पहचान करता है। साथ ही महत्वपूर्ण पिक्सल परिवर्तन के आधार पर पॉलीगन अलर्ट, फील्ड सत्यापन के अंतर्गत मोबाइल ऐप पर अलर्ट भेजना, फील्ड स्टॉफ जीपीएस टैग की गई फोटो, वाइस नोट और टिप्पणियां अपलोड करना एवं डेटा समृद्धि में एनडीवीआई, एसएवीआई, ईवीआई जैसे इंडेक्स और एसएआर विशेषताओं को जोड़ने से एक अलर्ट में लगभग 20+ इंडिपेंडेंट फीचर्स तैयार होते हैं।

गन्ने का एफआरपी 355 रुपये प्रति क्विंटल निर्धारित करने पर मुख्यमंत्री ने माना आभार

भोपाल, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा वर्ष 2025-26 के लिए गन्ने का एफआरपी (उचित एवं लाभकारी मूल्य) 355 रुपये प्रति क्विंटल निर्धारित करने के किसान हितैषी निर्णय पर आभार माना है।

मुख्यमंत्री ने कहा है कि केंद्रीय कैबिनेट द्वारा कृषि विकास एवं किसान कल्याण के लिए समर्पित प्रधानमंत्री ने देश के लगभग 5 करोड़ किसानों को ऐतिहासिक उपहार दिया है। इससे मध्यप्रदेश के किसान भी लाभान्वित होंगे। साथ ही देश भर के चीनी मिलों में कार्यरत लगभग 5 लाख श्रमिकों को भी लाभ होगा।

आज दुनिया हमारी संस्कृति की तरफ आशा से देखती है

शाजापुर, हमारी संस्कृति उदार और महान है। दुनिया में ऐसी कोई संस्कृति नहीं है, जिसमें भारत की तरह हर कार्य संस्कार के अनुसार होते हैं। हमारी संस्कृति में जन्म से लेकर मृत्यु तक संस्कार हैं, जिसमें पाणिग्रहण संस्कार भी शामिल है। यह बात मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शाजापुर जिले की कालापीपल तहसील के ग्राम रामपुरा में मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के तहत संपन्न हुए सामूहिक विवाह सम्मेलन में संबोधित करते हुए यह बात कही। सामूहिक विवाह में कुल 1247 विवाह हुए, जिसमें 1133 कन्याओं का विवाह हिन्दू रीति रिवाज के साथ तथा 114 निकाह हुए। कार्यक्रम में नवविवाहित दम्पतियों को मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना की राशि

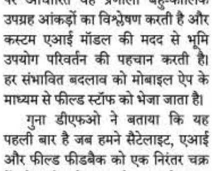

49 हजार रुपये के चेक प्रदान किए गये।

डॉ. यादव ने नवविवाहित दम्पतियों को शुभकामनाएं एवं आशीर्वाद देते हुए कहा कि बेटियां नए परिवार की सदस्य बनने जा रही हैं, जहां उसे नए माता-पिता मिलेंगे। उन्होंने कहा कि बेटी को नए परिवार के सदस्य आदर एवं सम्मान दें। बेटियां भी नए परिवार के सदस्यों का आदर करें। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि दुनिया आज हमारी संस्कृति की तरफ बड़ी आशा भरी निगाहों से देखती है, वो हमारी संस्कृति को जानना एवं समझना चाहती है। हमारी तो संस्कृति इतनी उदार और महान है कि जो व्यक्ति अपना घर, संसार सब छोड़ देते हैं, उसके चरणों में प्रणाम करके अपना जीवन धन्य मानती है। यह हमारी संस्कृति है जो संग्रह करने में विश्वास नहीं करती, अपितु अपनी वस्तु दूसरों को देकर सुख महसूस करती है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में आने वाले वर्षों में किसानों से 2700 रुपये प्रति क्विंटल की दर से गेहूं की खरीदी होगी। वर्तमान में 2600 रुपये प्रति क्विंटल की दर से गेहूं की खरीदी हो रही है। उन्होंने कहा कि सरकार का उद्देश्य किसानों को सिंचाई के संसाधन उपलब्ध कराना है, ताकि वे समृद्धशाली बनें। किसानों के लिए 05 रुपये में बिजली का कनेक्शन देने का निर्णय लिया गया है। शाजापुर जिले में नदी जोड़ो अभियान के तहत पार्वती-कालीसिंध-चम्बल परियोजना से किसान लाभांवित होंगे। उन्होंने कहा कि क्षेत्र के किसानों को एक-एक खेत को पानी उपलब्ध कराने की दिशा में सरकार आगे बढ़ रही है। किसानों को सोलर पंप लगाने के लिए 5 लाख रुपये लगते हैं, सरकार 10 प्रतिशत की राशि में यानी की 50 हजार रुपये में सोलर पंप देगी, इससे किसानों को बिजली के बिल से मुक्ति मिलेगी।

(स्रोत : समाचार एवं फोटो जनसंपर्क विभाग, मध्यप्रदेश से साभार)

कूनों में पांच नन्हें मेहमानों का आगमन

श्योपुर, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने राष्ट्रीय उद्यान कूनो में नए मेहमानों के आगमन पर प्रदेशवासियों को बधाई दी है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश के चीता परिवार में पुनः वृद्धि हुई है। कूनों में पांच नन्हें मेहमानों का आगमन हमारे बीच हुआ है, जो चीता प्रोजेक्ट की सफलता का प्रतीक है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि यह वन विभाग की टीम के सकारात्मक प्रयासों का परिणाम है। उन्होंने कहा कि जितने चीते अफ्रीका से लाए गए थे, उससे ज्यादा चीतों का जन्म मध्यप्रदेश में हो चुका है। यह चीता प्रोजेक्ट के सफल क्रियान्वयन को दर्शाता है, हम निरंतर इस दिशा में आगे बढ़ रहे हैं।

इंदौर में 20 मई को होगी मंत्रिपरिषद की बैठक

भोपाल, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि लोकमाता देवी अहिल्या बाई होलकर की स्मृति में 20 मई को मंत्रिपरिषद की बैठक इंदौर के राजवाड़ा में होगी। इसमें होलकर साम्राज्य की स्थापना करने वाले महाराज मल्हार राव होलकर का भी स्मरण किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने बताया कि देवी अहिल्या बाई होलकर के 300वें जन्म जयंती वर्ष का समापन 20 मई को हो रहा है। यह सुखद संयोग है कि 20 मई को ही लोकमाता देवी अहिल्याबाई होलकर विवाह वर्षगांठ भी होती है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मंत्रिपरिषद की अगली बैठक में जिला विकास सलाहकार समिति का प्रस्ताव लाने का प्रयास किया जा रहा है।

शासकीय सेवकों एवं पेंशनरों तथा परिवार पेंशनरों को देय महंगाई भत्ता और महंगाई राहत में वृद्धि किये जाने का निर्णय

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में मंत्रालय में मंत्रिपरिषद की बैठक सम्पन्न हुई

भोपाल, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में मंत्रिपरिषद की बैठक में भोपाल स्थित मंत्रालय में सम्पन्न हुई। मंत्रिपरिषद द्वारा राज्य शासन के शासकीय सेवकों एवं पेंशनरों/परिवार पेशनरों को देय महंगाई भत्ते एवं महंगाई राहत की दर में वृद्धि किये जाने का निर्णय लिया गया है। महंगाई भत्ता एवं महंगाई राहत की स्वीकृति के फलस्वरूप एरियर राशि सहित राज्य शासन पर कुल व्यय भार 3500 करोड़ रुपये अनुमानित है।

मंत्रिपरिषद की बैठक राज्य शासन के सातवें वेतनमान प्राप्त कर रहे शासकीय सेवकों को 1 जुलाई, 2024 से 3 प्रतिशत की वृद्धि करते हुये कुल 53 प्रतिशत एवं 1 जनवरी, 2025 से 2 प्रतिशत की वृद्धि करते हुये कुल 55 प्रतिशत के मान से महंगाई भत्ता में वृद्धि किये जाने का निर्णय लिया गया है। छठवें वेतनमान के कार्मिकों एवं निगम/मंडल/उपक्रम के राज्य शासन में प्रतिनियुक्ति पर राज्य शासन में कार्यरत पांचवें एवं चौथे वेतनमान अंतर्गत कार्मिकों को समानुपातिक आधार पर महंगाई भत्ता में वृद्धि के लिए वित्त विभाग को अधिकृत किया गया।

बैठक में बताया गया कि 1 जुलाई, 2024 से 30 अप्रैल, 2025 तक की एरियर राशि का भुगतान जून 2025 से अक्टूबर 2025 तक पांच किश्तों में किया जाएगा। प्रथम किश्त भुगतान माह जून, 2025, द्वितीय किश्त भुगतान माह जुलाई, 2025, तृतीय किश्त भुगतान माह अगस्त, 2025, चतुर्थ किश्त भुगतान माह सितम्बर, 2025, पांचवी किश्त भुगतान माह अक्टूबर, 2025 में किया जायेगा।

1 जनवरी, 2024 से 30 सितम्बर, 2024 की अवधि में सेवानिवृत्त/मृत शासकीय सेवकों के संबंध में उन्हें/नामांकित सदस्य को एरियर राशि का भुगतान एकमुश्त किये जाने का निर्णय लिया गया। राज्य शासन के पेंशनर्स/परिवार पेंशनर्स को दिनाक 1 मार्च 2025 से सातवें वेतनमान अंतर्गत 53 प्रतिशत एवं छठवें वेतनमान अंतर्गत 246 प्रतिशत पेंशन राहत स्वीकृत करते हुये छत्तीसगढ़ शासन के पत्र दिनांक 12 मार्च 2025 पर सहमति प्रदान करने का निर्णय लिया गया।

मंत्रिपरिषद द्वारा मध्यप्रदेश एवं उत्तरप्रदेश की बिजली मांग की अवधि एक दूसरे की पूरक होने के कारण मध्यप्रदेश एवं उत्तर प्रदेश में पूरक आधार पर विद्युत प्रदाय के लिए मध्यप्रदेश में 2000 मेगावॉट सौर पार्क तथा 1000 मेगावॉट कंपोजिट ऊर्जा भंडारण परियोजना स्थापित किए जाने की स्वीकृति प्रदान की गयी है। इस परियोजना से दोनों राज्यों को पृथक-पृथक छः महीनों के लिए बिजली उपलब्ध होगी।

स्थानांतरण नीति वर्ष 2025 की स्वीकृति

मंत्रिपरिषद द्वारा राज्य एवं जिला स्तर पर अधिकारियों, कर्मचारियों की स्थानांतरण नीति वर्ष 2025 की स्वीकृति दी गयी है। इस नीति में 1 मई 2025 से 30 मई 2025 तक की अवधि के लिए स्थानांतरण पर प्रतिबंध शिथिल किया गया है। पद/संवर्ग की संख्या 200 तक 20 प्रतिशत, 201 से 1000 तक 15 प्रतिशत, 1001 से 2000 तक 10 प्रतिशत, 2001 से अधिक 5 प्रतिशत के आधार पर स्थानांतरण किये जायेंगे। ई-ऑफिस के माध्यम से स्थानांतरण होंगे। इसके लिए विभाग अपने स्तर पर भी नीति बना सकता है।

कृषि क्षेत्र में होने वाली विद्युत खपत, मध्यप्रदेश की विद्युत खपत का लगभग 41 प्रतिशत भाग है। नवकरणीय विद्युत उत्पादन परियोजनाओं का संचालन कृषि क्षेत्र में होने वाली विद्युत मांग के अनुरूप किया जाना चाहिए। कृषि क्षेत्र में मध्यप्रदेश और उत्तर प्रदेश की विद्युत आवश्यकताएं एक दूसरे की पूरक हैं, अर्थात जिस अवधि में उत्तरप्रदेश को विद्युत आवश्यकता अधिक होती है (खरीफ माहों), उस अवधि में मध्यप्रदेश की विद्युत मांग कम होती है। इसके विपरीत जिस अवधि में मध्यप्रदेश को विद्युत आवश्यकता अधिक होती है (रबी माहों), उत्तरप्रदेश की विद्युत मांग कम होती है। मंत्रिपरिषद द्वारा राज्य शासन के 1 जनवरी 2005 को या उसके बाद नियुक्त शासकीय कर्मचारियों के लिए एकीकृत पेंशन योजना (यू.पी.एस.) लागू करने के संबंध में एक समिति का गठन किया गया है।

(स्रोत : समाचार एवं फोटो जनसंपर्क विभाग, मध्यप्रदेश से साभार)

फैक्ट फाइल

नई उद्योग नीतियों से रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव और अंतर्राष्ट्रीय सेक्टर में निवेश के नए कीर्तिमान प्राप्त

टेक ग्रोथ कॉन्क्लेव की सफलता से डिजिटल हब बनने की दिशा में अग्रसर मध्यप्रदेश

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के डिजिटल इंडिया के स्वप्न को पूर्ण करने के लिए मध्यप्रदेश में प्रभावी कार्य किये गये हैं। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश डिजिटल स्टेट बनने की दिशा में अग्रसर है। प्रदेश में नई उद्योग नीतियों के निर्माण के साथ रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव और देश के महानगर सहित यूके, जर्मनी और जापान में उद्योगपतियों को आमंत्रित किया गया। इससे आईटी सेक्टर में निवेश के नए कीर्तिमान प्राप्त हुए हैं। विगत दिनों इंदौर में एमपी टेक ग्रोथ कॉन्क्लेव 25 का आयोजन किया गया। इसमें दुनियाभर की टेक हस्तियां शामिल हुईं। इस कॉन्क्लेव में प्रदेश को 20 हजार करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए। इससे 75 हजार रोज़गार सृजित होंगे।

नई पहल

कंट्रोल - (Ctrls) डेटा सेंटर के लिये के तहत 5 एकड़ भूमि आवंटित हुई है। इनके द्वारा भोपाल के बड़वई आईटी पार्क में 12 मेगावाइट के डाटा सेंटर का निर्माण किया जाएगा। इस प्रोजेक्ट में अनुमानित निवेश लगभग 500 करोड़ रुपये है, जिससे प्रत्यक्ष 200 से अधिक लोगों को रोज़गार प्राप्त होगा।

पंचशील इंफ्रा डेवलपर्स - सीसीआईपी के तहत 10 एकड़ भूमि आवंटित की गई है। इनके द्वारा इंदौर के सुपर कॉरिडोर में आईटी बिल्डिंग का निर्माण किया जाएगा, जिसका निर्मित क्षेत्रफल लगभग 20 लाख वर्ग फुट होगा। इस प्रोजेक्ट में अनुमानित निवेश लगभग 1000 करोड़ रुपये है, जिससे प्रत्यक्ष रूप से 15000 से अधिक लोगों को रोज़गार प्राप्त होगा।

दृष्टि आईआईटीआई इनक्यूबेशन सेंटर - सिन्हासा आईटी पार्क, इंदौर में 10,248 वर्ग फुट में 120 सीटर स्टार्ट-अप स्पेस का निर्माण किया जाएगा, जो प्रदेश के स्टार्ट-अप्स को नई ऊंचाइयों पर पहुँचाने का कार्य करेगा। इस प्रोजेक्ट में अनुमानित निवेश लगभग 7 करोड़ रुपये है जो लगभग 120 स्टार्ट-अप्स कंपनियों के लिए पर्याप्त होगा।

नीति दिशा-निर्देश और प्रोत्साहन पोर्टल

निवेशकों को एकीकृत सुविधा देने हेतु प्रोत्साहन पोर्टल लॉन्च किया गया। इसके अंतर्गत एमपी जीसीसी नीति-2025, एमपी सेमीकंडक्टर नीति-2025, एमपी एवीजीसी-एक्सआर नीति-2025 और एमपी ड्रोन प्रोत्साहन और उपयोग नीति-2025 के लिए दिशा-निर्देश जारी किए गये हैं।

निवेश पोर्टल - MPSEDC का "IT Investment Portal" मध्यप्रदेश के निवेशकों के लिए एक एकीकृत ऑनलाइन प्लेटफॉर्म है। पोर्टल डिजिटल इंडिया पहल अंतर्गत लॉन्च किया गया था। यह वर्ष 2023 की आईटी निवेश प्रोत्साहन नीति के तहत प्रोत्साहन प्रदान करता है।

अनुकंपा नियुक्ति पोर्टल - इस पोर्टल के माध्यम से शासकीय विभाग में कार्यरत कर्मचारियों की मृत्यु के बाद परिवार के सदस्य को अनुकंपा नियुक्ति का प्रावधान है, इसके लिए पोर्टल से अब ऑनलाइन आवेदन किया जा सकता है।

मध्यप्रदेश प्रशासनिक इकाई पुनर्गठन आयोग पोर्टल - पोर्टल से प्रदेश की भौगोलिक परिस्थितियों एवं जन अपेक्षाओं के आधार पर और अधिक जनोन्मुखी एवं सुलभ प्रशासन उपलब्ध कराने के उद्देश्य से वर्तमान संभाग, जिला, तहसील एवं जनपद, विकास खण्ड प्रशासनिक इकाइयों के पुनर्गठन के संबंध में अनुशंसाएँ करने सहित अन्य कार्य हो सकेंगे।

एचआरएमएस मोबाइल ऐप - मोबाइल ऐप से मध्यप्रदेश के शासकीय विभागों में कार्यरत कर्मचारियों की नियुक्ति से लेकर सेवानिवृत्ति तक की गतिविधियों को देखा जा सकेगा।

- शशांक मणि पांडे

(लेखक, सम-सामयिक विषयों पर लेखन करते हैं)

स्टेसी साइट

बोइंग इंडिया की उपाध्यक्ष और प्रबंध निदेशक नियुक्त

वैश्विक एयरोस्पेस और रक्षा क्षेत्र की दिग्गज कंपनी

बोइंग ने स्टेसी साइट को बोइंग इंडिया इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी सेंटर की नई उपाध्यक्ष और प्रबंध निदेशक नियुक्त किया है। इसके साथ ही वह बोइंग इंडिया की चीफ इंजीनियर की भूमिका भी निभाएंगी। स्टेसी साइट बोइंग की अनुभवी अधिकारी हैं। जिनके पास विमानन क्षेत्र में 28 वर्षों का व्यापक अनुभव है। उन्होंने यह पद अहमद एलशेरबिनी से संभाला है। स्टेसी ने अपने कॅरियर में 787, 767 और 777 जैसे प्रमुख विमान कार्यक्रमों पर काम किया है।

एलिसा पेरालेस

कम उम्र में साइंस और मैथ्स में किया ग्रेजुएशन

क्राफ्टन हिल्स कॉलेज अपनी सबसे कम उम्र की छात्रा

को ग्रेजुएशन स्टेज पर चलते हुए देखने वाला है। एलिसा पेरालेस सिर्फ 10 साल की उम्र में दो एसोसिएट डिग्री के साथ सबसे कम उम्र की ग्रेजुएट बनने वाली हैं। यह छात्रा विज्ञान और गणित में डिग्री हासिल करेगी। वह 4.0 के करीब जीपीए के साथ यह उपलब्धि प्राप्त करने वाली सबसे कम उम्र की छात्रा है। एलिसा ने घर पर ही 1 साल की उम्र में पढ़ाई शुरू कर दी थी। पांच साल की उम्र में जब बच्चे गिनती और अल्फाबेट सीख रहे होते हैं एलिसा किताबें पढ़ रही थी और मैथ्स में एल्जेब्रा कर रही थी।

कैरोलिन स्जेपनियाक

लगातार 2 दिन तक तैराकी करके बनाया विश्व रिकॉर्ड

पोलैंड की महिला कैरोलिन स्जेपनियाक ने 82 फीट के

स्विमिंग पूल के दोनों किनारों के बीच आगे-पीछे 48 घंटों यानी 2 दिन तक लगातार तैराकी करके अपना नाम गिनीज बुक में दर्ज करवा लिया है। इस रिकॉर्ड को बनाने के दौरान वह स्विमिंग पूल से एक बार भी बाहर नहीं निकलीं। कैरोलिन का कहना है कि इस रिकॉर्ड को बनाना मुश्किल था, लेकिन गहन प्रशिक्षण से कामयाबी हासिल कर ही ली।

ब्राजील में

11 करोड़ वर्ष पुराना चींटी का जीवाश्म मिला

ब्राजील में 11 करोड़ साल से अधिक पुरानी चींटी का

जीवाश्म मिला है। यह अब तक की सबसे पुरानी चींटी होने का प्रमाण है। यह प्रजाति हेल आंट थी, जो डायनासोरों के दौर में रहती थी। इस चींटी को वुल्कानिड्रिस क्रैटेन्सिस नाम दिया गया है। इसके जबड़े नुकीले होते थे, जिनसे यह शिकार पकड़ती थी। इस जीवाश्म की खोज वैज्ञानिक एंडरसन लेपेको ने की है। यह चींटी चट्टान में संरक्षित मिली जो दुर्लभ है।

कंपनी एयर डैनसिन

भूकंप से सुरक्षित रखने के लिए विकसित की नई तकनीक

जापानी कंपनी एयर डैनसिन ने एक ऐसी टेक्नोलॉजी

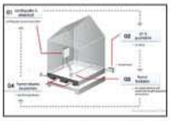

डेवलप की है जिसकी मदद से भूकंप आने पर घरों को सुरक्षित रखा जा सके। इस तकनीक में घरों के नीचे एयर बलून्स सस्पेंशन का एक खास सिस्टम लगाया जाता है, जो भूकंप आने पर तुरंत फूटकर घर को जमीन के ऊपर उठा देते हैं। कंपनी द्वारा शेयर जानकारी के मुताबिक भूकंप की स्थिति में इमारत जमीन से करीब 3 सेंटीमीटर की ऊंचाई पर पहुंच जाती हैं।

अमेरिका में

वैज्ञानिकों ने खोजा ओलो नाम का रंग

अमेरिकी वैज्ञानिकों का दावा है कि उन्होंने ऐसा रंग

खोजा है, जिसे इंसान ने पहले कभी नहीं देखा। अमेरिका की यूनिवर्सिटी ऑफ कैलिफोर्निया बर्कले के वैज्ञानिकों ने यह रंग एक खास लेजर तकनीक से देखा। इस प्रयोग में उन्होंने आंख की रेटिना की कोशिकाओं को सीधे लेजर से उत्तेजित किया। इससे मस्तिष्क ने एक ऐसा रंग महसूस किया, जो सामान्य रोशनी में संभव नहीं है। इस रंग को 'ओलो' नाम दिया गया है। इसे देखने वाले पांच लोगों ने इसे नीला-हरा जैसा बताया, लेकिन वैज्ञानिकों का कहना है कि यह सामान्य नीला-हरा नहीं है, बल्कि उससे कहीं ज्यादा गहराई और चमक वाला है।

प्रियंका चोपड़ा को

ग्लोबल वैंगार्ड अवॉर्ड मिलेगा

भारतीय अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा जोनस को लॉस

एंजेलिस के डाउनटाउन म्यूजिक सेंटर में आयेजित होने वाले गोल्ड हाउस के चौथे वार्षिक 'गोल्ड गाला' में 'ग्लोबल वैंगार्ड अवॉर्ड' से सम्मानित किया जाएगा। प्रियंका चोपड़ा को यह सम्मान उनकी 25 साल लंबी शानदार और बेमिसाल फिल्मी यात्रा के लिए दिया जा रहा है, जिसमें उन्होंने एशियाई पैसिफिक और वेस्टर्न कल्चर के बीच एक मजबूत पुल का काम किया है। हिन्दी सिनेमा से लेकर हॉलीवुड की फिल्मों 'द मैट्रिक्स रिसरेक्शन्स (2021) और लव अगेन (2023)' तक उन्होंने अपनी बहुपक्षीय प्रतिभा से दुनियाभर में पहचान बनाई है।

इतिहासकार अलका पांडे

फ्रांसीसी पुरस्कार से सम्मानित

फ्रांसीसी राजदूत थेरी मथौ ने कला इतिहासकार अलका

पांडे को 'ऑफिसियर डान्स ल ऑर्डे डेस आर्ट्स एट डेस लेट्रेस' (ऑफिसर ऑफ द ऑर्डर ऑफ आर्ट्स एंड लेटर्स) का प्रतीक चिह्न प्रदान किया। दूतावास ने एक बयान में कहा कि यह सम्मान पांडे की कला के क्षेत्र में उत्कृष्ट उपलब्धियों, भारत की समृद्ध कला विरासत की महान विविधता को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रदर्शित करने के लिए उनकी आजीवन प्रतिबद्धता तथा फ्रांस और भारत के बीच सांस्कृतिक संबंधों में उनके दीर्घकालिक योगदान को मान्यता देता है। मथौ ने कहा कि उन्हें अलका को 'ऑफिसियर डान्स ल ऑर्डे डेस आर्ट्स एट डेस लेट्रेस' प्रदान करते हुए खुशी हो रही है। उन्होंने कहा 'अपने काम के माध्यम से अलका पांडे ने न केवल भारत की सांस्कृतिक विरासत के बारे में हमारी समझ को गहरा किया है, बल्कि फ्रांस और भारत के बीच सांस्कृतिक संवाद में भी महत्वपूर्ण योगदान दिया है, जिससे हमारे संबंध मजबूत हुए हैं और हमारा सांस्कृतिक परिदृश्य समृद्ध हुआ है।'

चीन में

रोबोट के साथ हुई मैराथन में इंसान की जीत हुई

चीन में पहली बार रोबोट को इंसानों के साथ हाफ मैराथन

में दौड़ाया गया। 21 किलोमीटर की इस मैराथन में हजारों लोगों के बीच 21 रोबोट को शामिल किया। इसमें इंसान की ही जीत हुई। रेस के दौरान कुछ रोबोट गिर भी गए थे। रोबोट के साथ उनके इंसानी ट्रेनर भी रेस में शामिल थे, वे कई बार उन्हें सहारा भी दे रहे थे। रेस के दौरान कुछ रोबोट ने रनिंग शूज भी पहने थे। इस अनोखी दौड़ में सबसे आगे रहा तियांगोंग अल्ट्रा नाम का रोबोट, जिसे बीजिंग इनोवेशन सेंटर ऑफ ह्यूमन रोबोटिक्स ने बनाया है। इसने 2 घंटे 40 मिनट में रेस पूरी की।

कुमार मंगलम बिड़ला

लता दीनानाथ मंगेशकर पुरस्कार से सम्मानित

कुमार मंगलम बिड़ला को भारत के विकास में उनके

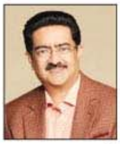

योगदान के लिए लता दीनानाथ मंगेशकर पुरस्कार से सम्मानित किया गया। बिड़ला ने इस सम्मान को लता मंगेशकर के नाम से जुड़ा होने के कारण गर्व का विषय बताया और कहा कि यह भारत का समय है। ज्ञात रहे कि इससे पहले यह पुरस्कार प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी, गायिका आशा भोसले और अभिनेता अमिताभ बच्चन को भी मिल चुका है। यह पुरस्कार लता मंगेशकर की याद में 2022 में शुरू किया गया था। लता दीनानाथ मंगेशकर पुरस्कार मास्टर दीनानाथ मंगेशकर स्मृति प्रतिष्ठान की ओर से दिया जाता है। यह एक सार्वजनिक चैरिटेबल ट्रस्ट है। मंगेशकर परिवार इसे 35 सालों से चला रहा है।

पायल कपाड़िया

फ्रांसीसी सम्मान से सम्मानित हुईं

लेखिका-निर्देशक पायल कपाड़िया की पहली फीचर

फिल्म 'ऑल वी इमेजिन ऐज लाइट' ने पिछले साल मई में कान्स फिल्म फेस्टिवल में ग्रैंड प्रिक्स जीता था। इस बहुचर्चित फिल्म के कान्स प्रीमियर के साथ अपनी यात्रा शुरू करने के लगभग एक साल बाद कपाड़िया को मुंबई में ऑफिसर डेस ऑर्ट्स एट डेस लेट्रेस के प्रतीक चिह्न से सम्मानित किया गया। मुंबई में फ्रांस के महावाणिज्यदूत जीन-मार्क-सेरे-चारलेट और श्रीमती एकातेरिना बर्डिना के आधिकारिक निवास पर आयोजित विशेष कार्यक्रम में कपाड़िया को सिनेमा में उनके योगदान के लिए प्रतीक चिह्न प्रदान किया गया।

कैलाश मानसरोवर यात्रा

जून से अगस्त तक चलेगी

कैलाश मानसरोवर यात्रा जून से अगस्त 2025 तक

चलेगी। विदेश मंत्रालय के मुताबिक, इस साल पांच बैच, जिनमें से प्रत्येक में 50 यात्री होंगे, उत्तराखंड से लिपुलेख दर्रे को पार करते हुए यात्रा करेंगे। ऐसे ही 10 बैच, जिनमें से प्रत्येक में 50 यात्री होंगे, सिक्किम से नाथू ला दर्रे को पार करते हुए यात्रा करेंगे। आवेदन स्वीकार करने के लिए http://kmy.gov.in वेबसाइट खोल दी गई है। यह यात्रा 5 साल बाद शुरू हो रही है। यात्रा को भारत-चीन द्वारा संबंधों को बेहतर बनाने के प्रयासों के एक हिस्से के रूप में देखा जा रहा है। ज्ञात रहे कि दोनों देशों ने पिछले साल हुए समझौते के तहत डेमचोक और देपसांग के दो तनाव वाले बिंदुओं पर सैनिकों की वापसी पूरी कर ली थी।

डॉ. मांगी लाल जाट

आईसीएआर के महानिदेशक और डेअर सचिव नियुक्त

कृषि विज्ञानी और वर्तमान में इक्रीसेट में डीडीजी

(रिसर्च) डॉ. मांगी लाल जाट को भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) का महानिदेशक एवं कृषि अनुसंधान एवं शिक्षा विभाग (डेअर) का सचिव नियुक्त किया गया है। कृषि विज्ञानी के रूप में जाट का लंबा अनुभव है। नेचुरल रिसोर्स मैनेजमेंट में उन्होंने ग्लोबल लीडर के रूप में पहचान बनाई है। आईसीएआर में वह हिमांशु पाठक की जगह लेंगे, जिन्हें हाल में ही अंतर्राष्ट्रीय फसल अनुसंधान संस्थान का महानिदेशक नियुक्त किया गया है। केंद्र ने डॉ. जाट की नियुक्ति से संबंधित अधिसूचना जारी कर दी है। उनकी नियुक्ति कार्यभार ग्रहण करने के बाद तीन वर्ष के लिए प्रभावी होगी। इसके पहले वह हैदाराबाद स्थित इंटरनेशनल क्रॉप रिसर्च इंस्टीट्यूट फॉर द सेमी एरिया ट्रापिक्स (इक्रीसेट) में डिप्टी डायरेक्टर जनरल के पद पर कार्यरत थे।

स्मृति शेष

इसरो के पूर्व अध्यक्ष के. कस्तूरीरंगन का निधन

इसरो के पूर्व अध्यक्ष के. कस्तूरीरंगन का 84 वर्ष की

उम्र में निधन हो गया। वे नई नेशनल एजुकेशन पॉलिसी को तैयार करने वाली मसौदा समिति के अध्यक्ष थे। पिछले कुछ महीने से वह उम्र सबंधी बीमारियों से पीड़ित थे। उनके अनुकरणीय कार्य के लिए उन्हें वर्ष 2000 में पद्म विभूषण से सम्मानित किया गया था। एनईपी में सूचीबद्ध शिक्षा सुधारों के प्रणेता के रूप में मशहूर कस्तूरीरंगन जवाहरलाल नेहरू विवि के कुलाधिपति और कर्नाटक नॉलेज कमीशन के अध्यक्ष भी रहे।

स्कॉटिश मूल के लेखक बिल ऐटकेन का निधन

भारतीय पहाड़ों, नदियों और रेलमार्गों पर अपने लेखन

के लिए प्रख्यात स्कॉटिश मूल के यात्रा लेखक बिल ऐटकेन का निधन हो गया। वह 90 वर्ष के थे। 1934 में स्कॉटलैंड में जन्में ऐटकेन 1950 के दशक के अंत में भारत आए और पूरे भारत की यात्रा की। उन्हें भारतीय रेलवे को लेकर गहरी दिलचस्पी थी। वे नई दिल्ली में फ्रेंड्स ऑफ द नेशनल रेल म्यूजियम के अध्यक्ष थे। उन्होंने दो दर्जन से ज्यादा यात्रा पुस्तकें लिखीं।

पूर्व ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर कीथ स्टैकपोल का निधन

ऑस्ट्रेलिया के पूर्व सलामी बल्लेबाज कीथ स्टैकपोल

का दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया। वह 84 वर्ष के थे। स्टैकपोल ने अपने अंतर्राष्ट्रीय कॅरियर की शुरुआत 1966 में इंग्लैंड के खिलाफ की थी। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के लिए 43 टेस्ट मैच खेले और 2087 रन बनाए, जिसमें 7 शतक शामिल थे। वह एक उपयोगी लेग स्पिन गेंदबाज भी थे और उन्होंने 15 विकेट अपने नाम किए। उन्होंने अपना पहला टेस्ट शतक दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ केपटाउन में लगाया था, जबकि उनके कॅरियर का सर्वश्रेष्ठ स्कोर 207 रन था, जो उन्होंने 1970 में गाबा में इंग्लैंड के खिलाफ बनाया।

(स्रोत : संपादकीय टीम द्वारा संकलित, फोटो : गूगल से साभार)

ISO:9001:2015 Certified

सीएसआईआर-राष्ट्रीय वांतरिक्ष प्रयोगशालाएं

पी बी सं.1779, एचएएल एयरपोर्ट रोड, कोडिहल्ली, बेंगलुरु – 560 017

वेबसाइट: www.nal.res.in

ऑनलाइन आवेदन प्रारंभ होने की तिथि : 16.04.2025 at 09:00 AM, भामास IST

ऑनलाइन आवेदन प्राप्त करने/जमा करने की अंतिम तिथि : 20.05.2025 at 05:00 PM, भामास IST

सीएसआईआर-राष्ट्रीय वांतरिक्ष प्रयोगशालाएँ (सीएसआईआर-एनएएल), बेंगलुरु, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर) के तत्वावधान में एक प्रमुख अनुसंधान प्रयोगशाला है, जो भारत सरकार के विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय के तहत एक स्वायत्त निकाय है। सीएसआईआर-एनएएल के पास नागरिक विमानन में एक मजबूत कार्यक्रम है जिसमें मल्टीरोल लाइट ट्रांसपोर्ट एयरक्राफ्ट (सारस) के डिजाइन और विकास की राष्ट्रीय स्तर पर महत्वपूर्ण परियोजना शामिल है।

सीएसआईआर-एनएएल नीचे दिए गए विवरण के अनुसार निम्नलिखित पदों को भरने के लिए केवल भारतीय नागरिकों से **ऑनलाइन आवेदन** आमंत्रित करता है:

विज्ञापन सं..	पद का नाम एवं पद कोड	पदों व आरक्षण की संख्या	पे मैट्रिक्स में पे लेवल, (7वें सीपीसी के अनुसार)	आयु सीमा (नियमानुसार छूट)	अनिवार्य व वांछित योग्यताएं
03/2025	क.सचिवालय सहायक (सा.) एडी-01	9 [अना-05, अपिव (एनसीएल) -01, अजा-02 व अजजा-01] उपर्युक्त पदों में से 1 पद पीडब्ल्यूबीडी (एकाधिक दिव्यांगता) के लिए आरक्षित है	पे लेवल-2 (₹ 19900-63200)	28 वर्ष	कृपया विस्तृत विज्ञापन देखें
	क.सचिवालय सहायक (भ एवं क्र) एडी-02	5 [अना-03, अपिव (एनसीएल)-01 और अजा-01] उपर्युक्त पदों में से 1 पद स्पोर्टस कोटा के लिए आरक्षित है			
	क.सचिवालय सहायक (वि एवं ले) एडी-03	7 [अना-03, अपिव (एनसीएल)-01, ईडब्ल्यूएस-01 व अजा-02] उपर्युक्त पदों में से 1 पद भू.सैनिक के लिए आरक्षित है			
	क.आशुलिपिक एडी-04	5 [अना-03, अजा-01 व अजजा-01]	**पे लेवल** - 4 (₹25500-₹81100)	27 वर्ष	
07/2025	क.हिंदी अनुवादक कहिंअ	1 (अना)	पे लेवल-6 (₹35,400-1,12,400/-)	30 वर्ष	
	हिंदी अधिकारी हिंअ	1 (अना)	पे लेवल-10 (₹56,100-1,77,500/-)	35 वर्ष	

NOTE: अधिक जानकारी, शर्तें व नियम और अनुदेशों के लिए कृपया हमारी वेबसाइट https://www.nal.res.in देखें।

ह/-
व. प्रशासन नियंत्रक

MADHYA PRADESH RURAL ROAD DEVELOPMENT AUTHORITY

(AN AGENCY OF PANCHAYAT & RURAL DEVELOPMENT DEPARTMENT, GOVT. OF M.P.)
3rd Floor, Vikas Bhawan, Arera Hills, Bhopal (M.P.)
(GST No. 23AAATM9054A3ZX)

NOTICE INVITING TENDER FOR SQC CONSULTANCY (E-Procurement Notice)

No. 5167/22/D-12/SQC/MPRRDA/2025 Bhopal, Dated : 29.04.2025

Online bids are invited from the consultants fulfilling the required qualification criteria for Supervision and Quality Control Consultancy of Rural Roads being constructed under PMGSY & Other Works for the following districts.

- No. of Packages –15

Name of Districts/PIU – Chhatarpur, Gwalior, Indore, Khandwa, Katni, Panna, Raisen, Ujjain, Umaria, Waidhan, Waidhan, Chhindwara-2, Chhindwara-2, Sheopur & Shivpuri.

- Cost of Bid Document, Bid Security (EMD) and service charges as appearing on e-procurement portal are to be paid simultaneously through Debit Card/Credit Card/ Internet Banking or system generated challan. For detailed procedure of online payment of EMD and submission of affidavit please refer condition number 2 of detailed NIT.

1. RFP document may be seen, downloaded and purchased from our e-procurement website **https://mptenders.gov.in** from 17:30 hrs. on **01.05.2025.**
2. Last date of Submission of bid is **date 23.05.2025 upto 15.00 hrs.**

Other details & conditions may be seen in the detailed NIT, Tender document for SQC of Roads and Bridge works August, 2020 (Updated upto 28.06.2021) on our Website **http://mptenders.gov.in.**

CHIEF GENERAL MANAGER

M.P. Madhyam/119879/2025 **(Tender)**

"मेरी सड़क" ऐप डाउनलोड कर, फीडबैक देकर राष्ट्र के विकास में सहयोग दें।

R-50897/2025

मध्यप्रदेश पुलिस आवास एवं अधोसंरचना विकास निगम

कार्यालय परियोजना यंत्री, संभाग क्र.-1, भदभदा रोड, भोपाल

क्र./616/तशा/प.यं./2025 दिनांक : 02.05.2025

प्रेस विज्ञप्ति

इस कार्यालय द्वारा पं. खुशीलाल शर्मा, शासकीय (स्वशासी) आयुर्वेद महाविद्यालय एवं संस्थान, भोपाल अन्तर्गत इन्डोर स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स निर्माण कार्य एवं 23वीं वाहिनी भोपाल में 60 जवानों की क्षमता की बैरिक निर्माण कार्य हेतु ऑनलाइन निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा क्रमांक 2025_MPPHC_420843_1, 2025_MPPHC_420844_1 **दिनांक 19.05.2025 समय अपरान्ह 17:00 बजे तक** खरीदे जा सकते हैं। विस्तृत निविदा सूचना एवं अन्य विवरण **Portal : www.mptenders.gov.in** पर देखे जा सकते हैं।

म.प्र. माध्यम/119896/2025 R-50899/2025 **परियोजना यंत्री**

MPIDC M.P. INDUSTRIAL DEVELOPMENT CORPORATION LIMITED

(Government of Madhya Pradesh Undertaking)
SECRETARIAT FOR SINGLE WINDOW SYSTEM
CIN: U51102MP 1977SGC001392, 21, Arera Hills, Bhopal-462011 M.P. (India), Tel. : (91) 755-2571830, 2575618, 3523555, 3523505, E-mail: helpdesk@mpidc.co.in, Website: www.invest.mp.gov.in
MPIDC/8/1/0004/2025-IFC-IDCL(BPL)/5765/ I/250562/2025 Date : 02.05.2025

EXPRESSION OF INTEREST

M.P. Industrial Development Corporation Ltd. (MPIDC Ltd.) invites offers from interested consultants with proven capabilities and demonstrated performance to express their interest to participate in the competitive bidding of NIT No. MPIDC/IFC-RFP/2024/05-01 for "Request for Proposal for Appointment of an agency for Investment Grounding and Foreign Direct Investment (FDI) attraction in Madhya Pradesh". The Tender documents can be downloaded from 7th May 2025 onwards from the e-procurement Portal- https://mptenders.gov.in - MPIDC HO.

M.P. Madhyam/119900/2025 **EXECUTIVE DIRECTOR**

R-50900/2025

बरकतउल्ला विश्वविद्यालय

होशंगाबाद रोड, भोपाल (म.प्र.) 462026

विज्ञापन क्रमांक : 526/प्रशासन/नियुक्ति/2025 भोपाल, दि. : 01.05.2025

शैक्षणिक पदों पर नियुक्ति

बरकतउल्ला विश्वविद्यालय, भोपाल (मध्यप्रदेश) के शैक्षणिक विभागों में विभिन्न विषयों के शैक्षणिक संवर्ग (सहायक प्राध्यापक) के रिक्त पदों पर सीधी भर्ती के माध्यम से नियुक्ति हेतु विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (UGC) द्वारा निर्धारित अर्हताधारी अभ्यर्थियों से आवेदन पत्र आमंत्रित किए जाते हैं। रिक्त पदों का संक्षिप्त विवरण निम्नानुसार है :-

1. शैक्षणिक संवर्ग -

(i) सहायक प्राध्यापक-31 पद (बायोकेमिस्ट्री-01, बायोसाइंस-03, बायोटेक्नोलाजी-02, बुद्दिस्थ-01, कामर्स-01, सतत् शिक्षा-01, इलेक्ट्रानिक्स-01, जेनेटिक्स-01, जियोलॉजी-02, विधि-02, लिम्नोलॉजी-02, मेनेजमेंट-03, माइक्रोबायोलॉजी-02, भौतिक-02, प्राकृत-01, मनोविज्ञान- 02, आर.पी.ई.जी.-01, संस्कृत- 01, समाजशास्त्र-02)

रिक्त पदों का विस्तृत विवरण/आवेदन प्रपत्र/सामान्य नियम एवं शर्तें आदि विश्वविद्यालय की वेबसाइट www.bubhopal.ac.in पर उपलब्ध है।

म.प्र. माध्यम/119887/2025 R-50903/2025 **कुलसचिव**

मध्यप्रदेश पुलिस आवास एवं अधोसंरचना विकास निगम

कार्यालय परियोजना यंत्री, भदभदा रोड
संभाग क्रमांक-02 भोपाल, Mobile No. : 9425601534
ई-मेल : bhopaldivision2@gmail.com
क्र.- मप्रपुआअविनि/367/पयं/भोपाल-02/तशा/2025
भोपाल, दिनांक 02.05.2025

प्रेस विज्ञप्ति

पीटीआरआई मुख्यालय भोपाल में उप पुलिस महानिरीक्षक कक्ष, सहायक पुलिस महानिरीक्षक-01 कक्ष, सहायक पुलिस महानिरीक्षक-02 कक्ष में रेनोवेशन का कार्य एवं महिला छात्रावास का मरम्मत कार्य जिला-भोपाल हेतु निविदा क्रमांक-05/2025-26 (ऑनलाइन निविदा क्रमांक-MPPHCL/TENDER No. - 2025_MPPHC_420651_1) आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र **दिनांक 09.05.2025 समय 5.00 बजे तक** ऑनलाइन से खरीदे जा सकते हैं। विस्तृत निविदा सूचना एवं अन्य विवरण **Portal : https://mptenders.gov.in** पर देखे जा सकते हैं।

म.प्र. माध्यम/119881/2025 R-50898/2025 **परियोजना यंत्री**

MPIDC M.P. INDUSTRIAL DEVELOPMENT CORPORATION LIMITED

(A Government of M.P. Undertaking)
REGIONAL OFFICE, BHOPAL (M.P.)
Tawa Complex, Bittan Market, E-5, Arera Colony, Bhopal, Phone: (O) +91-755-2420301-2-3
Date : 02.05.2025

NOTICE INVITING TENDERS FOR YEAR - 2025-26 - 01

Online Tenders for the following works are invited on the E-procurement System portal **mptenders.gov.in** :- as detailed below :-

Tender ID	Subject	PAC Amount	EMD	Tender Fees (I/C 18% GST)
2025_ MIDCL_420947	Development of Green Belt at Bagroda Dist. Bhopal (M.P)	24576338.00	245763.00	17700.00
2025_ MIDCL_420976	B.T. Road Work, Drain, Culvert and street light work at Industrial Area Acharpura Dist. Bhopal (M.P)	13562457.00	135625.00	14750.00

Detailed NIT along with other details can be downloaded/viewed on above mentioned portal after 03.05.2025 10:30 Hrs.

M.P. Madhyam/119903/2025 R-50901/2025 **EXECUTIVE ENGINEER**

अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय, रीवा (म.प्र.)

(NAAC द्वारा मान्यता प्राप्त 'B++' ग्रेड विश्वविद्यालय)

शैक्षणिक सत्र 2024-2025 हेतु Ph.D. कार्यक्रम की प्रवेश सूचना

UGC रेगुलेशन-2022 एवं दिनांक 27-28 मार्च 2024 को जारी UGC परिपत्र के अनुसार शैक्षणिक सत्र 2024-25 के लिए Ph.D. कार्यक्रम में प्रवेश हेतु आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं।

संबंधित विषय में न्यूनतम 55% अंकों के साथ स्नातकोत्तर उपाधि धारक अभ्यर्थी आवेदन हेतु पात्र हैं। आरक्षण संबंधी अर्हताओं के लिए अंकों में छूट UGC नियमों के अनुसार लागू होगी।

पात्रता, शुल्क पाठ्यक्रम, प्रवेश परीक्षा से छूट आदि से संबंधित विस्तृत जानकारी हेतु विश्वविद्यालय की वेबसाइट देखें **https://apsurewa.ac.in**

आवेदन की अंतिम तिथि : 25 मई 2025

आर-50907/2025 **कुलसचिव**

संत शिरोमणि रविदास ग्लोबल स्किल्स पार्क
तकनीकी शिक्षा, कौशल विकास एवं रोज़गार विभाग
भोपाल मध्यप्रदेश शासन के अधीन

Hazrat Nizamuddin Colony Road, Narela Shankari, Bhopal
Madhya Pradesh, Pin Code - 462022
Web : http://globalskillspark.in, Email : roma.bajpai@mp.gov.in

CANCELLATION OF ADVERTISEMENT

This is to inform that due to administrative reasons, the process for recuritment to the following advertisement of Sant Shiromani Ravidas Global Skills Park, Bhopal, is hereby cancelled -

- Advertisement (Advt. No. G15578/24) dated 01.09.2025 for various technical and non-technical positions with the last date as 15.09.2024

Director Administration & Finance
SSR Global Skills Park, Bhopal
Government of Madhya Pradesh

G-12294/50905/2025

आवश्यकता

सेवासदन शिक्षा महाविद्यालय, बुरहानपुर (बी.एड.)

स्टेशन रोड शनवारा, बुरहानपुर (म.प्र.) 450331
Email - sssmburhanpur@gmail.com

एन.सी.टी.ई. एवं मध्यप्रदेश उच्च शिक्षा विभाग से मान्यता प्राप्त एवं क्रांतिसूर्य टंट्या भील विश्वविद्यालय, खरगोन (म.प्र.) से सम्बद्धता प्राप्त

बी.एड. द्विवर्षीय पाठ्यक्रम में अध्यापन हेतु निम्न पदों पर आवेदन पत्र आमंत्रित है। विश्वविद्यालय परिनियम कॉलेज कोड-28 के अन्तर्गत नियुक्ति हेतु

क्र.	पद संख्या	शैक्षणिक योग्यता	पद संख्या
1.	संकाय पद (शिक्षा के परिपेक्ष्य में)	संबंधित विषय में स्नातकोत्तर में 55 प्रतिशत एवं एम.एड. 55 प्रतिशत, (नेट/पीएच.डी. वांछनीय)	04
2.	संकाय पद (जीव विज्ञान, गणित, भौतिकी, रसायन, अंग्रेजी, हिन्दी, संस्कृत)	संबंधित विषय में स्नातकोत्तर में 55 प्रतिशत एवं एम.एड. 55 प्रतिशत (नेट/पीएच.डी. वांछनीय)	06
3.	आर्ट्स एवं क्रॉफ्ट शिक्षक	55 प्रतिशत स्नातकोत्तर एम.एफ.ए.	01

नोट -
1. आवेदक अपने समस्त योग्यता संबंधी प्रमाण पत्रों की सत्यापित छायाप्रतियां पूर्ण बायोडाटा, वर्तमान का पासपोर्ट छायाचित्र एवं आधार कार्ड, पेनकार्ड की छायाप्रति **विज्ञापन के प्रकाशित दिनांक से आवेदन 15 दिवस में** उपस्थित होकर अथवा डाक द्वारा जमा करें।
2. अधिक जानकारी के लिए कार्यालय से सम्पर्क करें।

सचिव
आर-50888/2025 सेवासदन शिक्षा समिति, बुरहानपुर (म.प्र.)

Rewa Gurjar Institute of Management Studies Sanawad (M.P.) 451115

Affiliated to KTBU Khargone and DAVV Indore

Faculty of Management for MBA/BBA

Post : Director/Principal/
Professor/Associate Professor/Assistant Professor
Non Teaching Post - Librarian, Computer Programmer
Eligibility as per AICTE Norms
Salary as per Qualification
Please Share your Resume (Within 10 Days) on:
Srg.College@gmail.com
Contact No. 8989432589
Add. : Village, Rupkeda, Khargone Road, Sanawad (M.P.)

R-50889/2025

DEVI AHILYA VISHWAVIDYALAYA, INDORE

(Accredited A+ Grade by NAAC)

ADMISSION NOTICE 2025-26

Devi Ahilya Vishwavidyalaya, Indore announces the schedule for admissions in the following Certificate, Diploma, P.G. Diploma, Undergraduate (U.G.), and Post-graduate (P.G.) programs being offered at its University Teaching Departments/Schools/Institutes/Centers for the academic session 2025-26 :

AFTER 10+2

Certificate Programs :
Three months : French/German/Spanish.
Six months : Agriculture Communication/Digital Media/Film Appreciation/Sindhi Language/ Short term Course in Embedded Systems and Internet of Things (IoT)/Sports Journalism.

Diploma Programs (One year) :
Digital Marketing/Import and Export Management/Logistics & Supply (Cargo Management)/ Interior Designing/Photography/Script writing/Sindhi Language & Literature.
Online mode - Fitness Nutrition

Diploma Programs (Two years) : Diploma in Pharmacy.

U.G. Programs :
B.A. in Yogic Science/Journalism and Mass Communication.
B. Pharm.(Lateral Entry)
B.P.E.S.* (Physical Education and Sports)
B.Sc. in (Electronics, Computer Science and Mathematics)/ Yogic Science.
B.Sc. (Hons) in Agriculture/Applied Statistics and Analytics/Mathematics/Physics.
B. Voc. in Landscape Design/Software Development/Nutrition & Dietetics/Fashion Technology/ Interior Design.

AFTER U.G.

Certificate Program (Six months) : Environmental Ethics/Knowledge Participation and Development.

One year programs after Bachelors:
P.G. Diploma : Climate Action and Sustainability/Functional Hindi Translation/PGDCA/ Yoga Therapy.
Bachelor in Journalism/Library & Information Science(BLIS).

Two year programs after Bachelors : Bachelor in Education. **

P.G. Programs (Two years) :
M.A. in Economics/English Literature/Film Studies/Functional Hindi Translation and Literature/Health Communication/Journalism and Mass Communication/Sanskrit Jyotish/Sindhi/Sports Psychology/Tribal Studies/Yoga.
M.Com. in Accounting and Financial Control/Bank Management.
Master of Education/Physical Education.**
M.B.A.(Executive), Master of Library & Information Science (After BLIS) (One year).
M.Sc. in Applied Mathematics/Biochemistry/Bioinformatics/Biotechnology/Chemistry/ Computer Science/Data Science and Analytics/Data Science for Logistics/Electronics and Communication/Genetic Engineering/Information Technology/Industrial Microbiology/Life Sciences/Mathematics/Physics/Physics-Material Science/Statistics/ Yoga.
M. Voc. in Nutrition & Dietetics/ Fashion Technology.
MBA/MCA (Open and Distance Learning).

The application form for above non-technical programs is Rs. 750/-(Rs. 400 for SC/ST candidates of M.P. domicile, excluding MBA Executive) per program.

TECHNICAL P.G. PROGRAMS

M.Tech. (Full time, Two years)/(Part time, Three years) :
M.Tech. in Computer Engg.(Spl. in Software Engg)/ Electronics (Spl. in Digital Communication)/ Electronics (Spl. in Digital Instrumentation)/ Industrial Engg. & Management/ Information Technology (Spl. in Information Security)/ Mechanical Engg. (Spl. in Design & Thermal).

M.Tech. (Full time, Two years) :
M.Tech. in Big Data Analytics/Computer Science/Data Science/ Energy Management/ Embedded Systems/ Information Architecture & Software Engineering/ Instrumentation/ Internet of Things/ Laser Science & Applications/ Logistics and Supply Chain Management/ Micro electronics & VLSI Design/ Network Management & Information Security.

M.Tech. (Executive, Two years) :
M.Tech. in Computer Science/ Data Science/ Embedded Systems/ Energy Management/ Instrumentation.

The application form for above mentioned technical programs is Rs. 1000/-(Rs. 600 for SC/ST candidates of M.P. domicile) per program.

THE LAST DATE FOR SUBMISSION OF THE APPLICATION FORM IS 30TH MAY 2025.
(Applicants whose final year/semester result is awaited can also apply on the basis of their result of the previous year/semester).

The admission will be given purely on the basis of merit prepared by concerning department based on its own set criteria (Counselling/written exam, *Fitness and sport proficiency test as well as academic and sports achievement bonus, **Admission process for B. Ed., M.P.Ed., & M. Ed. is through M.P. Higher Education). The details of eligibility, fee structure, and dates of counseling are available on the website **www.dauniv.ac.in**. Applicants seeking admission to the above-mentioned programs must apply online through **https://davv.mponline.gov.in** and pay the application form fee there. **[For one year P.G. program, after completion of four year UG program as per NEP2020, apply directly to the Head of the Department of concerned faculty.]**

M.P. Madhyam/119863/2025 **REGISTRAR**

R-50896/2025

M.P. PLASTIC PARK DEVELOPMENT CORPORATION LTD.

MPPPDC

A subsidiary of "MP Industrial Development Corporation Ltd."
Tawa Complex, First Floor, Bittan Market, E-5, Arera Colony, Bhopal-462016, Tan : BPLM10145C
Telephone : (0) +91 7552420301-2-3, Fax : 0755-2420277, CIN No. : U74999 MP2013 SGC 030396
E-mail : mpppdc@gmail.com, Website : invest.mp.gov.in, GSTIN : 23AACM9241N1Z2

Date : 02.05.2025

NOTICE INVITING TENDERS FOR YEAR-2025-26 - 02

Online Tenders for the following works are invited on the E-procurement System portal **mptenders.gov.in** : as detailed below :-

Tender ID	Subject	PAC Amount	EMD	Tender Fees
2025_ MIDCL_ 420984	Annual running security cum maintenance of Street light/High mast illumination (with material and labour) at Plastic Park Tamot, Distt. Raisen (M.P.) (for 12 Month)	1716000.00	34320.00	2360.00

Detailed NIT along with other details can be downloaded/viewed on above mentioned portal from **03.05.2025 10:30 Hrs.**

M.P. Madhyam/119904/2025 R-50902/2025 **EXECUTIVE ENGINEER**

मुख्यमंत्री ने जलदूतों के साथ जल गंगा संवर्धन अभियान में राजगढ़ जिले के सारंगपुर में किया श्रमदान

राजगढ़, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सारंगपुर में जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत आयोजित कार्यक्रम को संबोधित किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि राजगढ़ जिले के किसानों की समृद्धि, खेती आधारित उद्योग, मिल्क प्रोसेसिंग इकाई खोलने और फूड इंडस्ट्री पार्क स्थापित करने में राज्य सरकार अनुदान प्रदान करेगी। प्रदेश की माताएं-बहनें भी सशक्त हो रही हैं। अब लाड़ली बहनें ड्रोन दीदी और लखपति दीदी बन रही हैं। माताएं-बहनें ही भारतीय परंपरा में परिवार का आधार हैं। राज्य सरकार ने महिलाओं के लिए नौकरी में 35 प्रतिशत आरक्षण देने का निर्णय लिया है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में उन्हें लोकसभा और विधानसभा में भी 33 प्रतिशत आरक्षण मिलेगा। राज्य सरकार ने धार्मिक नगरों में शराबबंदी का ऐतिहासिक निर्णय लिया है। भगवान कृष्ण के लीला स्थलों को दिव्य और देवस्थान के रूप में विकसित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि सिंहस्थ 2028 के लिए तैयारियां शुरू हो चुकी हैं। इसके लिए उज्जैन में स्थायी सिंहस्थ नगरी बसायी जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि किसान कल्याण को समर्पित राज्य सरकार 2600 रुपये प्रति क्विंटल गेहूं का उपार्जन कर रही है। गौमाता के कल्याण के लिए सरकारी गौशालाओं का अनुदान 20 रुपये से बढ़ाकर 40 रुपये प्रति गाय किया गया है। जनपद पंचायत, नगर निगम, नगर पालिकाओं में गौशाला खोलने पर भी अनुदान दिया जाएगा। पशुपालन से किसानों की आय बढ़ाने के लिए डॉ. भीमराव अंबेडकर कामधेनु योजना की शुरूआत की गई है। इसमें गौपालकों को कम से कम 25 और अधिकतम 200 गाय पालने पर 25 प्रतिशत अनुदान दिया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सारंगपुर के कपिलेश्वर महादेव के प्रांगण में बाबा महाकाल के मंदिर जैसी अनुभूति होती है। राजगढ़ एक अनूठा जिला है, जिसका गौरवशाली इतिहास रहा है। आधुनिक भारत के भगीरथ प्रधानमंत्री श्री मोदी के मार्गदर्शन में राज्य सरकार ने जल गंगा संवर्धन अभियान शुरू किया है। राजगढ़ में कभी पलायन एक बड़ी समस्या थी, लेकिन बदलते दौर में स्थिति भी बदली है। राजगढ़ आकांक्षी जिले की श्रेणी में शामिल है।

पश्चिम मध्यप्रदेश में सूरज की किरणों से बिजली उत्पादन अब 29000 स्थानों पर

भोपाल, ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने बताया कि पश्चिम मध्यप्रदेश में सूरज की किरणों से बिजली उत्पादन करने वालों की संख्या में सतत बढ़ोत्तरी हो रही है। अप्रैल के चौथे सप्ताह तक कुल 29000 स्थानों पर रूफ टॉप सोलर नेट मीटर यानी सौर ऊर्जा के माध्यम से मौजूदा बिजली उपभोक्ता बिजली उत्पादन कर रहे हैं। प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना से 14100 उपभोक्ता जुड़े हैं। मध्यप्रदेश पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी इंदौर के प्रबंध निदेशक श्री अनूप कुमार सिंह ने बताया कि सौर ऊर्जा को लेकर मालवा और निमाड़ के बिजली उपभोक्ताओं में व्यापक उत्साह बना हुआ हैं। पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना के तहत तीन किलोवॉट तक के संयंत्र पर 78 हजार तक की सब्सिडी मिलने से सूरज की किरणों से बिजली तैयार करने वाले प्रत्येक जिलों में प्रतिमाह बढ़ते जा रहे हैं।

यूपीएससी 2024 की परीक्षा में प्रदेश के शुभम ने चौथे प्रयास में हासिल की सफलता

असफलता से डरें नहीं परिश्रम और लगन से फिर प्रयास करें, सफलता अवश्य मिलेगी - शुभम कौरव

गुरुदेव रवीन्द्र नाथ टैगोर ने कहा है कि, हे ईश्वर मुझे सिर्फ सफलता देकर कायर मत बना बल्कि मन मस्तिष्क की ऐसी परिपक्वता दे ताकि मैं असफलताओं को भी सहन कर सकूं। कई बार असफलताएं बार-बार मिलती हैं लेकिन इन असफलताओं की वजह से निराश ना होकर पूरे परिश्रम के साथ प्रयास किया जाए तो सफलता अवश्य मिलती है यह बात शुभम कौरव की सफलता पर सटीक बैठती है। शुभम ने सिविल सेवा परीक्षा 2024 में देश में 291वीं रैंक के साथ सफलता प्राप्त की है। गिरते हैं शहसवार ही मैदान-ए-जंग में वो तिफ़्ल क्या गिरेगा जो घुटनों के बल चले इन पंक्तियों में विश्वास रखने वाले शुभम कहते हैं कि जब भी मुझे लगता था कि मैं डीमोटीवेट हो रहा हूं। मैं इन पंक्तियों को दोहराता था। रामधारी सिंह दिनकर की रश्मिरथी, सूर्यकांत त्रिपाठी निराला जी की राम की शक्ति पूजा और डॉ. हरिवंश राय बच्चन जी कि मधुशाला बहुत पसंद हैं। आईआईटी से बीटेक करने के बाद यूपीएससी की ओर रुख करने वाले शुभम ने अपने अब तक के सफर और सफलता की यात्रा ''रोज़गार और निर्माण'' संग साझा की...

सवाल : अपने अब तक के सफर के बारे में बताइए?

जवाब - प्रदेश के मुरार में मेरा घर है। मेरे पिता डिफेंस में रहे हैं तो मैंने अलग-अलग शहरों कोटा, ऊधमपुर, सिकंदराबाद में रहकर अपनी स्कूली शिक्षा पूरी की है। मैं शुरुआत में औसत विद्यार्थी रहा हूं। 10वीं कक्षा से मैंने पढ़ाई को गंभीरता से लेना शुरू किया। मेरे 10वीं में 94 प्रतिशत तथा 12वीं में 96 प्रतिशत बने थे। मैंने बीटेक की शिक्षा आईआईटी बीएचयू से कंप्यूटर साइंस विषय में प्राप्त की है। यह मेरा चौथा प्रयास था। मैंने शुरुआती तैयारी घर में रहकर की थी, प्रीलिम्स की तैयारी मैंने स्वयं की थी जबकि इसके बाद मैंने दिल्ली जाकर वैकल्पिक विषय की तैयारी की। मैंने कोचिंग से मेंटरशिप तथा मॉक टेस्ट का सहयोग लिया है।

सवाल : आपने वैकल्पिक विषय के रूप में किस विषय का और क्यों चुनाव किया?

जवाब - मैंने वैकल्पिक विषय के रूप में एंथ्रोपोलॉजी विषय का चुनाव किया, क्योंकि सिविल सर्विस की परीक्षा में सिविल इंजीनियरिंग का सिलेबस काफी विस्तृत है जबकि एंथ्रोपोलॉजी का सिलेबस सीमित है और मुझे यह पढ़ने में भी आसानी से समझ में आ रहा था। इस विषय में साइंस एंड टेक्नोलॉजी, कास्ट सिस्टम, ट्राइबल इंडिया आदि शामिल हैं एंथ्रोपोलॉजी में बहुत कुछ सामान्य अध्ययन और निबंध का सिलेबस भी शामिल होता है। इसलिए मैंने इस विषय का चुनाव किया।

सवाल : परीक्षा की तैयारी के लिए आपका स्टडी मटेरियल कौन सा था? उसे आपने कहां से चुना?

जवाब - मैंने किताबों, कोचिंग के नोट्स, इंटरनेट की मदद से अध्ययन किया। पॉलिटी के लिए एम. लक्ष्मीकांत, ज्योग्राफी के लिए एनसीईआरटी, जीएस के लिए जीसी लिओंग, इकोनॉमी मृणाल सर नोट्स, एन्वायरमेंट के लिए शंकर आईएएस बुक, मॉडर्न हिस्ट्री के लिए स्पेक्ट्रम का अध्ययन किया।

सवाल : आपने आईआईटी से बीटेक किया है, आपके पास बेहतर कॅरियर ऑप्शन कॉर्पोरेट सेक्टर में थे फिर सिविल सर्विस परीक्षा में बैठने का विचार कहां से आया? इसके लिए आपको प्रेरणा कहां से मिली तथा सहयोग कहां से प्राप्त हुआ?

जवाब - जी हां, आईआईटी से बीटेक के बाद प्राइवेट सेक्टर में अच्छे ऑप्शन मेरे पास थे लेकिन मैंने डिग्री कंप्लीट करने के तुरंत बाद सिविल सर्विस की तैयारी शुरू कर दी। मेरे पिता आर्मी में कॉन्स्टेबल के पद से रिटायर्ड हैं, ऐसे में देश सेवा की ओर मेरा झुकाव शुरू से रहा है कि ऐसा कुछ करूं जिसके लिए मैं सीधे तौर पर देश के लिए काम कर सकूं। इसलिए मैंने 17 वर्ष की उम्र में एनडीए की परीक्षा पास की वहां भी 55 रैंक आई थी, लेकिन बाद में वापस आ गया। सिविल सर्विस भी हमें देश और समाज के लिए सीधे तौर पर काम करने का अवसर प्रदान करती है, इसलिए मैंने इसे चुना। मेरे माता-पिता ही मेरे सबसे बड़े प्रेरणास्रोत रहे हैं, उनका मुझे हर कदम पर सहयोग प्राप्त हुआ है। उन्होंने मुझे हमेशा प्रोत्साहित किया, जब मैंने एनडीए छोड़ने का निर्णय लिया तब भी मेरे माता-पिता, छोटी बहन और दोस्तों ने मुझ पर विश्वास किया।

सवाल : आपको चौथे प्रयास में सफलता प्राप्त हुई है। क्या बार-बार असफलता मिलने पर कभी निराशा हुई?

जवाब - जी बिल्कुल, जब आपको बार-बार असफलता मिलती है तो निश्चित ही मन में निराशा और असुरक्षा की भावना आती है। आपको समझ में नहीं आता कि कहां आपसे चूक हो गई है, अगले बरस जब फिर असफलता मिलती है तो आपको एक धक्का सा महसूस होता है। ऐसे में आप इमोशनल होते हो, आपको एंग्जाइटी बहुत महसूस होती है, आत्मविश्वास कमजोर होता है। लेकिन यह सभी समस्याएं दिमाग की होती हैं, ऐसे वक्त में खुद को शांत रखना ही सबसे जरूरी होता है। खुद पर विश्वास करना होता है कि अब तक आपने मेहनत की है तो सफलता मिल जाएगी। खुद को संभालना होता है। ऐसे में मेरे माता-पिता समेत पूरे परिवार और दोस्तों ने मुझे ढांढस बंधाया, मुझ पर विश्वास किया कि मैं निश्चित ही सफल होऊंगा।

सवाल : क्या कभी इस बात को लेकर बुरा नहीं लगता था कि इंजीनियरिंग के बाद कॉर्पोरेट की जॉब चुनते तो जिंदगी आसान हो सकती थी?

जवाब - बिल्कुल लगता है। जैसे जो दोस्त डिग्री के बाद कॉर्पोरेट सेक्टर की तरफ चले गए थे। उनका दो बार प्रमोशन भी हो चुका था और मेरी अब तक जॉब नहीं लगी थी। ऐसे में कई बार लगता था कि हर बार प्रयास कर रहे हैं और नहीं हो रहा है, बाकी दोस्त बहुत आगे बढ़ चुके हैं। इंटरनेशनल ट्रिप कर रहे हैं, विदेशों में घूम रहे हैं और हम करोल बाग के एक छोटे से कमरे में रह रहे हैं। लेकिन एक विश्वास रहता था कि इतनी मेहनत की है थोड़ी सी मेहनत और कर लूं तो निश्चित ही सफलता अवश्य मिल जाएगी। आखिरकार मेहनत रंग लायी। मेरा मानना है कि अपने आसपास पॉजिटिव लोगों को रखे रहना चाहिए, इससे बेवजह की बातों की तरफ ज्यादा दिमाग नहीं जाता है। मैंने सोशल मीडिया का इस्तेमाल भी बंद कर दिया था। मुझे सिर्फ मेरे बहुत क्लोज दोस्तों के बारे में ही पता होता था। एक कहावत है कि आउट ऑफ साइड, सो आउट ऑफ माइंड। अपने नजर में ही यदि नहीं रखो तो अपने दिमाग में भी नहीं चलेगा।

सवाल : नियमित कितने घंटे अध्ययन किया?

जवाब - इंजीनियरिंग के बाद जब मैंने तैयारी शुरू की थी तो शुरुआत में मैं 8 घंटे पढ़ाई करता था तथा 7 घंटे की नींद लेता था। अच्छी नींद पढ़ाई के लिए जरूरी है। मैंने प्रीलिम्स हर बार क्लीयर किया है। इंटरव्यू मैंने पहली बार दिया है। इस बार मेरे मेन्स परीक्षा में अच्छे नंबर आए हैं।

सवाल : इस परीक्षा का शेड्यूल बहुत लंबा होता है ऐसे में आपको इस दौरान किन-किन चीजों को छोड़ना पड़ा ?

जवाब - मैंने सोशल मीडिया से दूरी बनायी, साथ ही अनुशासन और दिनचर्या के साथ तैयारी की।

सवाल : इस परीक्षा का शेड्यूल बहुत लंबा होता है ऐसे में खुद को तनाव मुक्त रखने के लिए आपने किन बातों का ध्यान रखा?

जवाब - मैंने खुद को तनाव मुक्त रखने और फिट रहने के लिए जिम में भी वर्कआउट किया है। मेरे आसपास जो दोस्तों का ग्रुप है वह बहुत पॉजिटिव है उनके साथ रिवीजन, प्रैक्टिस करना काफी फायदेमंद रहता है। कोई अगर लो फील कर रहा है तो उसे उस वक्त प्रोत्साहित करना बहुत जरूरी है। इतना लंबा समय होता है एग्जाम का कि ऐसे में कई बार एंग्जाइटी आती है, ऐसे में खुद को पॉजिटिव रखना बहुत जरूरी है। दिनभर पढ़ाई के बाद शाम को चाय पीने के लिए एक-दूसरे से मिलना हमारे लिए रीफ्रेशिंग टाइम था। अपने आसपास अच्छे लोगों का होना बहुत लाभदायक होता है।

सवाल : शुरुआत में आपने अपनी क्या गलतियां पहचानी जिनमें सुधार की आवश्यकता महसूस की?

जवाब - शुरुआत में मुझे लगता है कि जो मुख्य परीक्षा के तीन मुख्य विषय हैं वैकल्पिक विषय एंथ्रोपोलॉजी, निबंध और एथिक्स इन तीनों में कहीं ना कहीं कमी रह रही थी। धीरे-धीरे उनमें ही सुधार हुआ और हर बार नंबर बढ़ते गए। इस बार फाइनल सिलेक्शन हो गया।

सवाल : कठिन और मुश्किल तथ्यों को याद रखने के लिए क्या प्रक्रिया अपनायी?

जवाब - कठिन और मुश्किल तथ्यों को याद रखने के लिए मैंने न्यूमॉनिक्स की तकनीक अपनायी। न्यूमॉनिक्स से जल्दी याद होता है। जब भी कोई चीज पढ़ें उसे एक सप्ताह के अंदर दोबारा रिवाइज करें, उसके बाद उसे एक महीने के अंदर दोबारा रिवाइज करें और फिर उसे चार महीने के अंदर दोबारा रिवाइज करें इससे याद रखना आसान होता है। इससे परमानेंट मैमोरी में स्टोरेज हो जाता है।

सवाल : परीक्षा हॉल में आपकी क्या रणनीति थी?

जवाब - एग्जाम हॉल में मुख्य परीक्षा के समय सबसे जरूरी है कि आपकी आन्सर राइटिंग की प्रैक्टिस बहुत अच्छे से होनी चाहिए। पहले पांच मिनट जब लिखने की अनुमति नहीं होती है तब पेपर को अच्छे से देख लिया जाए और जिस सवाल का जवाब अच्छे से पता है उसे सबसे पहले हल करना चाहिए। जो बाकी के सवाल हैं उन्हें अंत में लिखिए। अपना बेस्ट शुरुआत में दीजिए। नियमित तीन घंटे लिखने की प्रैक्टिस यदि होती है तो एग्जाम हॉल में लिखना भी आसान होता है। इसलिए लिखने की प्रैक्टिस लगातार करते रहना चाहिए। टाइम मैनेजमेंट का ध्यान रखना जरूरी है।

सवाल : क्या कभी इस बात को लेकर डर लगा कि एक सामान्य पृष्ठभूमि का व्यक्ति होने के नाते क्या मुझे सफलता मिलेगी। ऐसे में मानसिक तनाव का प्रबंधन कैसे करते थे?

जवाब - निश्चित ही इस बात को लेकर डर तो लगता था कि आईआईटी की डिग्री के बाद आप एक बेहतर जॉब हासिल कर सकते थे, तनाव भी कम होता जबकि सिविल सर्विस की परीक्षा अनिश्चितता से भरपूर है चयन होगा भी या नहीं हम नहीं जानते हैं। फिर भी मेरा मानना है कि सपने देखने और उन्हें पूरे करने की एक उम्र होती है और बस मैं यही सोचकर पूरे समर्पण और परिश्रम के साथ सपने को पूरा करने में जुटा हुआ था।

सवाल : जिस पद के लिए आपका चयन हुआ है। उस पद की जिम्मेदारी निभाने के लिए आपके क्या विचार हैं, इस पद को लेकर आपका क्या दृष्टिकोण है?

जवाब - अभी तय नहीं है कि मुझे आईएएस मिलता है या आईपीएस। आईपीएस में पुलिस सेवक के रूप में आपको लॉ एंड ऑर्डर मेंटेन करना होता है। जैसे सेना सरहद की रक्षा करती है पुलिस नागरिकों की सुरक्षा करती है यह भी एक जिम्मेदारी का काम है। मुझे जो भी जिम्मेदारी मिलेगी उसे मैं ईमानदारी से निभाऊंगा। इसके लिए मुझे प्रशिक्षण भी मिलेगा जहां मुझे इसके बारे में सिखाया जाएगा।

सवाल : साक्षात्कार की तैयारी आपने कैसे की?

जवाब - साक्षात्कार की शुरुआत इस बार 7 जनवरी से हुई और मेरा इंटरव्यू 10 जनवरी को था। इसलिए इंटरव्यू की तैयारी मैंने 20 दिन में की। मैंने कोशिश की कि मेरी जो पृष्ठभूमि है, क्षेत्र, ग्वालियर, मध्यप्रदेश सबके बारे में बेहतर ढंग से अध्ययन कर लूं। मॉक इंटरव्यू की प्रैक्टिस के लिए कई कोचिंग में इंटरव्यू दिए, 6-7 इंटरव्यू के बाद मेरा आत्मविश्वास बढ़ा। मैंने अपनी कमियों में सुधार किया।

सवाल : ''रोज़गार और निर्माण'' के माध्यम से अभ्यर्थियों को आप क्या संदेश देना चाहेंगे?

जवाब - मैं अभ्यर्थियों को भी यही कहना चाहूंगा कि सोशल मीडिया का इस्तेमाल बंद कर दीजिए और अपने आसपास ऐसे लोगों को रखिए जो सिविल सर्विस की तैयारी कर रहे हैं। मेरी खुद की यात्रा ऐसी रही है कि मुझे सफलता मिलने में चार अटेम्प्ट लग गए। हर बार थोड़ा-थोड़ा सुधार होता रहा है। मैंने कभी उम्मीद नहीं छोड़ी और ना मेहनत में कमी की है। मुझे पता था कि मैं कहां गलती कर रहा हूं मुझे कहां सुधार करना है। मेरे दिमाग में बस यही बात तय थी। इसी चीज को किया मैंने खुद को मोटीवेट किया। मेहनत सही में सच में रंग लाती है।

-सर्जना चतुर्वेदी
(लेखिका सम-सामयिक विषयों पर लेखन करती हैं)

परिचय

नाम	-	शुभम कौरव
रैंक	-	291
उम्र	-	26
पिता	-	श्री नरेन्द्र सिंह कौरव, सेवानिवृत्त हवलदार आर्मी
माता	-	श्रीमती उषा कौरव
आभार	-	ईश्वर, माता-पिता समेत पूरे परिवार एवं दोस्तों का आभार।
शिक्षा	-	हाईस्कूल - आर्मी पब्लिक स्कूल, कोटा
हायर सेकंडरी	-	आर्मी पब्लिक स्कूल, कोटा
स्नातक	-	सिविल इंजीनियरिंग, बीटेक, आईआईटी बीएचयू वाराणसी
रुचि	-	हिंदी वीर रस की कविताएं पढ़ना, क्रिकेट खेलना
अन्य उपलब्धियां	-	एनडीए 2016 में एआईआर 55

इंटरव्यू में पूछे गए कुछ सवाल

सवाल - ग्वालियर क्यों प्रसिद्ध है?

जवाब - ग्वालियर को सिटी ऑफ म्युजिक कहा जाता है। तानसेन, बैजूबावरा का संबंध ग्वालियर से है। वर्तमान समय में ग्वालियर में प्रतिवर्ष तानसेन समारोह का आयोजन भी किया जाता है।

सवाल - आप किस क्षेत्र से आते हैं? चंबल क्षेत्र में डकैती की समस्या क्यों है?

जवाब - मैं मूलत: मध्यप्रदेश के मुरार का निवासी हूं। डकैती की समस्या बहुत पुरानी है। यहां किसी राजा का लंबे समय तक शासन नहीं रहा है। पिछड़ा हुआ क्षेत्र रहा है, कानून व्यवस्था दुरुस्त न होने के कारण यहां अराजकता रही है। यहां गन संस्कृति बहुत ज्यादा है। दुनाली चलाने, हर्ष फायर की परंपरा रही है। इसलिए हथियार रखना यहां संस्कृति का हिस्सा रहा है। इसलिए जमीन या किसी अन्य मतभेद की वजह से भी यहां बंदूकें चल जाती हैं। ऐसे में मृत्यु और डकैती भी हो जाती हैं। मैंने पान सिंह तोमर का उदाहरण भी दिया था कि पारिवारिक विवाद की वजह से उन्होंने डकैती का रास्ता अपनाया था। पान सिंह तोमर के संबंध में विस्तृत जानकारी पूछी गई थी।

सवाल - भूकंप रोधी बिल्डिंग क्या होती हैं?

जवाब - भूकंप रोधी इमारत बनाने के लिए सबसे पहली प्राथमिकता है उसकी मजबूत नींव। इसे मजबूत करने के लिए आइसोलेशन का उपयोग किया जा सकता है। इमारत के स्ट्रक्चर को क्रॉस ब्रेसिज और शीयर वॉल तकनीक से मजबूत किया जाता है। शीयर वॉल कई पैनलों से बनी होने की वजह से भूकंप के झटकों को रोकने में काफी अहम होती है। वहीं, बिल्डिंग को मजबूती देने के लिए मोमेंट-रेसिस्टेंट फ्रेम और डायाफ्राम का भी उपयोग किया जाता है

उद्योग और प्रौद्योगिकी के लिये अनुकूल वातावरण देने में मध्यप्रदेश अग्रणी

वैसे तो इस समय पूरे देश में प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष विदेशी निवेश के लिये जबरदस्त माहौल है। इसमें देश-विदेश के निवेशक पूरे उत्साह के साथ उद्योग स्थापना में आगे आ रहे हैं और स्टार्टअप में भी दिलचस्पी बढ़ रही है। फिर भी ऐसा लगता है कि मध्यप्रदेश सरकार डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में जो प्रयास कर रही है, उसने निवेशकों में यह भरोसा जगाया है कि उनका निवेश तो सुरक्षित है ही, उन्हें अनुकूल पर्यावरण भी मिल रहा है। यह संभव हुआ है प्रशासनिक सहयोग, राजनीतिक नेतृत्व की सदाशयता, युक्तिसंगत कर प्रणाली, बाधा रहित कार्य प्रणाली व प्रक्रियागत विलंब से मुक्ति के कारण। हाल ही में मध्यप्रदेश शासन ने एक बड़ा कदम उठाते हुए 27 अप्रैल को इंदौर में टेक ग्रोथ कॉन्क्लेव-2025 का आयोजन किया। इस एक दिवसीय कॉन्क्लेव में ही करीब 20 हजार करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव मिले, जो सरकार की मंशा के प्रति विश्वास का बड़ा प्रमाण है।

इस मौके पर अपने उद्बोधन में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने एक बड़ी घोषणा भी की। उन्होंने कहा कि सरकार स्पेस टेक नीति भी बनाने जा रही है। साथ ही साइबर सुरक्षा एवं एग्रीटेक के लिये एक्सीलेंस सेंटर भी बनाने जा रहे हैं। जो निवेश प्रस्ताव मिले, उनके तहत करीब 75 हजार नये रोज़गार सृजित होंगे। दो दर्जन प्रस्तावों पर तत्काल काम भी प्रारंभ हो जायेगा। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने जो चार नीतियां घोषित की, वे हैं- एमपी ड्रोन नीति, सेमीकंडक्टर नीति, ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर नीति व एवीजीसी-एक्सआर नीति। इस कॉन्क्लेव में करीब 500 निवेशक आये थे। इनमें प्रमुख निवेशकों के साथ मुख्यमंत्री ने प्रत्यक्ष मुलाकात भी की। इनमें जापान, दक्षिण कोरिया के उद्योगपति भी शामिल थे।

इन्वेस्टर्स समिट में 18 उद्योग हितैषी नीतियों का लोकार्पण

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अपने उद्बोधन में बताया कि ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने मध्यप्रदेश सरकार द्वारा तैयार की गयी 18 उद्योग हितैषी नीतियों का लोकार्पण किया था। ये नीतियाँ उद्योगों के विकास में उपयोगी सिद्ध हो रही हैं। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने देश में अद्भुत कार्य किया है। उनके विकसित भारत@2047 के संकल्प के अनुसार मध्यप्रदेश में निरंतर कार्य हो रहा है। जीआईएस-भोपाल से उद्योग स्थापना के सभी रिकॉर्ड टूटे हैं। उद्योगपति स्वयं यह कह रहे हैं कि मध्यप्रदेश में एक माह में उद्योग लगाने का कार्य संभव हुआ है।

इंदौर के कार्यक्रम में यह भी बताया गया कि निवेश प्रोत्साहन को सुविधाजनक बनाने के लिये एमपी डिजिटल इकोनॉमी मिशन का गठन किया जायेगा। इंदौर, भोपाल, जबलपुर और ग्वालियर के प्रमुख आईटी पार्कों में 4 नए सुविधा केंद्रों का गठन किया जायेगा। आईटी स्टार्टअप्स को विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के तहत शामिल किया जायेगा। आईटी पार्क टॉवर भोपाल बनाया जायेगा, जिसमें 125 करोड़ रुपये की लागत से 3 लाख वर्ग फिट लीजेबल स्पेस बनाई जायेगी। देवी अहिल्या विश्वविद्यालय इन्दौर में प्लग एंड प्ले सुविधा विकसित की जाएगी, जिससे टेक स्टार्टअप्स और कंपनियों को तैयार इंफ्रास्ट्रक्चर मिलेगा।

स्वास्थ्य और शिक्षा के साथ अधोसंरचनात्मक विकास को बढ़ावा

मुख्य सचिव श्री अनुराग जैन का कहना है कि जीआईएस - भोपाल में प्राप्त निवेश प्रस्ताव महत्वपूर्ण रहे। प्रत्येक एमओयू की मुख्यमंत्री के स्तर पर प्रतिमाह समीक्षा की जाती है। जीआईएस-भोपाल में हुए एमओयू पर तेज गति से कार्य हो रहा है। दो माह में यह उपलब्धि प्राप्त हुई है। समिट में 18 उद्योग नीतियों की घोषणा के बाद उन पर अमल भी किया जा रहा है। प्रदेश में कृषि दर के बाद अब कुल ग्रोथ रेट भी बढ़ रही है। स्वास्थ्य और शिक्षा के साथ अधोसंरचनात्मक विकास हो रहा है। उद्योगों को सहायता देने में मध्यप्रदेश अन्य राज्यों से आगे है। किसी उद्योग की स्थापना के लिये आवश्यक स्वीकृतियाँ समय पर प्रदान की जा रही हैं।

अपर मुख्य सचिव सूचना प्रौद्योगिकी श्री संजय दुबे का कहना है कि फरवरी में हुई जीआईएस-भोपाल में तीन प्रमुख क्षेत्रों टेक्सटाइल, पर्यटन, टेक्नोलॉजी पर जोर दिया गया था। देश भर में 70 हजार करोड़ रुपये के निवेश जमीन पर उतारने में सफलता मिली है। प्लग एंड प्ले की अनुकूलता उद्योगपतियों को मध्यप्रदेश में निवेश के लिए प्रेरित कर रही है। ईज ऑफ डूइंग बिजनेस का लाभ निवेशकों को मिल रहा है।

डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश सरकार आरंभ से ही प्रदेश में बेहतर औद्योगिक वातावरण बनाने के लिये कटिबद्ध नजर आ रही है। पहले ग्लोबल समिट इंदौर में ही होती थी। इसे विस्तार देते हुए सरकार ने संभाग व जिला स्तर पर समिट करना प्रारंभ किया। इसका जबरदस्त प्रतिसाद मिला। जिसमें उस क्षेत्र के निवेशकों को भरपूर अवसर मिले, साथ ही प्रांत से बाहर देश-विदेश के निवेशकों के सामने भी जैसे विशाल आसमान खुल गया। अनेक ऐसे क्षेत्रों में भी निवेश होने लगा, जो पहले अछूते-से थे। इस क्रम में इंदौर के अलावा उज्जैन, भोपाल, जबलपुर, ग्वालियर, सागर, नर्मदापुरम जैसे शहरों में भी इन्वेस्टर्स मीट हो चुकी हैं। 24-25 फरवरी 2025 को प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के मुख्य आतिथ्य में भोपाल में हुई समिट में भी निवेशकों की भागीदारी व उत्साह देखते ही बनता था। भोपाल समिट में करीब 30 लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव मिल चुके हैं। खास बात यह है कि इस बार सरकार केवल एमओयू पर न अटकते हुए धरातल पर कितने प्रस्ताव आकार लेते हैं, इस पर ध्यान दे रही है। एक बार प्रस्ताव मिलने पर संबंधित विभाग की ओर से लगातार संपर्क साधकर बात आगे बढ़ाई जाती है। यह मध्यप्रदेश में औद्योगिक विकास को नये आयाम देने में सहायक होगा।

- रमण रावल
(लेखक, वरिष्ठ पत्रकार एवं स्तम्भकार हैं)

स्वामित्व योजना

ग्रामीण भारत को आत्मनिर्भर और समृद्ध बनाने की पहल

भारत गांवों में बसता है। ग्रामीण भारत को समृद्ध और आत्मनिर्भर बनाने के लक्ष्य को केन्द्र में रखकर प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 24 अप्रैल 2020 को राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस के अवसर पर स्वामित्व योजना का शुभारंभ किया। इस योजना को लागू किये पांच वर्ष हो गए हैं। यह योजना ड्रोन-आधारित सर्वेक्षणों का उपयोग करके ग्रामीण आवासीय भूमि का कानूनी स्वामित्व प्रदान करती है। इस योजना को भारतीय सर्वेक्षण विभाग और राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केन्द्र सेवा (एनआईसीएसआई) के सहयोग से पंचायती राज मंत्रालय द्वारा कार्यान्वित किया जा रहा है। यह योजना गांवों में लोगों को उनके उन घरों तथा वह जमीन, जहां वे निवास करते हैं उसके कानूनी स्वामित्व के कागजात पाने में मदद करती है। संपत्ति की सीमाओं को स्पष्ट रूप से चिन्हित करने के लिए ड्रोन और मानचित्रण संबंधी विशेष उपकरणों का उपयोग किया जाता है। स्वामित्व के दस्तावेजों से लोग बैंक से ऋण ले सकते हैं, भूमि विवादों का निपटारा कर सकते हैं और यहां तक कि अपनी संपत्ति का उपयोग अधिक कमाई के लिए भी कर सकते हैं। यह योजना ग्राम नियोजन के लिए भी मददगार है। इस योजना के अंतर्गत 1.61 लाख गांवों के लिए 2.42 करोड़ से अधिक संपत्ति कार्ड बनाए गए हैं। 3.20 लाख गांवों में ड्रोन सर्वेक्षण पूरा हुआ है तथा 68,122 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र को कवर किया गया है।

योजना का उद्देश्य

स्वामित्व योजना का उद्देश्य ग्रामीण नागरिकों को संपत्ति कार्ड प्रदान कर उन्हें सशक्त बनाना, ऋण सुलभ कराना, विवाद समाधान और बेहतर योजना बनाना है।

योजना की प्रमुख उपलब्धियां

- 18 जनवरी 2025 को, 10 राज्यों (छत्तीसगढ़, गुजरात, हिमाचल प्रदेश, मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र, मिजोरम, ओडिशा, पंजाब, राजस्थान, उत्तरप्रदेश) और 2 केन्द्र-शासित प्रदेशों (जम्मू एवं कश्मीर और लद्दाख) के 50,000 से अधिक गांवों में 65 लाख स्वामित्व संपत्ति कार्ड वितरित किए गए।
- 2 अप्रैल 2025 तक, 'स्वामित्व' योजना के तहत 3.20 लाख गांवों में ड्रोन सर्वेक्षण पूरा हो चुका है। इन सर्वेक्षणों ने प्रत्येक गांव में बसे हुए क्षेत्रों के औसत आकार के आधार पर अनुमानित 68,122 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र को कवर किया है।
- 31 राज्यों व केन्द्र-शासित प्रदेशों ने समझौता ज्ञापनों (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। केन्द्र शासित प्रदेश लक्षद्वीप, लद्दाख एवं दिल्ली और आंध्रप्रदेश, मध्यप्रदेश, उत्तरप्रदेश और छत्तीसगढ़ जैसे राज्यों में पूर्ण कवरेज के साथ 3.20 लाख गांवों में ड्रोन सर्वेक्षण पूरा हो चुका है। 1.61 लाख गांवों के लिए कुल 2.42 करोड़ संपत्ति कार्ड जारी किए गए हैं।

'स्वामित्व' योजना ने वैश्विक स्तर पर नवाचारों को किया प्रेरित

- 'स्वामित्व' योजना ने प्रशासन में प्रौद्योगिकी का उपयोग करके वैश्विक स्तर पर एक उदाहरण स्थापित किया है। अन्य देश भी इसी प्रकार का मॉडल अपनाने के लिए प्रेरित हुए हैं।
- गुरुग्राम स्थित हरियाणा लोक प्रशासन संस्थान (हिपा) में 24-29 मार्च, 2025 को आयोजित भूमि के प्रशासन से संबंधित अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला में 22 देशों के वरिष्ठ अधिकारी एकत्रित हुए। इस कार्यक्रम में ड्रोन आधारित सर्वेक्षण, डिजिटल संपत्ति रिकॉर्ड और 'स्वामित्व' योजना के जरिए पारदर्शी शासन सहित भारत के रचनात्मक दृष्टिकोण को प्रदर्शित किया गया।
- भारत मंडपम में आयोजित भारत अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेले 2024 में इस योजना ने इस बात को प्रदर्शित किया कि कैसे ड्रोन एवं जीआईएस मैपिंग ग्रामीण समुदायों को स्पष्ट और कानूनी भूमि स्वामित्व हासिल करने में मदद कर रहे हैं। इससे न केवल विवाद कम होते हैं, बल्कि ऋण तक पहुंच बढ़ती है। आर्थिक विकास को बढ़ावा मिलता है, ग्रामीण भारत को सशक्त बनाया जाता है और संपत्ति के अधिकारों को बढ़ाया जाता है।

स्वामित्व की आवश्यकता

पहले कई ग्रामीणों के पास अपने घरों और जमीनों के कागज नहीं थे। कानूनी दस्तावेज़ों के बिना, लोग अपनी जमीन का स्वामित्व साबित नहीं कर सकते थे, बैंक से ऋण नहीं ले सकते थे अथवा सरकारी सहायता प्राप्त करने के लिए अपनी संपत्ति का उपयोग नहीं कर सकते थे। रिकॉर्ड की कमी ने ग्रामीण क्षेत्रों की आर्थिक विकास की गति को कम कर दिया। अक्सर भूमि विवाद होते थे। इस समस्या को हल करने के उद्देश्य से 'स्वामित्व' योजना के तहत लोगों को कानूनी स्वामित्व के कागजात दिये जा रहे हैं। जिससे उन्हें अपने अधिकारों को सुरक्षित करने और बेहतर भविष्य बनाने में मदद मिलती है।

'स्वामित्व' के घटक

'स्वामित्व' योजना उन प्रमुख घटकों पर आधारित हैं, जो भूमि का सटीक मानचित्रण, कुशल कार्यान्वयन और सामुदायिक जागरूकता सुनिश्चित करते हैं।

- **सतत प्रचालन संदर्भ स्टेशन (सीओआरएस) नेटवर्क की स्थापना:** सीओआरएस नेटवर्क ग्राउंड कंट्रोल प्वाइंट स्थापित करने में सहायता करता है, जो सटीक भू-संदर्भन, ग्राउंड टूथिंग और भूमि के सीमांकन की एक महत्वपूर्ण गतिविधि है।
- **ड्रोन का उपयोग करके बड़े पैमाने पर मानचित्रण:** भारतीय सर्वेक्षण विभाग द्वारा ड्रोन सर्वेक्षण का उपयोग करके ग्रामीण क्षेत्र का मानचित्रण किया जा रहा है। यह स्वामित्व संपत्ति अधिकार प्रदान करने के लिए उच्च रिज़ॉल्यूशन वाला और सटीक मानचित्र तैयार करता है। इन मानचित्रों या डेटा के आधार पर, ग्रामीण घरेलू मालिकों को संपत्ति कार्ड जारी किए जाते हैं।
- **सूचना, शिक्षा और संचार (आईईसी) संबंधी पहल:** इस योजना की कार्यप्रणाली और इसके लाभ के बारे में स्थानीय आबादी को जागरूक करने हेतु जागरूकता कार्यक्रम चलाए गये।
- **स्थानिक नियोजन अनुप्रयोग "ग्राम मंच" का उन्नयन:** ग्राम पंचायत विकास योजना (जीपीडीपी) की तैयारी करने में स्थानिक विश्लेषणात्मक उपकरणों के निर्माण के लिए ड्रोन सर्वेक्षण के तहत बनाए गए डिजिटल स्थानिक डेटा, मानचित्रों का लाभ उठाया जा रहा है।
- **ऑनलाइन निगरानी प्रणाली:** गतिविधियों की प्रगति पर नजर रखने के लिए ऑनलाइन निगरानी और रिपोर्टिंग डैशबोर्ड की निगरानी की जाती है।
- **परियोजना प्रबंधन:** योजना के कार्यान्वयन में मंत्रालय और राज्य को सहयोग देने के लिए राष्ट्रीय और राज्य स्तर पर कार्यक्रम प्रबंधन इकाइयां कार्यरत हैं।

'स्वामित्व' योजना ग्रामीणों को भूमि स्वामित्व का कानूनी हक प्रदान कर रही है। इससे सशक्तिकरण के नए अवसर प्राप्त हो रहे हैं। यह योजना विवादों को सुलझाने और बाधाओं को तोड़ने के लिए प्रौद्योगिकी का उपयोग करती है। लोगों को आर्थिक प्रगति के लिए अपनी भूमि का उपयोग करने में मदद करती है। ड्रोन और डिजिटल संपत्ति कार्ड से नई संभावनाओं का सृजन किया जा रहा है। यह योजना, बेहतर नियोजन और मजबूत ग्रामीण भारत निर्माण की दिशा में प्रभावी कदम है।

- हितेश शर्मा
(लेखक, सम-सामयिक विषयों पर लेखन करते हैं)

प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए महत्वपूर्ण प्रश्न-उत्तर

भूगोल

प्र. 1 भारत की उत्तरी सीमा पर स्थित पर्वत है?
(अ) अरावली (ब) हिमालय
(स) नीलगिरि (द) मैकाल
उत्तर - (ब)

प्र. 2 हिमालय पर्वत एक मुख्य प्रकार है?
(अ) ज्वालामुखी पर्वत का
(ब) वलित पर्वत का
(स) ब्लॉक पर्वत का
(द) अवशिष्ट पर्वत का
उत्तर - (ब)

प्र. 3 भारत में सबसे ऊंची पर्वत चोटी कौन-सी है?
(अ) गॉडविन ऑस्टिन
(ब) कामेट
(स) नंदाकोटा
(द) नंदादेवी
उत्तर - (अ)

प्र. 4 भारत में हिमालय की सर्वोच्च पर्वत चोटी है?
(अ) नंदा देवी (ब) नंगा पर्वत
(स) कंचनजंगा (द) धौलागिरि
उत्तर - (स)

प्र. 5 निम्नलिखित में से कौन-सी हिमालय की पर्वत चोटी असम राज्य में स्थित है?
(अ) नंदा देवी
(ब) नमचा बरवा
(स) धौलागिरि
(द) कंचनजंघा
उत्तर - (ब)

प्र. 6 हिमालय की उत्पत्ति किस भू-सन्नति से हुई है?
(अ) टेथीज (ब) इंडोब्रह्म
(स) शिवालिक (द) गोदावरी
उत्तर - (अ)

प्र. 7 हिमालय का पाद प्रदेश (foot-hil regions) निम्न में से किस नाम से जाना जाता है?
(अ) ट्रांस हिमालय
(ब) महान हिमालय
(स) पीरपंजाल
(द) शिवालिक
उत्तर - (द)

प्र. 8 बद्रीनाथ अवस्थित है?
(अ) गढ़वाल हिमालय में
(ब) मध्य हिमालय में
(स) हिमाद्री हिमालय में
(द) ट्रांस हिमालय में
उत्तर - (अ)

प्र. 9 हिमालय में हिम रेखा (Snow-line) निम्न के बीच होती है?
(अ) 5400 से 6000 मी.
(ब) 4000 से 5800 मी.
(स) 4500 से 7000 मी.
(द) 4500 से 6000 मी.
उत्तर - (द)

प्र. 10 निम्न में से कौन-सी पर्वत चोटी संसार की दूसरी सर्वोच्च पर्वत चोटी है?
(अ) गॉडविन ऑस्टिन
(ब) कंचनजंगा
(स) नंदा देवी
(द) नंगा पर्वत
उत्तर - (अ)

प्र. 11 लघु हिमालय श्रेणी के ढालों पर मिलने वाले छोटे-छोटे घास के मैदानों को जम्मू-कश्मीर में क्या कहा जाता है?
(अ) मर्ग (ब) बुग्याल
(स) पयार (द) दुआर
उत्तर - (अ)

प्र. 12 हिमालय श्रेणी क्षेत्र में मिलने वाली संकीर्ण तथा अनुदैर्ध्य (लंबी) घाटियों को किस नाम से जाना जाता है?
(अ) दून (ब) चोस
(स) दुआर (द) मर्ग
उत्तर - (अ)

प्र. 13 भारत एवं म्यांमार के बीच सीमा निर्धारण करने वाली पर्वत श्रेणी है?
(अ) अराकानयोमा
(ब) अल्टाई पर्वत श्रृंखला
(स) ग्रेट डिवाइडिंग रेंज
(द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर - (अ)

प्र. 14 छोटा नागपुर पठार की सबसे ऊंची पर्वत चोटी है?
(अ) धूपगढ़ (ब) पचमढ़ी
(स) पारसनाथ (द) महाबलेश्वर
उत्तर- (स)

प्र. 15 आर्यों ने भारत में किस दर्रे से होकर प्रवेश किया था?
(अ) खैबर
(ब) बोलन
(स) काराकोरम
(द) शिपकी
उत्तर - (अ)

प्र. 16 हिमाचल प्रदेश में स्थित दर्रा है?
(अ) शिपकीला
(ब) जोजिला
(स) नाथुला
(द) जेलेप्ला
उत्तर - (अ)

प्र. 17 जवाहर सुरंग किस दर्रे के नीचे स्थित?
(अ) पीरपंजाल दर्रा
(ब) बुन्दिल पीर दर्रा
(स) बनिहाल दर्रा
(द) शिपकीला दर्रा
उत्तर - (स)

प्र. 18 निम्नलिखित में से कौन-सा दर्रा पश्चिमी घाट पर्वतमाला में स्थित नहीं है?
(अ) थालघाट
(ब) भोरघाट
(स) पालघाट
(द) पीपलीघाट
उत्तर - (द)

प्र. 19 पीपली घाट दर्रा किस पर्वतीय भाग में स्थित है?
(अ) पश्चिमी घाट
(ब) पूर्वी घाट
(स) विन्ध्याचल श्रेणी
(द) अरावली
उत्तर - (द)

प्र. 20 जोजिला दर्रा जोड़ता है?
(अ) श्रीनगर और लेह को
(ब) कलिम्पोंग और ल्हासा को
(स) चम्बा और स्पीती को
(द) अरुणाचल प्रदेश और ल्हासा को
उत्तर - (अ)

प्र. 21 पालघाट दर्रा निम्नलिखित में से किन दो राज्यों को जोड़ता है?
(अ) केरल - तमिलनाडु
(ब) कर्नाटक - तमिलनाडु
(स) आन्ध्रप्रदेश - तमिलनाडु
(द) कर्नाटक - केरल
उत्तर - (अ)

प्र. 22 तुजू दर्रा भारत को किस देश से जोड़ता है?
(अ) चीन
(ब) म्यांमार
(स) नेपाल
(द) भूटान
उत्तर - (ब)

प्र. 23 नाथूला दर्रा किस राज्य में स्थित है?
(अ) उत्तराखंड
(ब) हिमाचल प्रदेश
(स) सिक्किम
(द) मणिपुर
उत्तर - (स)

प्र. 24 बोम-डि-ला दर्रा भारत के किस राज्य में स्थित है?
(अ) सिक्किम
(ब) मणिपुर
(स) उत्तराखंड
(द) अरुणाचल प्रदेश
उत्तर - (द)

प्र. 25 निम्नलिखित में से नदियों की लम्बाई का सही अवरोही क्रम कौन-सा है?
(अ) ब्रह्मपुत्र, गंगा, गोदावरी, नर्मदा
(ब) गंगा, गोदावरी, ब्रह्मपुत्र, नर्मदा
(स) ब्रह्मपुत्र, नर्मदा, गोदावरी, गंगा
(द) गंगा, ब्रह्मपुत्र, गोदावरी, नर्मदा
उत्तर - (अ)

प्र. 26 भारत की वृहत्तम नदी कौन-सी है?
(अ) गोदावरी
(ब) कृष्णा
(स) महानदी
(द) गंगा
उत्तर - (द)

प्र. 27 गंगा नदी को बांग्लादेश में किस नाम से जाना जाता है?
(अ) पद्मा
(ब) जमुना
(स) मेघना
(द) सांगपो
उत्तर - (अ)

प्र. 28 गंगा एवं ब्रह्मपुत्र की संयुक्त जलधारा किस नाम से जानी जाती है?
(अ) पद्मा (ब) जमुना
(स) मेघना (द) सांगपो
उत्तर - (स)

प्र. 29 तिब्बत में बहने वाली नदी सांगपो निम्नलिखित में से किससे होकर भारत में प्रवेश करती है?
(अ) असम
(ब) सिक्किम
(स) अरुणाचल प्रदेश
(द) मणिपुर
उत्तर - (स)

प्र. 30 सिन्धु नदी की लम्बाई उतनी ही है जितनी कि ब्रह्मपुत्र की। यह लम्बाई कितनी है?
(अ) 2700 किमी.
(ब) 2900 किमी.
(स) 3000 किमी.
(द) 3300 किमी.
उत्तर - (ब)

प्र. 31 तिब्बत में मानसरोवर झील के पास किस नदी का उद्गम स्रोत स्थित है?
(अ) सिन्धु
(ब) सतलज
(स) ब्रह्मपुत्र
(द) ये सभी
उत्तर - (द)

प्र. 32 विश्व के सबसे बड़े द्वीप माजुली का निर्माण करने वाली नदी है?
(अ) कृष्णा
(ब) कावेरी
(स) गोदावरी
(द) ब्रह्मपुत्र
उत्तर - (द)

प्र. 33 निम्नलिखित में से कौन-सी नदी दक्षिण से उत्तर की ओर प्रवाहित होती है?
(अ) गोदावरी
(ब) कावेरी
(स) पलार
(द) बेतवा
उत्तर - (द)

प्र. 34 निम्न में से किस नदी को बिहार का शोक कहा जाता है?
(अ) गंडक
(ब) कोसी
(स) सोन
(द) गंगा
उत्तर - (ब)

प्र. 35 निम्नलिखित में से कौन एक विनाशक नदी कहलाती है?
(अ) नर्मदा
(ब) ताप्ती
(स) कोसी
(द) गंडक
उत्तर - (स)

प्र. 36 निम्नलिखित में से कौन-सी नदी बंगाल का शोक कहलाती है?
(अ) सोन
(ब) गंडक
(स) हुगली
(द) दामोदर
उत्तर - (द)

प्र. 37 वे दो प्रमुख नदियाँ कौन-सी हैं जो अमरकंटक पठार से निकलती हैं परन्तु वे अलग-अलग दिशाओं में बहती हैं?
(अ) चम्बल और बेतवा
(ब) चम्बल और सोन
(स) नर्मदा और सोन
(द) नर्मदा और बेतवा
उत्तर - (स)

प्र. 38 भारत की लवण नदी के नाम से जानी जाती है?
(अ) माही (ब) लूनी
(स) बनास (द) साबरमती
उत्तर - (ब)

प्र. 39 कौन-सी नदी भेड़ाघाट के समीप कपिलधारा जलप्रपात का निर्माण करती है?
(अ) नर्मदा (ब) ताप्ती
(स) गोकक (द) शरावती
उत्तर - (अ)

प्र. 40 निम्नलिखित में से कौन-सी नदी ज्वारनदमुख का निर्माण करती है?
(अ) राप्ती (ब) महानदी
(स) नर्मदा (द) स्वर्णरेखा
उत्तर - (स)

प्र. 41 निम्नलिखित में से कौन-सी नदी विन्ध्य तथा सतपुड़ा पर्वत श्रृंखला के मध्य से होकर गुजरती है?
(अ) नर्मदा (ब) कृष्णा
(स) गंडक (द) गोदावरी
उत्तर - (अ)

प्र. 42 निम्नलिखित में से कौन-सी नदी अरब सागर में गिरती है?
(अ) गोदावरी
(ब) महानदी
(स) माही
(द) कृष्णा
उत्तर - (स)

प्र. 43 निम्नलिखित में से किस एक स्थान से भारत की दो महत्वपूर्ण नदियों का उद्गम होता है , जिनमें से एक उत्तर की तरफ प्रवाहित होकर बंगाल की खाड़ी की तरफ प्रवाहित होने वाली दूसरी महत्वपूर्ण नदी में मिलती है और दूसरी अरब सागर की तरफ प्रवाहित होती है?
(अ) अमरकंटक
(ब) बद्रीनाथ
(स) महाबलेश्वर
(द) नासिक
उत्तर - (अ)

प्र. 44 निम्नलिखित में से कौन-सी नदी यमुना नदी में नहीं मिलती है?
(अ) केन
(ब) बेतवा
(स) सोन
(द) चम्बल
उत्तर - (स)

प्र. 45 अरावली पर्वत श्रृंखला निम्नलिखित नदी प्रणाली से द्विविभाजित होती है?
(अ) चम्बल और सरस्वती
(ब) चम्बल और साबरमती
(स) नर्मदा और बनास
(द) लूनी और बनास
उत्तर - (ब)

प्र. 46 भारत का सबसे ऊंचा नदी बाँध कौन-सा है?
(अ) हीराकुंड बाँध
(ब) भाखड़ा बाँध
(स) सरदार सरोवर बाँध
(द) टिहरी बाँध
उत्तर - (द)

प्र. 47 भारत में सबसे लम्बा बाँध है?
(अ) भाखड़ा बाँध
(ब) नागार्जुन सागर
(स) हीराकुंड बाँध
(द) कोसी बाँध
उत्तर - (स)

प्र. 48 चिल्का झील किस राज्य में स्थित है?
(अ) राजस्थान
(ब) आंध्रप्रदेश
(स) ओडिशा
(द) तमिलनाडु
उत्तर - (स)

प्र. 49 हीराकुंड बाँध किस राज्य में स्थित है?
(अ) ओडिशा
(ब) झारखंड
(स) उत्तराखंड
(द) प. बंगाल
उत्तर - (अ)

प्र. 50 अल्माटी बाँध किस नदी पर स्थित है?
(अ) कावेरी (ब) सेलेरू
(स) तुंगभद्रा (द) कृष्णा
उत्तर - (द)

- इमरतलाल खरते
(लेखक, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी से जुड़े विषयों पर लेखन करते हैं)

जॉब अलर्ट

एनएलसी इंडिया लिमिटेड

पद का नाम - जूनियर ओवरमैन, माइनिंग सिरदार
पदों की संख्या - 171
योग्यता - माइनिंग में डिप्लोमा या इंजीनियरिंग की डिग्री या अन्य समकक्ष योग्यता
अंतिम तिथि - 14 मई, 2025
वेबसाइट - https://www.nlcindia.in

नॉर्दर्न कोलफील्ड लिमिटेड

पद का नाम - तकनीशियन फिटर, तकनीशियन इलेक्ट्रिशियन, तकनीशियन वेल्डर
पदों की संख्या - 200
योग्यता - मान्यता प्राप्त बोर्ड से दसवीं कक्षा उत्तीर्ण तथा संबंधित ट्रेड में एनसीवीटी या एससीवीटी द्वारा जारी आईटीआई प्रमाणपत्र
अंतिम तिथि - 10 मई, 2025
वेबसाइट - https://www.nclcil.in

केंद्रीय खाद्य प्रौद्योगिकी अनुसंधान संस्थान, मैसूर

पद का नाम - कनिष्ठ सचिवालय सहायक, कनिष्ठ आशुलिपिक, तकनीकी सहायक
पदों की संख्या - 34
योग्यता - पदानुसार
अंतिम तिथि - 10 मई, 2025
वेबसाइट - https://cftri.res.in

पवन हंस लिमिटेड

पद का नाम - असिस्टेंट (मटेरियल/स्टोर्स), स्टेशन इन चार्ज, हेल्पर
पदों की संख्या - 17
योग्यता - असिस्टेंट (मटेरियल/ स्टोर्स), स्टेशन इन चार्ज पद के लिए किसी भी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से स्नातक की उपाधि तथा हेल्पर पद के लिए कक्षा आठवीं या अन्य समकक्ष उत्तीर्ण हो
अंतिम तिथि - 10 मई, 2025
वेबसाइट- https://www.pawanhans.co.in

सैनिक स्कूल अमेठी

पद का नाम - पीजीटी, टीजीटी, कला मास्टर, संगीत शिक्षक/ बैंड मास्टर, लाइब्रेरियन, सलाहकार, लैब सहायक, चिकित्सा अधिकारी, लोअर डिवीजन क्लर्क, वार्ड बॉय
पदों की संख्या - 25
योग्यता - पदानुसार
अंतिम तिथि - 10 मई, 2025
वेबसाइट - https://sainikschool-amethi.com

रेलवे रिक्रूटमेंट बोर्ड

पद का नाम - असिस्टेंट लोको पायलट
पदों की संख्या - 9970
योग्यता - इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग या अन्य समकक्ष में स्नातक
अंतिम तिथि - 11 मई, 2025
वेबसाइट - https://www.rrbapply.gov.in

उत्तराखंड अधीनस्थ सेवा चयन आयोग

पद का नाम - सहायक समीक्षा अधिकारी, वैयक्तिक सहायक, सहायक अधीक्षक, राजस्व उपनिरीक्षक (पटवारी), राजस्व उपनिरीक्षक (लेखापाल), ग्राम विकास अधिकारी, ग्राम पंचायत विकास अधिकारी, स्वागती, सहायक स्वागती
पदों की संख्या - 416
योग्यता - किसी भी विश्वविद्यालय से स्नातक की उपाधि तथा अन्य जरूरी योग्यताएं
अंतिम तिथि - 15 मई, 2025
वेबसाइट - https://sssc.uk.gov.in

संघ लोक सेवा आयोग

पद का नाम - वैज्ञानिक अधिकारी (विद्युत, यांत्रिकी), प्रोफेसर (शर्करा प्रौद्योगिकी), प्रवक्ता (शर्करा इंजीनियरिंग), तकनीकी अधिकारी (वानिकी), वैज्ञानिक 'बी' (विद्युत, बैलिस्टिक्स, जीव विज्ञान, रसायन शास्त्र, दस्तावेज), प्रशिक्षण अधिकारी, वरिष्ठ पशु चिकित्सा अधिकारी
पदों की संख्या - 40
योग्यता - पदानुसार
अंतिम तिथि - 15 मई, 2025
वेबसाइट - https://upsc.gov.in

राष्ट्रीय भू भौतिकीय अनुसंधान संस्थान

पद का नाम - कनिष्ठ सचिवालय सहायक (सामान्य, वित्त एवं लेखा, भंडार एवं क्रय)
पदों की संख्या - 11
योग्यता - कक्षा बारहवीं उत्तीर्ण या इसके समकक्ष उत्तीर्ण हो तथा कम्प्यूटर टाइपिंग गति में दक्षता साथ ही डीओपीटी द्वारा निर्धारित मानदंडों के अनुसार कम्प्यूटर का उपयोग करना
अंतिम तिथि - 26 मई, 2025
वेबसाइट - https://www.ngri.res.in

एडमिशन अलर्ट

राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय

पाठ्यक्रम का नाम - नाट्यकला में तीन वर्षीय डिप्लोमा पाठ्यक्रम, नाट्यकला में एक वर्षीय प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम, अभिनय में एक वर्षीय प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम, भारतीय शास्त्रीय रंगमंच में एक वर्षीय प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम, शिक्षा में रंगमंच में एक वर्षीय प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम।
योग्यता - मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से किसी भी विषय में स्नातक
अंतिम तिथि - 10 मई, 2025
वेबसाइट - https://onlineadmission.nsd.gov.in

स्कॉलरशिप अलर्ट

नेशनल एंट्रेंस स्क्रीनिंग टेस्ट-2025 (नेस्ट)

पाठ्यक्रम का नाम - राष्ट्रीय विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान, भुवनेश्वर एवं मुंबई विश्वविद्यालय- परमाणु ऊर्जा विज्ञान प्रकर्ष केंद्र में एकीकृत एमएससी प्रोग्राम (पांच वर्षीय)
योग्यता - विज्ञान विषय के साथ बारहवीं कक्षा उत्तीर्ण की हो।
स्कॉलरशिप की राशि - इस प्रोग्राम में चयनित उम्मीदवारों को दिशा स्कॉलरशिप प्रोग्राम के तहत 60 हजार रूपये (वार्षिक) तथा समर इंटर्नशिप के लिए 20 हजार रुपये (वार्षिक) स्कॉलरशिप का प्रावधान।
अंतिम तिथि - 09 मई, 2025
प्रवेश परीक्षा तिथि - 22 जून, 2025
वेबसाइट-https://www.nestexam.in

(स्रोत : संपादकीय टीम द्वारा संकलित)

मध्यप्रदेश की नदियां

मध्यप्रदेश की धरती को हरा-भरा और समृद्ध बनाती है - सोन

मध्यप्रदेश की धरती को प्रकृति ने नदियों की विपुलता से समृद्ध किया है। इसलिए प्रदेश को नदियों का मायका कहा जाता है। नदियां जीवन और प्रकृति संवर्धन का आधार है। नदी तट पर कई संस्कृतियों का निर्माण और विकास हुआ है। जल, जीवन की इस विरासत से आपको परिचित करवाने के लिए रोज़गार और निर्माण में मध्यप्रदेश की नदियां स्तम्भ शुरू किया जा रहा है। इस अंक में प्रस्तुत है मध्यप्रदेश की सोन नदी का परिचय –

सोन पुरातन नदी है। सोन के संबंध में अनेक कथाएं भी प्रचलित हैं। इनमें से एक कथा नर्मदा सोन के संबंधों पर तथा उनके विवाह न होने से संबंधित है। सोन का उद्गम अमरकंटक से हुआ है। यह नदी मध्यप्रदेश में 500 किलोमीटर बहती है। अमरकंटक पहाड़ क्षेत्र से निकलकर 784 किलोमीटर की दूरी तय करते हुए बिहार के पटना जिले में गंगा नदी में मिल जाती है। यह मध्यप्रदेश, उत्तर प्रदेश, झारखंड और बिहार राज्यों से होकर गुजरती है।

सोन एक अत्यंत प्राचीन नदी है। सोने के रंग की रेत के कारण इसका नाम सोन पड़ा है। यह रेत इसके तल पर पाई जाती है। इस नदी का प्राचीन नाम है सोन या शोण भद्र। पुराणों में कहीं-कहीं मेकलसुत भी कहा गया है। महाभारत के वन पर्व में उल्लेख है कि इसमें स्नान करके आचमन करने यहां तक कि जल स्पर्श से भी वाजिमेघ यज्ञ करने का फल मिलता है। नौवीं सदी के संस्कृत साहित्यकार राजशेखर ने गंगा, नर्मदा आदि को नदी की संज्ञा दी है लेकिन सोन को नद कहा है- शोण लौहित्यो नदौ। सोन को हिरण्यवाहु भी कहते हैं।

सोन का हिरण्यवाहु नाम यह संकेत करता है कि सोन में सोने के कण प्रचुर मात्रा में मिलते हैं। अबुल फजल ने आइने-अकबरी में मैदानी सोन में स्वर्ण मंडित पत्थरों (शालीग्राम) के पाये जाने की बात कही है। यह संभव जान पड़ता है क्योंकि सरगुजा, जसपुर रियासत के कुछ गांवों की नदियों में स्वर्ण कर्ण पाये जाते रहे हैं। संभव है कि प्रागैतिहासिक काल में इसे देखा गया हो।

उद्गम और विस्तार

सोन को मेकुलसुत भी कहा जाता है इससे यह स्पष्ट होता है कि सोन का उद्गम मैकल पर्वत से ही हुआ है। मैकल पर्वत विंध्य-सतपुड़ा का संधि पर्वत है और पुराणकालीन वृक्ष पर्वत है। इसी मैकल के पश्चिमी छोर पर बसा है अमरकंटक जहां से नर्मदा प्रवाहित होती है। धारणा यह है कि नर्मदा तथा सोन दोनों का उद्गम अमरकंटक से ही हुआ है। सोन और नर्मदा को लेकर लोककथा प्रचलित है। इस कथा के अनुसार नर्मदा ने मन ही मन सोन से विवाह का निश्चय किया लेकिन नर्मदा के पिता राजा मैकल ने यह शर्त रखी कि जो भी राजकुमार बकावली का पुष्प लेकर आयेगा नर्मदा का विवाह उसी से किया जायेगा। चूंकि शोणभद्र को पुष्प लेकर आने में देरी हो रही थी, अधीर होकर नर्मदा ने अपनी दासी जुहिला को शोणभद्र के पास भेजा। शोणभद्र ने जुहिला को ही राजकुमारी नर्मदा समझा और उससे हंसी-मजाक करने लगे। जब जुहिला को आने में देरी हुई तो नर्मदा स्वयं शोणभद्र के पास पहुंची। वहां उन दोनों की हंसी-ठिठौली देख स्तब्ध रह गई और वह अजन्म कुंवारी का व्रत लेकर अमरकंटक के कुंड में कूद पड़ी। इसी के साथ नर्मदा ने जनकल्याण का व्रत लिया और पश्चिम दिशा की ओर बहने लगी। जब सोन को वास्तविक स्थिति का भान हुआ वह दुखी होकर अमरकंटक के पहाड़ से कूद पड़ा। जंगल, पहाड़ से भटकते हुए शोण विपरीत दिशा पूर्व की ओर चल पड़ा और आगे चलकर जुहिला से विवाह कर लिया।

यह एक नद और नदी की भाव आधारित कथा है। सोन के उद्गम के संबंध में पुरातत्व विभाग के अनुसार सोन का उद्गम पेन्ड्रा और केंदा के बीच सोन मुंडा में हुआ है। यह एक लंबी सकरी घाटी है और दो ऊंची-नीची पहाड़ियों के बीच स्थित है। इस घाटी में बड़े-बड़े गड्ढे हैं वहीं सोन का उद्गम है जिसे सोन मुंडा कहा गया। आजकल इसे सोनकुंड कहते हैं। यह कुंड पेंडरा कस्बे के दक्षिण पूर्व की ओर आठ-दस किलोमीटर दूर है जो बचरवार गांव की सीमा है। उत्तर पूर्व की ओर पच्चीस तीस खेतों में बहने के बाद सोन का पानी जमीन के अंदर चला जाता है और आगे कुछ दूरी के बाद निकलता है और पानी का एक कुंड बन जाता है। और फिर नदी के रूप में विशाल स्वरूप ले लेता है। सोन का बरसात में विंध्य सतपुड़ा, पठार की लाल, पीली मिट्टी वाले पानी को लेकर मैदान में प्रवेश होता है। इससे इसकी धार और पाट बड़ा हो जाता है।

सोन का प्रवाह

सोन 784 किलोमीटर बहती है। जिसका बहाव 500 किलोमीटर मध्यप्रदेश, 82 किलोमीटर उत्तर प्रदेश में और 202 किलोमीटर बिहार में है। पश्चिम में महानदी से लेकर पूरब में सोन सहायक कोडल जल क्षेत्र तक फैला है। इस भूखंड में जबलपुर जिले की मुडवारा तहसील तथा उससे सटे पश्चिमी मंडला जिले के कुछ पूर्वी भाग सहित शहडोल तथा सीधी जिले में सोन का बहाव है। मनेन्द्रगढ़, सरगुजा, रायगढ़, जशपुर, बिलासपुर तथा उत्तर प्रदेश के मिर्जापुर जिले के दक्षिण भाग और बिहार में पलामू जिला, पश्चिमी हजारी बाग, उत्तर-पश्चिम रांची आदि जिलों में इसका बहाव है। इस लंबी यात्रा के बाद पटना से लगभग दस किलोमीटर उत्तर-पश्चिम हरदी छपरा गांव के सामने गंगा नदी में संगम होता है।

सोन नदी का महत्व

- यह नदी मध्यप्रदेश की एक महत्वपूर्ण नदी है, जो प्रदेश की जलवायु और प्राकृतिक सौंदर्य को बढ़ाती है।
- सोन नदी पर कई बांध और पुल बनाए गए हैं, जिनमें डिहरी-ऑन-सोन बांध और कोइलवर पुल प्रमुख हैं।
- इस नदी का पानी मीठा और निर्मल होता है, जो इसके आसपास के क्षेत्रों के लिए महत्वपूर्ण है।

सोन नदी की सहायक नदियाँ

- दायें तट की सहायक नदियाँ : बनास नदी, गोपद नदी, रिहन्द नदी, कन्हार नदी, उत्तर कोयल नदी।
- बाएं तट की सहायक नदियाँ : घाघर नदी, जोहिला नदी, छोटी महानदी।

देवेन्द्र गोरे
(लेखक, सम-सामयिक विषयों पर लेखन करते हैं)

खेल चर्चा

एशियाई एथलेटिक्स चैम्पियनशिप में नहीं खेलेंगे नीरज

नई दिल्ली, भारत ने दक्षिण कोरिया में होने वाले एशियाई एथलेटिक्स चैंपियनशिप के लिए 59 सदस्यीय भारतीय दल का ऐलान कर दिया है। इस टूर्नामेंट में कोच्चि में संपन्न हुए फेडरेशन कप में शानदार प्रदर्शन करने वाले सभी एथलीटों को जगह दी गई है। भारत के स्टार भाला फेंक एथलीट नीरज चोपड़ा इस चैंपियनशिप में हिस्सा नहीं लेंगे। भारतीय एथलेटिक्स संघ ने कहा कि नीरज का ध्यान डायमंड लीग और सितंबर माह में आयोजित होने वाली डायमंड लीग पर है। नीरज ने वर्ष 2017 के बाद से ही इस प्रतिष्ठित महाद्वीपीय प्रतियोगिता में हिस्सा नहीं लिया है। उन्होंने वर्ष 2017 में भुवनेश्वर में आयोजित हुए इस टूर्नामेंट में स्वर्ण पदक जीता था। तब से इस दिग्गज भारतीय की नजरें डायमंड लीग प्रतियोगिताओं, विश्व चैंपियनशिप और ओलंपिक खेलों पर रही है।

भारत-श्रीलंका-दक्षिण अफ्रीका त्रिकोणीय श्रृंखला

भारत ने दक्षिण अफ्रीका को 15 रन से हराया

कोलंबो, भारत, श्रीलंका और दक्षिण अफ्रीका के बीच खेली जा रही त्रिकोणीय श्रृंखला में भारतीय महिला क्रिकेट टीम का शानदार प्रदर्शन जारी है। टूर्नामेंट में भारतीय महिला टीम ने अपने दूसरे लीग मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका को 15 रनों से हराया। यह मैच बेहद रोमांचक रहा, जिसे भारतीय टीम ने अंतिम क्षणों में अपने नाम किया। भारत की जीत में स्नेह राणा ने अहम भूमिका निभाई।

मैच में भारतीय महिला टीम ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी की। भारतीय टीम को प्रतिका रावल और स्मृति मंधाना ने शानदार शुरुआत दिलाई। दोनों बल्लेबाजों ने पहले विकेट के लिए 18.3 ओवरों में 83 रनों की साझेदारी की। प्रतिका रावल ने 78 रन बनाए, जबकि स्मृति मंधाना ने 36 रनों की पारी खेली। इनके अलावा हरलीन देओल (29), हरमनप्रीत कौर (41), जेमिमाह रोड्रिग्ज (41) और ऋचा घोष (24) ने उपयोगी पारियां खेलीं और भारत को मजबूत स्कोर तक पहुंचाया। भारतीय महिला टीम ने निर्धारित 50 ओवरों में 6 विकेट खोकर 276 रन बनाए।

लक्ष्य का पीछा करने उतरी दक्षिण अफ्रीकी टीम ने आक्रामक अंदाज में शुरुआत की। सलामी बल्लेबाज ताजमिन ब्रिट्स और लॉरा वॉल्वार्ट ने टीम को मजबूत शुरुआत दिलाई। दोनों सलामी बल्लेबाजों ने पहले विकेट के लिए 140 रन जोड़े। वॉल्वार्ट 43 रन बनाकर दीप्ति शर्मा का शिकार बनीं, वहीं ब्रिट्स एक छोर पर टिकी रहीं। ब्रिट्स ने बेहतरीन बल्लेबाजी की और 109 रनों की शतकीय पारी खेली। ब्रिट्स को दूसरे छोर पर साथ नहीं मिला। स्नेह राणा दूसरे छोर पर अपनी घातक गेंदबाजी से विकेट गिराती रहीं। हालांकि दक्षिण अफ्रीका की बल्लेबाज सुने लस (28) और एनेरी डर्कसेन (30) ने ब्रिट्स का साथ दिया, लेकिन वे अपनी टीम को जीत नहीं दिला सकीं। एक समय लग रहा था कि दक्षिण अफ्रीकी टीम आसानी से लक्ष्य हासिल कर लेगी, लेकिन भारतीय गेंदबाजों ने दक्षिण अफ्रीका के बल्लेबाजों को रोक दिया। दक्षिण अफ्रीका की टीम 49.2 ओवरों में 261 रन बनाकर ऑल आउट हो गई। भारतीय टीम ने यह मैच 15 रन से जीत लिया। भारत के लिए स्नेह राणा ने 43 रन देकर 5 विकेट लिए, जबकि अरुंधति रेड्डी, श्री चरणी और दीप्ति ने 1-1 विकेट लिए।

टूर्नामेंट में भारतीय टीम का प्रदर्शन शानदार रहा। भारतीय टीम ने इससे पहले टूर्नामेंट में श्रीलंका को 9 विकेट से हराया था। मैच में भारतीय गेंदबाजों ने श्रीलंकाई टीम को 147 रन पर समेट दिया, इसके बाद 178 गेंद शेष रहते लक्ष्य हासिल कर लिया। टूर्नामेंट में भारतीय टीम श्रीलंका और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ एक-एक लीग मैच और खेलेगी। टूर्नामेंट का फाइनल मुकाबला 11 मई को खेला जाएगा।

राष्ट्रीय कैनो स्प्रिंट और पैरा कैनो में मध्यप्रदेश बना चैम्पियन

भोपाल, मध्यप्रदेश ने 35वीं राष्ट्रीय जूनियर एवं सब जूनियर कैनो स्प्रिंट तथा राष्ट्रीय पैरा कैनो चैम्पियनशिप में शानदार प्रदर्शन करते हुए ओवरऑल चैम्पियन बन गया है। भोपाल में आयोजित राष्ट्रीय जूनियर एवं सब जूनियर कैनो स्प्रिंट चैम्पियनशिप में मध्यप्रदेश जूनियर पुरुष वर्ग में 71 अंक हासिल कर ओवरऑल चैम्पियन बना, जबकि जूनियर महिला वर्ग में 75 अंकों के साथ विजेता बना। इसी तरह सब जूनियर बालक वर्ग में मध्यप्रदेश ने 58 अंक अर्जित कर ओवरऑल चैम्पियनशिप अपने नाम की, वहीं सब जूनियर बालिका वर्ग में मध्यप्रदेश ने दूसरा स्थान हासिल किया। इस वर्ग में केरल पहले स्थान पर रहा।

भारत ने योगासन में जीते 83 स्वर्ण पदक

नई दिल्ली, भारत ने एशियाई योगासन चैम्पियनशिप में अपना दबदबा बनाते हुए 83 स्वर्ण पदक जीते। इसके अलावा भारत ने तीन रजत और एक कांस्य पदक समेत इस चैम्पियनशिप में कुल 87 पदक अपने नाम किए। टूर्नामेंट में भारत ने पदक तालिका में पहला स्थान हासिल किया है। प्रतियोगिता में जापान तीन स्वर्ण, तीन रजत और चार कांस्य सहित 10 पदक जीतकर दूसरे स्थान पर रहा। वहीं मंगोलिया तीसरे, ओमान चौथे और नेपाल पांचवें स्थान पर रहा।

आईपीएल में शतक बनाने वाले सबसे युवा बल्लेबाज बने वैभव सूर्यवंशी

जयपुर, भारतीय क्रिकेट की युवा सनसनी वैभव सूर्यवंशी ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में नया इतिहास रच दिया है। राजस्थान रॉयल्स के लिए खेलने वाले 14 वर्षीय वैभव आईपीएल में शतक बनाने वाले सबसे युवा बल्लेबाज बन गए है। अपने आईपीएल कॅरियर का तीसरा मैच खेल रहे वैभव ने गुजरात टाइटंस के खिलाफ आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए महज 35 गेंदों में शतक बनाया।

मैच में गुजरात टाइटंस ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवरों में 4 विकेट खोकर 209 रनों का विशाल स्कोर बनाया। इसके जवाब में बल्लेबाजी करने आए राजस्थान के सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल और वैभव सूर्यवंशी ने तूफानी अंदाज में बल्लेबाजी की। दोनों बल्लेबाजों ने 11.5 ओवरों में 166 रनों की साझेदारी की। मैच में वैभव ने 17 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा किया, इसके बाद वैभव ने 35 गेंदों में शतक बनाकर इतिहास रच दिया। वैभव ने 38 गेंदों में 101 रनों की पारी खेली, इस पारी के दौरान वैभव ने 7 चौके और 11 छक्के लगाए। वैभव की इस विस्फोटक पारी के दम पर राजस्थान ने 15.5 ओवरों में 8 विकेट शेष रहते लक्ष्य हासिल कर लिया।

- **वैभव आईपीएल में शतक बनाने वाले सबसे युवा खिलाड़ी बन गए हैं, इससे पहले यह रिकॉर्ड मनीष पांडे के नाम था।**
- **वैभव ने आईपीएल में दूसरा सबसे तेज शतक बनाया, इस मामले में वह क्रिस गेल (30) से पीछे हैं।**
- **आईपीएल में एक पारी में 11 छक्के लगाने वाले वैभव दूसरे भारतीय बल्लेबाज हैं।**

कोनेरु हंपी ने जीता फिडे ग्रांप्री शतरंज खिताब

पुणे, भारत की दिग्गज शतरंज खिलाड़ी और ग्रैंडमास्टर कोनेरु हंपी ने फिडे महिला ग्रांप्री शतरंज 2024-25 के पुणे चरण का खिताब जीत लिया है। हंपी ने चीन की झू जिनर को हराया। प्रतियोगिता में हंपी और जिनर दोनों ने सात-सात अंक अर्जित किए। इसके बाद हंपी ने टाईब्रेक में जिनर से बेहतर अंक अर्जित कर खिताब अपने नाम किया। प्रतियोगिता के अंतिम दौर में हंपी ने बुल्गारिया की नुर्गयुल सालिमोवा को हराया, जबकि जिनर ने रूस की पोलिना शुवालोवा को मात दी थी।

अनिमेष ने 200 मीटर दौड़ में बनाया राष्ट्रीय रिकॉर्ड

कोच्चि, युवा फर्राटा धावक अनिमेष कुजुर ने राष्ट्रीय फेडरेशन सीनियर एथलेटिक्स प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करते हुए पुरुषों की 200 मीटर दौड़ में नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाया है। प्रतियोगिता में अनिमेष ने पुरुषों की 200 मीटर दौड़ 20.40 सेकेंड में पूरी कर यह रिकॉर्ड अपने नाम किया।

दक्षिण एशियाई युवा टेबल टेनिस चैम्पियनशिप में भारत ने जीते 13 स्वर्ण पदक

काठमांडू, नेपाल में आयोजित दक्षिण एशियाई युवा टेबल टेनिस चैम्पियनशिप में भारतीय खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया है। टूर्नामेंट में भारत ने 13 स्वर्ण और तीन रजत पदक सहित 16 पदक अपने नाम किए हैं।

प्रतियोगिता की विभिन्न श्रेणियों में भारतीय खिलाड़ियों ने अपना दबदबा बनाया। भारतीय टीम ने अंडर-19 बालिका वर्ग, अंडर-15 बालक वर्ग, अंडर-15 बालिका वर्ग में स्वर्ण पदक अपने नाम किए। इसके अलावा भारतीय खिलाड़ियों ने अंडर-19 और अंडर-15 युगल और मिश्रित युगल स्पर्धाओं सहित छह स्पर्धाओं में भी स्वर्ण पदक अपने नाम किए हैं। प्रतियोगिता में भारत ने अंडर-19 बालक वर्ग और अंडर-19 बालिका वर्ग के एकल मुकाबलों में भी चार स्वर्ण पदक हासिल किए हैं। टीम स्पर्धाओं में पृथा वर्तिकार, अनन्या चंदे, हार्दी पटेल और दीया ब्रम्हचारी ने अंडर-19 बालिका टीम स्पर्धा में नेपाल को 3-1 से हराकर स्वर्ण पदक जीता। जबकि अंडर-15 बालिका टीम वर्ग में प्रतीति पॉल, आरुषि नंदी, अद्विका अरवल और तन्मयी साहा की टीम ने श्रीलंका को 3-0 से हराकर स्वर्ण पदक अपने नाम किया।

डेनमार्क के जेनसेन ने जीती एमस्टेल गोल्ड रेस

एमस्टर्डम, साइक्लिंग वर्ल्ड टूर में शामिल नीदरलैंड्स की एमस्टेल गोल्ड रेस को नया विजेता मिल गया है। डेनमार्क के मथियास जेनसेन ने एमस्टेल गोल्ड रेस के 59वें एडिशन में जीत दर्ज की है। जेनसेन यह रेस जीतने वाले तीसरे डेनमार्क साइक्लिस्ट है। प्रतियोगिता में जेनसेन ने वर्ष 2023 के विजेता और स्लोवेनिया के साइक्लिस्ट तादेज पोगाकार और रेमको एवेनपोल को पछाड़कर खिताब अपने नाम किया। जेनसेन ने कहा कि मैंने इस रेस में पोगाकार और एवेनपोल को हराया है, इसलिए यह जीत मेरे लिए बेहद खास है। उल्लेखनीय है कि एमस्टेल गोल्ड रेस वर्ल्ड टूर का 17वां इवेंट है, इस रेस में प्रतिभागियों को 255.9 किलोमीटर की दूरी तय करनी होती है।

बार्सिलोना ने 32वीं बार जीता कोपा डेल रे कप का खिताब

सेविले, स्पेन के सबसे लोकप्रिय फुटबॉल क्लब बार्सिलोना ने एक बार फिर स्पेन के सबसे पुराने फुटबॉल टूर्नामेंट कोपा डेल रे कप का खिताब जीत लिया है। टूर्नामेंट के फाइनल में बार्सिलोना ने अपने चिर प्रतिद्वंद्वी क्लब रियल मैड्रिड को 3-2 से हराया। बार्सिलोना ने 32वीं बार यह प्रतिष्ठित खिताब जीता है।

बार्सिलोना ने टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में एटलेटिको मैड्रिड को नजदीकी मुकाबले में हराकर कोपा डेल रे कप के फाइनल में जगह बनाई। बार्सिलोना ने फाइनल की शुरुआत से ही आक्रामक रणनीति अपनाई। मैच में पहली सफलता बार्सिलोना को मिली। मैच के 28वें मिनट में पेड्री गोंजालेज ने बेहतरीन गोल कर बार्सिलोना को बढ़त दिलाई। इसके बाद दोनों टीमों ने गोल करने के कई मौके बनाए लेकिन कोई भी टीम गोल नहीं कर सकी। पहले हाफ में स्कोर 1-0 से बार्सिलोना के पक्ष में रहा।

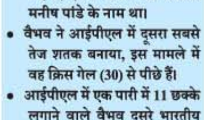

- **बार्सिलोना ने सबसे ज्यादा 32 बार, एटलेटिक बिलबाओ ने 24 तथा रियल मैड्रिड ने 20 बार जीता है कोपा डेल रे कप।**
- **बार्सिलोना इस सत्र में तीन खिताब जीतने के बेहद नजदीक है।**
- **कोपा डेल रे कप के बाद बार्सिलोना यूएफा चैम्पियंस लीग और ला लिगा खिताब जीतने का दावेदार है।**

दूसरे हाफ में रियल मैड्रिड के स्ट्राइकरों ने दमदार खेल दिखाया और वापसी के लिए पूरा जोर लगाया, इसका फायदा रियल मैड्रिड को जल्द ही मिल गया। मैच के 70वें मिनट में फ्रांस के सुपरस्टार खिलाड़ी किलियन एम्बाप्पे ने शानदार गोल कर रियल मैड्रिड को बराबरी पर ला दिया। एम्बाप्पे के गोल करने के सात मिनट बाद (77वें मिनट में) औरेलियन टचौमेनी ने बेहतरीन हेडर के जरिए गोल किया और रियल मैड्रिड को 2-1 से आगे कर दिया। मैच में पिछड़ने के बाद बार्सिलोना के खिलाड़ियों ने भी पलटवार किया। ऐसा लग रहा था कि मैच रियल मैड्रिड के पक्ष में जा रहा है, लेकिन बार्सिलोना के फेरन टॉरेस ने मैच के 84वें मिनट में गोल कर मैच को अतिरिक्त समय में पहुंचा दिया।

अतिरिक्त समय में हुआ फैसला

निर्धारित समय तक दोनों टीमों के बराबर रहने के बाद मैच अतिरिक्त समय में गया। अतिरिक्त समय में भी दोनों टीमों के बीच कांटे की टक्कर देखने को मिली। मैच के 116वें मिनट में बार्सिलोना की टीम के पास गोल करने का मौका आया। टीम के जूलेस कोंडे इस अवसर को गोल में तब्दील करने में सफल रहे। इस गोल की बदौलत बार्सिलोना ने खिताब जीत लिया।

ऑस्कर पिएस्ट्री ने जीती सऊदी अरब ग्रांप्री रेस

जेद्दाह, ऑस्ट्रेलिया के कार रेसर ऑस्कर पिएस्ट्री ने सऊदी अरब ग्रांप्री फॉर्मूला-वन रेस का खिताब अपने नाम किया है। ऑस्कर की यह इस सत्र में तीसरी जीत है। ऑस्कर इससे पहले चीनी ग्रांप्री और बहरीन ग्रांप्री भी जीत चुके हैं। टीम मैक्लेरेन के लिए रेसिंग करने वाले ऑस्कर ने सऊदी अरब ग्रांप्री में 50 लैप की इस रेस को एक घंटा 21 मिनट 06.758 सेकेंड में पूरा किया। मौजूदा विश्व चैम्पियन मैक्स वर्स्टपेन रेस में दूसरे स्थान पर रहे। वहीं चार्ल्स लेक्लर्क तीसरे, लैंडो नॉरिस चौथे तथा जॉर्ज रसेल पांचवें स्थान पर रहे।

(स्रोत : संपादकीय टीम द्वारा संकलित, फोटो : गूगल से साभार)

सामयिकी

सफलतापूर्वक कैप्सूल से बाहर आए अंतरिक्ष यात्री

30 अप्रैल को चीन के शनचो-19 अंतरिक्ष यात्री त्साई शुच्ये, सुंग लिंगतुंग और वांग हाओच्ये सभी सुचारू रूप से कैप्सूल से बाहर निकले। उन सभी की स्वास्थ्य स्थिति अच्छी थी। इसके साथ शनचो-19 के क्रू दल के सदस्यों ने अपनी अंतरिक्ष यात्रा सफलतापूर्वक पूरी की। त्साई शुच्ये अब स्पेस स्टेशन के बाहर सर्वाधिक बार कार्य करने वाले चीनी अंतरिक्ष यात्री बन गए हैं। ज्ञात रहे कि पिछली सदी के नब्बे वाले दशक में जन्मे सुंग लिंगतुंग और वांग हाओच्ये ने अपनी पहली अंतरिक्ष यात्रा पूरी की।

उत्तर कोरिया ने अपने नए युद्धपोत से दागी मिसाइलें

उत्तर कोरिया ने सप्ताह की शुरुआत में लॉन्च किए गए युद्धपोत की हथियार प्रणाली का पहला परीक्षण किया है। सरकारी मीडिया केसीएनए की रिपोर्ट के मुताबिक परीक्षण के दौरान क्रूज और एंटी-एयर मिसाइलों का टेस्ट किया गया। इस दौरान तोपखाने से गोलाबारी भी की गई। हथियारों के परीक्षण के दौरान किम जोंग उन और वरिष्ठ अधिकारी भी शामिल हुए। इस दौरान किम ने कहा कि समय आ गया है कि उत्तर कोरिया की नौसेना देश की रक्षा के लिए परमाणु हथियारों को बढ़ाने का फैसला करे।

रॉ के पूर्व प्रमुख जोशी को मिली नई जिम्मेदारी

पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद सरकार ने एक बड़ा कदम उठाते हुए राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार बोर्ड का पुनर्गठन कर रिसर्च एंड एनालिसिस विंग (रॉ) के पूर्व प्रमुख आलोक जोशी को इसका नया अध्यक्ष नियुक्त किया है। पुनर्गठित राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार बोर्ड के सात सदस्यों में कई शीर्ष स्तर के सेना, नौसेना और वायु सेना के अधिकारियों के अलावा भारतीय पुलिस सेवा के शीर्ष अधिकारियों को शामिल किया गया है।

कनाडा में लिबरल पार्टी चुनाव जीती, कार्नी होंगे प्रधानमंत्री

मौजूदा प्रधानमंत्री मार्क कार्नी के नेतृत्व में कनाडा की सत्तारूढ़ लिबरल पार्टी ने चुनाव जीत लिया है। वहीं विपक्षी कंजरवेटिव पार्टी के नेता पियरे पोलिविरी चुनाव हार गए हैं। लिबरल पार्टी ने संसद में सरकार बनाने के लिए पर्याप्त सीटें हासिल की हैं। जस्टिन ट्रूडो के इस्तीफे के बाद कार्नी कनाडा के प्रधानमंत्री बने थे और एक सप्ताह बाद ही उन्होंने समय से पहले संसदीय चुनाव की घोषणा की थी।

इधर, भारत के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने लिबरल पार्टी की जीत पर मार्क कार्नी को बधाई दी और कहा कि वह दोनों देशों के लोगों के लिए व्यापक अवसर सृजित होने की उम्मीद कर रहे हैं।

(स्रोत : संपादकीय टीम द्वारा संकलित, फोटो : गूगल से साभार)

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से रोज़गार मेले को संबोधित किया

जब युवा राष्ट्र निर्माण में प्रमुखता से योगदान देता है तो देश बेहद तेज गति से विकास करता है - प्रधानमंत्री

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से रोज़गार मेले को संबोधित किया। इस अवसर पर उन्होंने विभिन्न सरकारी विभागों एवं संगठनों में नवनियुक्त 51 हजार से अधिक युवाओं को नियुक्ति पत्र वितरित किए।

प्रधानमंत्री ने कहा कि उनके कर्तव्यों में देश के आर्थिक ढांचे को मजबूत करना, आंतरिक सुरक्षा को सुदृढ़ करना, आधुनिक बुनियादी ढांचे के निर्माण में योगदान देना और श्रमिकों के जीवन में क्रांतिकारी बदलाव लाना शामिल है। उन्होंने कहा कि जिस ईमानदारी के साथ वे अपनी जिम्मेदारियों को पूरा करते हैं, उसका भारत के विकसित राष्ट्र बनने की यात्रा पर सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा।

उन्होंने कहा कि ये युवा अपने कर्तव्यों का पूरी निष्ठा के साथ निर्वहन करेंगे। प्रधानमंत्री ने कहा कि किसी भी राष्ट्र की प्रगति और सफलता की नींव उसके युवाओं में निहित है। युवा राष्ट्र निर्माण में भागीदार होते हैं, तो देश तेजी से विकास करता है और विश्व भर में अपनी पहचान भी बनाता है।

- **भारत के युवा अपने समर्पण और नवाचार से आज दुनिया को दिखा रहे हैं कि हममें कितना सामर्थ्य है।**
- **विनिर्माण मिशन से देश भर में लाखों एमएसएमई और छोटे उद्यमियों को मदद मिलेगी।**
- **मीडिया, गेमिंग और मनोरंजन के क्षेत्र में वेव्स अपनी प्रतिभा दिखाने का एक अभूतपूर्व अवसर है।**

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने वर्चुअली रोज़गार मेले को संबोधित किया

सरकार हर कदम सुनिश्चित कर रही

भारत के युवा अपनी कड़ी मेहनत और नवाचार के जरिए दुनिया को अपनी अपार क्षमता दिखा रहे हैं। उन्होंने कहा कि सरकार हर कदम पर यह सुनिश्चित कर रही है कि देश के युवाओं के लिए रोज़गार और स्वरोज़गार के अवसर बढ़ते रहें।

स्किल इंडिया, स्टार्टअप इंडिया और डिजिटल इंडिया जैसी पहल युवाओं के लिए रोज़गार के नए अवसर पैदा कर रही हैं। इन अभियानों के माध्यम से सरकार भारत के युवाओं को अपनी प्रतिभा दिखाने के लिए एक खुला मंच प्रदान कर रही है। श्री मोदी ने कहा कि इन प्रयासों के परिणामस्वरूप, इस दशक में भारत के युवाओं ने देश को प्रौद्योगिकी, डेटा और नवाचार के क्षेत्र में अग्रणी स्थान पर पहुंचा दिया है।

भारत अब वास्तविक समय के डिजिटल लेनदेन में दुनिया में अग्रणी है और इस उपलब्धि का एक महत्वपूर्ण हिस्सा युवाओं को जाता है।

मानकीकृत उत्पाद बनाने के अवसर

प्रधानमंत्री ने कहा बजट में घोषित विनिर्माण मिशन का उद्देश्य 'मेक इन इंडिया' पहल को बढ़ावा देना और भारत के युवाओं को वैश्विक स्तर पर मानकीकृत उत्पाद बनाने के अवसर प्रदान करना है। इस पहल से न केवल देश भर में लाखों एमएसएमई और छोटे उद्यमियों को मदद मिलेगी, बल्कि देश भर में रोज़गार के नए अवसर भी खोलेगी। उन्होंने कहा कि यह भारत के युवाओं के लिए अवसरों का एक अभूतपूर्व समय है। उन्होंने बताया कि आईएमएफ ने हाल ही में कहा है कि भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था बना रहेगा।

दिग्गजों से जुड़ने का मौका

श्री मोदी ने कहा, मुंबई में आयोजित विश्व ऑडियो विजुअल और मनोरंजन शिखर सम्मेलन (वेव्स) 2025 युवाओं पर केंद्रित आयोजन युवा रचनाकारों को मंच प्रदान करेगा। यह शिखर सम्मेलन मीडिया, गेमिंग और मनोरंजन के क्षेत्र में नवाचार करने वालों को प्रतिभा दिखाने का एक अभूतपूर्व अवसर प्रदान करेगा। उन्होंने कहा कि मनोरंजन स्टार्टअप को निवेशकों और उद्योग के दिग्गजों से जुड़ने का मौका मिलेगा, जिससे यह दुनिया के सामने अपने विचारों को पेश करने का सबसे बड़ा मंच बन जाएगा। प्रधानमंत्री ने कहा कि समाज का हर वर्ग देश की उपलब्धियों में योगदान दे रहा है। उन्होंने कहा कि भारत की बेटियां आगे बढ़ रही हैं।

सात हजार मीटर अनुभवी को ही मिलेगा एवरेस्ट चढ़ाई का परमिट

नेपाल सरकार ने माउंट एवरेस्ट पर चढ़ने के लिए नए नियमों का प्रस्ताव रखा है, जिसके तहत अब केवल वही पर्वतारोही एवरेस्ट पर चढ़ सकेंगे, जिन्होंने 7,000 मीटर ऊंचे पर्वतों में से किसी एक पर चढ़ाई की हो।

नेपाल सरकार की तरफ से यह कदम एवरेस्ट पर बढ़ती दुर्घटनाओं और रिकॉर्ड मौतों के चलते उठाया गया है। ज्ञात रहे कि एवरेस्ट की चढ़ाई का खर्च कम-से-कम 30 हजार अमेरिकी डॉलर से एक लाख अमेरिकी डॉलर के बीच आता है।

रचनात्मकता निखारने के लिए पहली बार बन रहा रचनात्मक प्रौद्योगिकी संस्थान

मनोरंजन उद्योग का अहम हिस्सा बन चुके एनिमेशन, विजुअल इफेक्ट्स, गेमिंग, कॉमिक्स और विस्तारित वास्तविकता (एवीजीसी-एक्सआर) का भारत में तेज विकास करने के लिए मुंबई में भारतीय रचनात्मक प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईसीटी) की स्थापना की जा रही है। यह देश में अपनी तरह का - पहला संस्थान होगा। इसे आईआईएम और आईआईटी के दर्जे पर विकसित करने का लक्ष्य बनाया गया है। आइआइसीटी मुंबई के गोरेगांव स्थित दादा साहब फाल्के फिल्म सिटी में 10 एकड़ में बनेगा। फिलहाल जल्द शुरू करने के लिए इसका कैंपस राष्ट्रीय फिल्म विकास निगम में रखा गया है। संस्थान की स्थापना के लिए केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव और महाराष्ट्र के सीएम श्री देवेंद्र फडणवीस की उपस्थिति में राज्य की मुख्य सचिव सुजाता सौनिक और सूचना एवं प्रसारण सचिव संजय जाजू ने एमओयू पर हस्ताक्षर किए।

डॉ. कलाम के दस्तावेज अब राष्ट्रीय अभिलेख बने

भारत के पूर्व राष्ट्रपति और 'मिसाइल मैन' कहे जाने वाले डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम के निजी दस्तावेज अब राष्ट्रीय अभिलेखागार का हिस्सा बन गए हैं। इन दस्तावेजों में उनका पासपोर्ट, आधार कार्ड, पैन कार्ड, विश्वविद्यालयों में दिए गए व्याख्यान, यात्रा रिपोर्ट और कई मौलिक पत्राचार शामिल हैं। यह संग्रह उनकी भतीजी एपीजेएम नजीमा मरीकैयर और भतीजे एपीजेएमजे शेख सलीम की ओर से एनएआई को दान किया गया।

इस अवसर पर एनएआई के महानिदेशक अरुण सिंघल ने मरीकैयर के साथ एक औपचारिक समझौते पर हस्ताक्षर किए। ज्ञात रहे कि कलाम का जन्म 15 अक्टूबर 1931 को तमिलनाडु के रामेश्वरम में एक साधारण परिवार में हुआ था। उन्होंने डीआरडीओ एवं इसरो में काम करते हुए मिसाइल और अंतरिक्ष कार्यक्रमों को नई ऊंचाई दीं।

सरकारी कामकाज में हिंदी भाषा को बढ़ावा देना समाज की साझा जिम्मेदारी है- डॉ. जितेंद्र सिंह

केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, पृथ्वी विज्ञान राज्य मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने कार्मिक, लोक शिकायत एवं पेंशन मंत्रालय द्वारा आयोजित "हिंदी सलाहकार समिति" की बैठक को संबोधित किया।

उन्होंने कहा कि सरकारी कामकाज में हिंदी भाषा को बढ़ावा देना केवल कुछ विभागों का काम नहीं है, बल्कि यह समाज की साझा जिम्मेदारी है। राज्यमंत्री डॉ. सिंह ने कहा कि यद्यपि हिंदी के प्रयोग को बढ़ाने में उल्लेखनीय प्रगति हुई है, फिर भी व्यापक लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए सभी हितधारकों की ओर से निरंतर प्रयास आवश्यक हैं।

राज्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में पिछले दशक में प्रगति हुई है जिसने हिंदी को बढ़ावा देने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता की कुछ खामियों को दूर करने में मदद की है। उन्होंने बताया कि ऐतिहासिक रूप से अनेक लोगों की मातृभाषा होने के बावजूद,

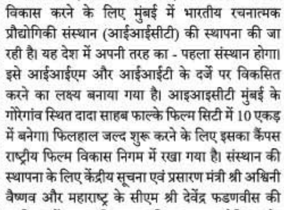

हिंदी को आधिकारिक संचार में वह औपचारिक स्वीकृति नहीं मिली, जिसकी वह हकदार थी। उन्होंने कहा, "पहले, हिंदी में पत्र प्राप्त करना या भेजना काफी मुश्किल था और यहां तक कि प्राप्तकर्ता भी हिंदी में पत्र स्वीकार करने में संकोच करते थे, लेकिन अब यह मानसिकता धीरे-धीरे बदल गई है।"

सकारात्मक सांस्कृतिक बदलाव का संकेत

डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा कि हिंदी के प्रति सामाजिक दृष्टिकोण में बदलाव इसकी व्यापक स्वीकार्यता के लिए महत्वपूर्ण है। उन्होंने दक्षिण भारत के उदाहरण दिए, जहां नई पीढ़ी हिंदी सीखने के लिए तेजी से उत्सुक है। उन्होंने कहा, तीसरी पीढ़ी के बच्चे स्वाभाविक रूप से हिंदी को अपना रहे हैं, जो सकारात्मक सांस्कृतिक बदलाव का संकेत है। उन्होंने अंतर्राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य पर कहा कि फ्रांस और जर्मनी जैसे देशों ने अपनी भाषाओं को संरक्षित रखा है। इसी तरह, हिंदी को बढ़ावा देने के भारत के प्रयासों को यांत्रिक अनुवाद अभ्यासों की बजाय गर्व और निरंतर अभ्यास पर आधारित होना चाहिए। उन्होंने कहा कि अनुवाद का उद्देश्य केवल अंग्रेजी शब्दों को हिंदी शब्दों से बदलने की बजाय संचार की भावना और तकनीकी सार को संरक्षित करना होना चाहिए।

स्वामी- मध्यप्रदेश माध्यम, प्रकाशक- डॉ. सुदाम खाड़े, मुद्रक- डॉ. सुदाम खाड़े द्वारा मेसर्स डी.बी. कॉर्प लिमिटेड, 10-11, सेक्टर-B, इंडस्ट्रियल एरिया, गोविंदपुरा, भोपाल से मुद्रित एवं मध्यप्रदेश माध्यम 40, प्रशासनिक क्षेत्र, अरेरा हिल्स, भोपाल-462011 (म.प्र.) से प्रकाशित। सम्पादक- रंजना चितले।